मॉडर्न
हाउस प्लान्स

लेखक
अशोक गोयल B ARCH
मधु मोहन B ARCH

(विभिन्न पत्र पत्रिकाओं के जाने माने लेखक तथा शैक्षिक योग्यता प्राप्त एवं कौंसिल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा पंजीकृत आर्किटेक्टस)

पुस्तक महल®
खारी बावली, दिल्ली-110006

प्रकाशक

पुस्तक महल, दिल्ली-110006

सबद्ध सस्था

हिन्द पुस्तक भण्डार, दिल्ली-110006

बिक्री केन्द्र

1 गली रत्नार नाथ चावडी बाजार दिल्ली 110006
फोन 65403 6879
2 खारी बावली दिल्ली 110006
फोन 239314 2911979
3 10 B नेताजी सभाष मार्ग दरियागज नई दिल्ली 110002
फोन 268 3 268293

प्रथम हिन्दी सस्करण मार्च 1986
द्वितीय हिन्दी सस्करण सितबर 1987

मूल्य 20 रुपए

Modern House Plans (Hindi) Rs 20

Goel Madhu Mohan
के० के० प्रिंटर्स 150 डी कमलानगर, दिल्ली 110007

अनुक्रम

प्रकाशकीय

पुस्तक महल की परम्परा रही है कि पाठकों के लिए सस्ते मूल्य पर उच्च स्तर की तकनीकी और उपयोगी पुस्तकें तैयार की जायें। लेखक आर्किटेक्ट दम्पत्ति श्री अशोक गोयल एवं श्रीमती मधु मोहन की यह पुस्तक 'मॉडर्न हाउस प्लान्स' इसी श्रृंखला की एक और कड़ी है।

श्री अशोक गोयल के नाम से तो पाठक पहले ही से परिचित हैं। इनके लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में तो प्रकाशित होते ही रहते हैं। इनकी पुस्तकों 'होम डेकोरेशन गाइड' तथा '51 हाउस डिजाइन्स' की अब तक कुल मिलाकर 40,000 से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं। इतनी प्रतियां तो गृहसज्जा/वास्तुकला पर हिन्दुस्तान में प्रकाशित किसी अन्य अंग्रेजी पुस्तक की भी नहीं बिक पायी हैं। यह हिन्दी भाषा और लेखक प्रकाशक के लिये एक गर्व की बात है।

पुस्तकों के नाम अंग्रेजी में इसलिये रखे गये हैं क्योंकि ये शब्द आम प्रचलन में हैं।

'मॉडर्न हाउस प्लान्स' की सह-लेखिका आर्किटेक्ट श्रीमती मधु मोहन भी पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से गृहसज्जा तथा वास्तुकला की दिशा में पाठकों का मार्ग-दर्शन करती रहती हैं। डिपार्टमेन्ट ऑफ आर्किटेक्चर, हरियाणा में सह आर्किटेक्ट के पद पर कार्य करते हुए इन्होंने हरियाणा सरकार के कई महत्त्वपूर्ण आर्किटेक्चरल प्राजेक्टस पर काम किया है। आर्किटेक्ट दम्पत्ति श्री अशोक गोयल और श्रीमती मधु मोहन दोनों ही साथ मिल कर जनसाधारण की वास्तुकला/गृहसज्जा सम्बंधी समस्याओं का समाधान में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। श्रीमती मधु मोहन भारत की पहली महिला आर्किटेक्ट हैं जिन्होंने हिन्दी में वास्तुकला पर पुस्तक लिखी है, जिसके लिए वह बधाई की पात्रा हैं। हमारा विश्वास है—पुस्तक पाठकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

पुस्तक महल, खारी बावली
दिल्ली-110006

—प्रकाशक

भूमिका (द्वितीय संस्करण)

'मॉडर्न हाउस प्लान्स' का दूसरा संस्करण आपके हाथों में है। पुस्तक पाठकों द्वारा पसन्द की गई यह इस बात से स्पष्ट हो जाता है कि इसका यह दूसरा संस्करण प्रकाशित हुआ है। हमें खुशी होती है जब पाठकों के ऐसे पत्र हमें मिलते हैं जिसमें सराहना, आलोचना, प्रस्तावना की विभिन्न प्रतिक्रियाएं होती हैं। पाठकों की समझ तथा सद्भावना हमारे लिए प्रेरणा स्रोत का काम करती है। विभिन्न पत्र पत्रिकाओं ने भी हमारी पुस्तक की समीक्षा प्रकाशित करके हमारा उत्साह बढ़ाया है जिसके लिए हम उनका आभार मानते हैं। जनसाधारण व अनेक आर्किटेक्ट, [illegible] तथा इन्जीनियर्स ने भी पुस्तक को उपयोगी पाया यह जानकर हमारा मनोबल बढ़ा है। भविष्य में पाठकों को और उपयोगी पुस्तकें दे सकें इसके लिए प्रयास जारी रहेगा।

—अशोक गोयल
—मधु मोहन

प्राक्कथन

'हाम डकोरशन गाइड तथा '51 हाउस डिजाइन्स की सफलता स प्रात्साहन मिला कि इस शखला म और पुम्तके तैयार की जाए पाठका के काफी पत्र मिल, जिनम उन्हान माग की थी कि मकाना क 'फ्रट एलीवशन भी पुस्तक म हान चाहिए उनकी इस माग को ध्यान म रखत हुए प्रस्तुत पुम्तक मॉडर्न हाउस प्लान्स म प्लान्स क साथ एलीवशन्स भी दिए गए हैं यू ता एक ही प्लान के कई प्रकार से एलीवशन्स बनाय जा सकत हैं लकिन स्थानाभाव क कारण प्लान का एक एलीवशन ही दे पाना सभव है

पुस्तक म डिजाइनो के अलावा कमरो क आपसी तालमल के बार म भी विस्तार स समझाया गया है क्याकि मकान क विभिन्न अगो म जब तक सही प्रकार का तालमल न हागा तब तक एक अच्छा प्लान तैयार नही हो सकता किसी भी प्लान की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर करती है कि उसम कमरा की स्थिति या उपयाग किस प्रकार किया गया है

ईट, गारे, लोह सरिय स इमारत ता खडी हा सकती हे लेकिन घर ता 'जीवित चीजा स ही बनता है य चीज मनुष्य भी हा सकते हैं और पड-पौध भी इसी वजह स पड-पौधा पर भी पुस्तक म जानकारी दी गयी हे इसक अलावा बिल्डिग बाई लॉज ऋण याजनाए, स्ट्रक्चर डिजाइन आदि क बारे म भी बताया गया ह

हर प्लान एव एलीवेशन क साथ सम्पूर्ण विवरण भी दिया गया ह ताकि प्लान की रूपरखा समझन म पाठका का कोई कठिनाई न हा कुछ प्लाट साइज ले कर उनक प्लान प्रस्तुत किय गये हैं काई प्लाट चौडाई या लम्बाई म एक या दा फुट छोटा या बडा भी हो तो भी उसका डिजाइन पाठक पुस्तक की मदद स स्वय ही तैयार कर सकत हैं

प्रस्तुत पुस्तक का उद्देश्य पाठक को प्राथमिक जानकारी देना है न कि उसे वास्तुकार के समकक्ष खड़ा करने का प्रयास करना हमारा उद्देश्य नया मकान बनाने वाले व्यक्ति का सिर्फ मार्ग-दर्शन करना भर है नक्शा तो उसे बिल्डिंग बाइ लॉज के अन्तर्गत एक मान्यता प्राप्त आर्किटेक्ट से बनवाना ही होगा हां उससे पहले यदि आप स्वयं इस विषय में थोड़ी-बहुत जानकारी प्राप्त कर पाए तो यह पुस्तक की सफलता मानी जाएगी

डिजाइन्स रेखाचित्रों एवं छायाचित्रों वाली इस तरह की सचित्र पुस्तक तैयार करने में काफी श्रम और समय लगता है यही वजह है कि बाजार में इस तरह की गिनी-चुनी पुस्तक ही नजर आती हैं हमारा प्रयास रहेगा कि भवन-निर्माण तथा गृह-सज्जा पर पाठकों के लिए इसी तरह की और भी उत्तम पुस्तक तैयार की जाए व्यावसायिक आर्किटेक्ट होने के कारण प्रैक्टिस में काफी समय निकल जाता है फिर भी हम अपने पाठकों को शीघ्र ही ऐसी और पुस्तकें दे पाने में सफल होंगे, हमें इसकी पूर्ण आशा है

सहयोगियों और मित्रों के बिना कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं होता 'मॉडर्न हाउस प्लान्स' का प्रकाशन भी संभवत इष्ट-मित्रों के सहयोग के बिना संभव न हो पाता अपने सहयोगियों सर्वश्री राकेश कपूर अरुण घोष ए एच हाशमी, एल टी प्रमोद, विवेक मोहन रेणु सहगल रामनाथ मनोज बंगई आदि का हम हार्दिक आभार मानते हैं जिन्होंने निस्वार्थ भाव से हमें अपना अमूल्य सहयोग दिया

प्रकाशक श्री रामअवतार गुप्ता तथा श्री रमेश गुप्ता भी साधुवाद के अधिकारी हैं जिनके सुलझे हुए मार्गदर्शन तथा सप्रयासों से यह पुस्तक आप तक पहुंची है

कितना भी ध्यान रखें कहीं न कहीं कोई न कोई त्रुटि रह ही जाती है इस पुस्तक में भी हो सकती है विद्वानों से हमारा आग्रह है कि इन त्रुटियों की ओर निस्संकोच भाव से हमारा ध्यान आकृष्ट करें ताकि आगामी संस्करणों में उन्हें दूर किया जा सके

पाठकों को अपनी किसी भवन-निर्माण संबंधी समस्या का समाधान अपेक्षित हो तो जवाबी लिफाफे के साथ पत्र लिखें उत्तर देने का पूरा प्रयास रहेगा पुस्तक के अन्त में एक प्रश्नावली (सर्वेक्षण) है उस पर सही उत्तर पर निशान लगा कर भेजें तो हमें आपकी राय की जानकारी मिल सकेगी

फोन 7126190

—अशोक गोयल
—मधु मोहन
10A/14 शक्ति नगर दिल्ली-110007
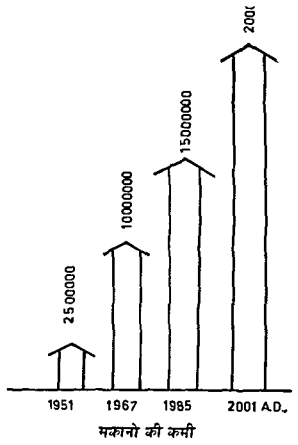
मकानो की कमी

शहरी इलाको मे पाच प्रतिशत प्रतिवर्ष की औसत से आबादी बढ रही हे 1951 मे शहरी क्षेत्रो मे 25 लाख आवास इकाइयो की कमी थी जो 1967 मे बढ कर एक करोड हो गई आजकल डेढ करोड आवास इकाइयो की कमी अनुमानित हे दिल्ली महानगर मे ही सात लाख से ज्यादा मकानो की कमी बनी हुई हे हर शहर के विकास प्राधिकरण तथा नगर निगम भूमि अधिग्रहण तथा विकास के कामो मे जोर-शार से जुटे हे लेकिन एक बात स्पष्ट हे कि सरकारी सस्थाए ज्यादा सख्या मे मकाना के निर्माण करने मे सफलता प्राप्त नही कर मकी हे

मकानो के निमाण की कुल सख्या का 85-90 प्रतिशत काम निजी क्षेत्र द्वारा ही किया जा रहा ह यह पक्तिया लिखन तक बडे महानगरो मे मकान के निर्माण म 1500 रु प्रति वग मीटर (150 रु प्रति वर्ग फुट) के लगभग का खर्चा बठ रहा हे यानी छोटे से छोटा मकान जिसमे सिर्फ 50 वर्गमीटर ही कवर्ड-एरिया हो, लगभग 75000 रु का बैठ जाता है तीन चार सौ वर्ग मीटर के प्लाट पर बने एक मजिले भवन का खर्चा ढाई-तीन लाख तक हो जाता हे

मकान बनाने से पहल अगर सही नक्शा बन जाये तो हर कमरे मे न सिर्फ सही प्रकार से धूप-हवा आएगी, बल्कि मकान देखने मे भी सुन्दर प्रतीत होगा हर कमरे का आपसी तालमेल, साइज, आकार-प्रकार वेन्टीलेशन आदि नक्श पर ही निर्भर करेगा मकान हर प्रकार से सवसुख-सुविधा-सम्पन्न बने, य फैसला सही प्रकार से डिजाइन के चुनाव के समय ही किया जाता हे लाखो रुपए केस व्यय किय जाए कि प्रति इच भूमि का सदुपयोग हो यह इस बात पर निभर करेगा कि डिजाइन या प्लान कैसा ह?

व्यय की नीति-निर्धारण का काय एक प्रकार से वह 'कागज का टुकडा करता है, जिसे हम प्लान, डिजाइन या नक्शा कहत हे देखन मे जरा सा कागज तथा उस पर चन्द लकीरे, लेकिन महत्त्व मे लाखो रुपए के खर्चे का सही मार्ग-दर्शक खाका होता है यह प्लान या डिजाइन।

कागज के टुकडे पर होती है सारी प्लानिंग

'एक बंगला बने न्यारा'

अत यह लाजिमी हो जाता है कि मकान के लिए डिजाइन का चुनाव करते समय विशेष सावधानी बरती जाए आर्किटेक्ट यानी वास्तुकार इस मामले में आपकी सही मदद कर सकता है परन्तु आर्किटेक्ट के पास जाने से पहले आप को यह पता चल पाये कि आपके प्लाट पर क्या कुछ बन पायेगा, इसी लिए इस पुस्तक को तैयार किया गया है

हमने विभिन्न प्लाट साइज ले कर उसके कई-कई डिजाइन इस पुस्तक में प्रस्तुत किये हैं डिजाइनों में प्लान तथा एलीवेशन दोनों ही दर्शाए गए हैं प्लान से आपको कमरों के साइज आपसी तालमेल आदि तथा एलीवेशन से सामने से मकान कैसा लगेगा, यह पता चलेगा हर डिजाइन के साथ सरल भाषा में संक्षेप में डिजाइन का विवरण भी दिया गया है

इन डिजाइनों में इच्छानुसार रद्दोबदल कर के आप स्वयं भी सैकड़ों डिजाइन तैयार कर सकते हैं अगर आपका प्लाट 42' x 90 का है तथा डिजाइन 40 x 90 का ही दर्शाया गया है तो आप दाएं बाएं दोनों कमरों की चौड़ाई में एक एक फुट या कम-ज्यादा जोड़ कर अपेक्षित नक्शा तैयार कर सकते हैं

1972 में स्वीकृत 'आर्किटेक्ट्स एक्ट' के अनुसार वही व्यक्ति 'आर्किटेक्ट' (Architect) कहला सकते हैं, जो कौंसिल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा पंजीकृत हैं कौंसिल ऑफ आर्किटेक्चर अब सिर्फ उन्हीं आर्किटेक्टों का पंजीकरण करती है, जो सही प्रकार से शिक्षा प्राप्त होते हैं अत इस संस्था द्वारा रजिस्टर्ड व्यक्ति ही आर्किटेक्ट कहलाने का अधिकारी है तथा यह इस बात का सबूत है कि सिर्फ वह आप का सही मार्गदर्शन कर सकता है हमारे देश के विस्तार तथा जनसंख्या के हिसाब से आर्किटेक्टों की कमी है, फिर भी इस समय तक कौंसिल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा साढ़े सात हजार आर्किटेक्ट्स का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है

हर छोटे-बड़े शहर में आपको कोई न कोई पंजीकृत तथा शैक्षिक योग्यता प्राप्त आर्किटेक्ट अवश्य मिल जाएगा अगर आप के शहर में कोई शैक्षिक योग्यता प्राप्त आर्किटेक्ट न हो तो भी किसी नीम-हकीम नक्शा नवीस का मकान का नक्शा बनाने के लिए देने की भूल कदापि न करें बेहतर यही रहेगा कि किसी निकटवर्ती शहर में जाकर सही आर्किटेक्ट शहर में जाकर सही आर्किटेक्ट से ही नक्शा तैयार करवाए
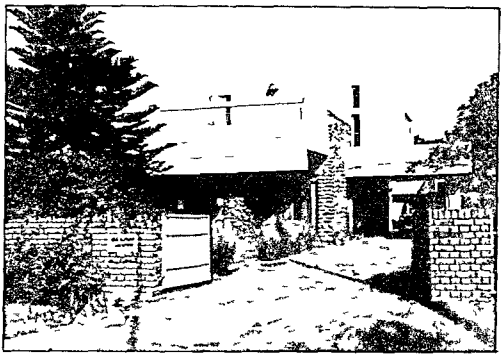
मकान कई दशक खडा रहता है
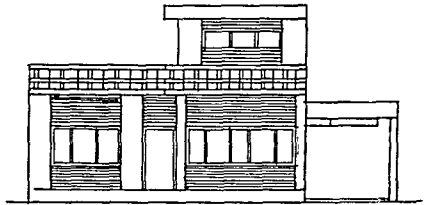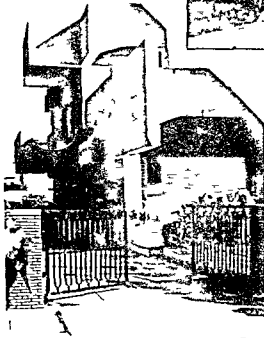
फ्रंट एलीवेशन

जिस तरह आप अपने पेट की चीड-फाड का ठेका नीम-हकीम को नही दे सकते, उसी प्रकार से मकान के डिजाइन या तैयार करने का काम भी नीम-हकीम को देना खतरे से खाली नही होता मकान कम से कम सौ साल अवश्य खडा रहता है और कम से कम दो पीढियो द्वारा अवश्य इस्तेमाल मे आता है गलत डिजाइन के कारण पैदा होने वाली कठिनाइयो का सामना न सिर्फ आपको बल्कि आगे आने वाली पीढी को भी करना पड सकता है

हर डिजाइन के साथ हमने एलीवेशन (Elevation) भी दर्शाए हैं, लेकिन एक बात पुनः स्पष्ट कर दें कि एलीवेशन से ज्यादा महत्त्व 'प्लान' का है एलीवेशन की खूबसूरती इस बात की गारन्टी नहीं है कि फलां प्लान आपकी सारी आवश्यकताएं पूरी कर रहा है अतः मकान के डिजाइन का चुनाव एलीवेशन से नहीं 'प्लान' से करें
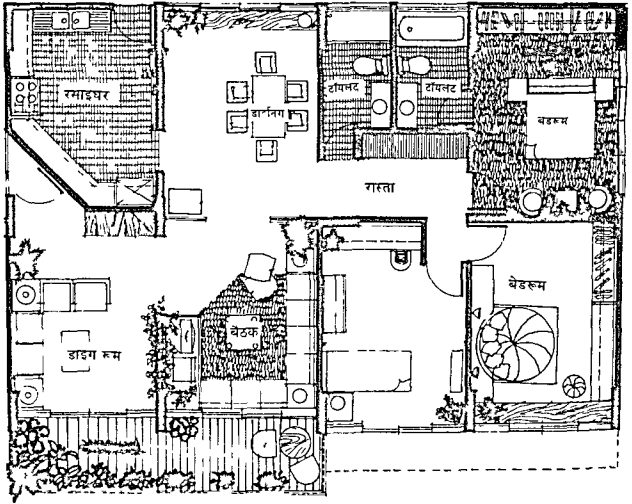
एलीवेशन से पहले प्लान का चुनाव महत्वपूर्ण है

प्लान के चुनाव के बाद मकान बनाते समय एलीवेशन को विभिन्न प्रकार से सुन्दर बनाया जा सकता है। खिड़की गोल है या चौकोर या आयताकार इस बात का ज्यादा महत्त्व नहीं होता बल्कि इस बात का होता है कि खिड़की खुल कौन सी दिशा में रही है—उत्तर या दक्षिण। अगर उत्तर दिशा में खुल रही है तो वहां से कदापि धूप न आएगी चाहे खिड़की का जो भी आकार-प्रकार हो।

चादर देख कर ही पांव पसारें यह कहावत भवन निर्माण के समय खरी उतरती है। अपनी आवश्यकताओं को निश्चित कर लें तो डिजाइन का चुनाव करते समय आसानी रहेगी। अगर कमरों की संख्या बढ़ाएंगे तो उनका साइज घट जायगा, यह बात भली प्रकार से समझ लेनी चाहिए। और फिर कोई भी डिजाइन आप की सभी आवश्यकताएं व इच्छाएं पूरी नहीं कर सकता। हर किसी की रुचि-अभिरुचि, रहन-सहन तथा आवश्यकताएं भिन्न होती हैं। एक को जो डिजाइन बेहतरीन महसूस होता है, दूसरे को वही निकृष्ट भी लग सकता है। इसी संदर्भ में पुस्तक को पढ़ें तो पुस्तक उपयोगी प्रतीत होगी।

अच्छा घर बनाने के लिए अच्छा डिजाइन होना चाहिए तथा अपना डिजाइन बनाने के लिए अच्छा आर्किटेक्ट होना जरूरी है। यह बात सदैव याद रखें
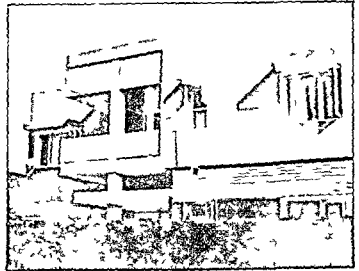
घर क लिए डिजाइन तयार करते समय या डिजाइन का चुनाव करने से पहले हम घर क विभिन्न हिम्मा की आवश्यकताओ आर उनके उपयोग को भली-भाति समझना हागा जगह की कमी को देखत हुए इस बात का ध्यान मे रखना चाहिए कि प्रत्येक म मी भूमि का मदुपयोग हा प्रत्येक कमरे के उपयोग का मानव की किमी न किसी क्रिया स सबध रहता ह ये क्रियाए मुख्यत खाना-पीना, माना, बठना, चलना-फिरना, खेलना, अध्ययन करना काय करना, आराम करना नित्य कर्म से निवत्त होना आदि है कुछ कमरा म ता कई क्रियाए एक साथ होती है, जबकि कुछ स्थान एक क्रिया विशेष क लिए ही बनाए जाते है जैसे कि रसाडघर खाना बनाने के लिए होता है तो टॉयलेट नहान तथा अन्य नित्य कम के लिए सक्षप मे हम प्रत्येक स्थान की चर्चा करग

वास्तुकार द्वारा मकान की अभिकल्पना

ड्राइग रूमकी खिडकिया बाहर की तरफ खुले

ड्राइग रूम को यथासम्भव घर के आग व हिस्से मे ही बनाना चाहिए इस तरह अतिथिया को बेवजह अन्य कमरो से होकर नही गुजरना पडेगा घर व प्रवेश-द्वार के पास होने से आगन्तुक स घर की प्राइवेर्स बनी रहती हे, तथा उसे घर के अन्तरग हिस्सो के बारे मे पता नही चल सकता यह वाछनीय हे कि मेहमान-नवाजी सिफ ड्राइग रूम मे ही की जाए और घर के 'प्राइवेट' क्षेत्र बेडरूम आदि के बारे म आगन्तुको का जानकारी न हा मके यह तभी सम्भव हे जबकि ड्राइग रूम की 'पोजीशन' एसी हो कि उसमे बाहर से सीध ही प्रवेश किया जा सक आर इसमे प्रवेश के लिए घर क अन्य हिस्सो से न गुजरना पडे घर के अन्दर के हिस्सा का डाइग रूम से जोडने के लिए इसम एक ओर दरवाजा भी होना चाहिए जो लॉबी या बरामदे द्वारा डाइग रूम का अन्य कमरो मे सम्पक स्थापित करे इसकी खिडकिया भी बाहर की तरफ खुलनी चाहिए

ड्राइग रूम (अतिथि कक्ष या बैठक) नवागन्तुक का पदापण सवप्रथम डाइग रूम म ही हाता ह अत घर क सवस वड कमर का डाइग रूम ही वनाया जाता ह ड्राइग रूम का आकार 12 ×18 या 14 ×20 तो कम स कम हाना ही चाहिए बडे प्लाटा मे इम इमसे भी बडा रखा जा सकता है यह कमरा आयताकार हो तो एक सिर पर वैठने की व्यवस्था तथा दूसरे सिर पर डाईनिंग यानी खान की व्यवस्था करन म आसानी रहती है डाईनिंग रूम पथक हान पर दा ग्रुप्म म फर्नीचर अरजमेन्ट किया जा सकता है
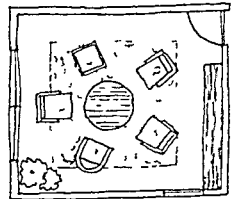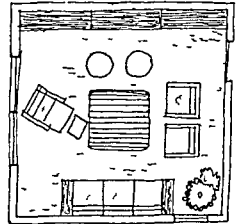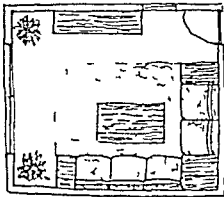
10 × 12 के कमरे मे विभिन्न प्रकार का सिटिंग अरजमेट
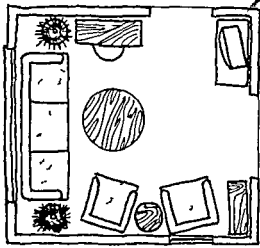
10 × 11 के कमरे मे बैठने की व्यवस्था
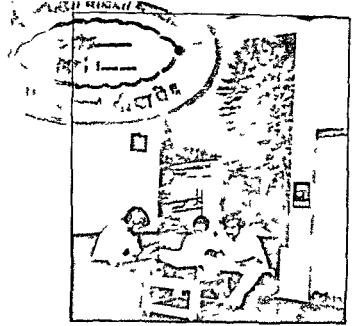
अन्दर क खुले आगन प्राय कपडे सुखाने व बर्तन धोने आदि के काम मे लिए जाते हैं अत यथासम्भव ड्राइग रूम की खिडकी बीच के आगन मे न खुले अगर हवा के आने-जाने यानी क्रॉस वेन्टीलेशन (Cross-Ventilation) के लिए एसा करना आवश्यक ही हो तो प्रयास रहे कि अन्दर के बरामदे की तरफ की खिडकी खडी (Vertical) न होकर आडी (Horizontal) हो तथा आई-लेवल (Eye-level) से ऊची हो ताकि ड्राइगरूम से अन्दर के बरामद का दश्य नजर न आए एक तरह से घर के समस्त क्षेत्रफल का 1/5 हिस्सा ड्राइग रूम पर ही खर्च हो जाता है इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि ड्राइग रूम का हर दृष्टि से सदुपयोग हो अगर स्थान की कमी हो ता ड्राइग रूम का उपयोग लिविंग रूम (Living-room)की तरह भी किया जा सकता है
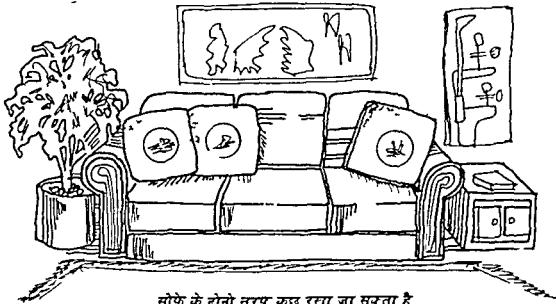
सोफे के दोनो तरफ कुछ रखा जा सकता है
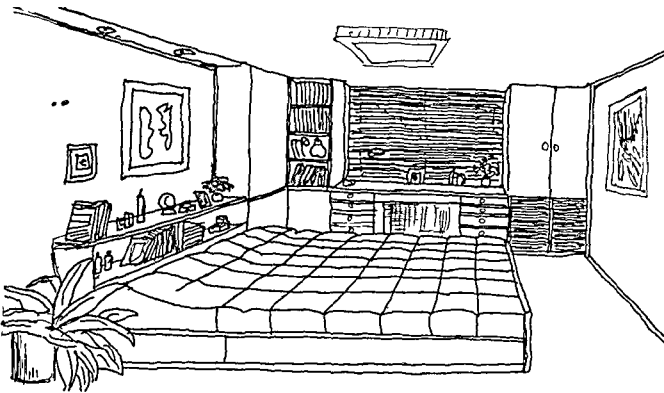
बेडरूम (शयन-कक्ष) उपयागिता की दृष्टि से सोन के कमरे यानी बेडरूम का घर मे द्वितीय स्थान हाता हे *आदमी अपनी एक तिहाई जिदगी साकर ही गुजारता हे* इसके अलावा अध्ययन करने, उठने-बठन श्रृगार करने तथा कई अन्य क्रियाआ म भी बेडरूम काम आता हे नक्श पर बेडरूम का स्थान सुनिश्चित करते समय किन बातो पर गोर करना आवश्यक हे, आइए देख

सवप्रथम ता यह ध्यान रखे कि बेडरूम म दिन किसी समय सरज की सीधी किरणे अवश्य अ *की किरणो म दूषित वायु शुद्ध होती ह तथ* प्रकार के रोग फलान वाले कीटाणु नष्ट हा जा पूव से उगता ह तथा दक्षिण स गुजरता हुआ डूबता ह
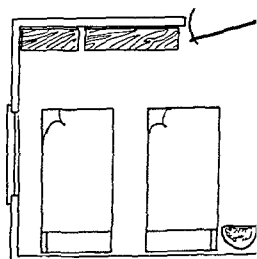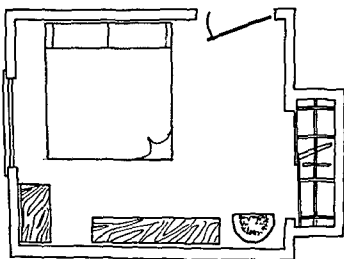
10 × 12 के कमरे मे बेडरूम की व्यवस्था
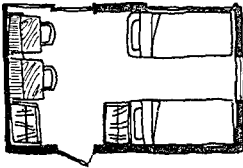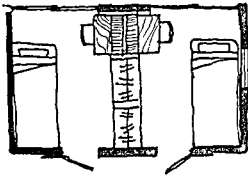
10 × 16 के कमरे मे बड अलमारी मेज आदि

उत्तर दिशा से सूरज कभी नही गुजरता इसलिए हर बेडरूम की कोई न कोई खिडकी पूव, पश्चिम या दक्षिण की तरफ अवश्य खलनी चाहिए ताकि किसी न किसी समय धूप कमरे मे आ सके अगर दक्षिण की तरफ खिडकिया खुलती ह तो वेहतरीन हे दक्षिण दिशा म सूरज ऊचाइ पर होता ह, तथा गर्मी मे आवश्यकतानुसार धूप को सनशेड (छजरी) से राका जा सकता हे सर्दी मे सूरज थाडा नीचा होता ह तथा कमरो म धूप सरलता स आ जाती ह जो सुखद भी ह ओर उपयोगी भी पूर्व तथा पश्चिम मे क्रमश उगता हुआ तथा डूवता हुआ सूरज नीचा होता हे नीचा होने के कारण इसकी धूप सनशेड से नही रोकी जा सकती बेहतर तो यही रहेगा कि दक्षिण दिशा मे ही वेडरूम की खिडकिया खुले ताकि वेहतरीन धूप मिले लेकिन ऐसा करना हर वेडरूम म सम्भव नही हा पाता ह पूव तथा पश्चिम दिशा म भी आप को किसी न किसी वेडरूम की खिडकिया खोलनी ही पडेगी सिफ उत्तर दिशा म जिस वेडरूम की खिडकिया खुलेगी उसम धूप कभी नही आएगी इस तरह के वेडरूम स्वास्थ्य की दृष्टि म लाभप्रद नही है
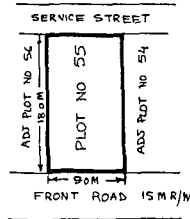
साइट प्लान पर N' अंकित होता है

भूखण्ड जब बचा जाता हे ता एक छाटा-सा साइट प्लान (Site Plan) मिलता ह इस पर नाथ प्वाइन्ट (North Point) अंकित हाता ह इस नाथ प्वाइन्ट म आपका चारा दिशाआ क बारे मे पता चल जाएगा नक्शा बनात या नक्श का चुनाव करते समय यह नाथ प्वाइन्ट' आपका मार्ग दशन करगा कि कमरा की स्थिति क्या हा तथा खिडकिया किस तरफ खुल वडरूम की चर्चा म खिडकिया क बार मे थाडा विस्तार म इसलिए बताना पडा कि घर मे रहन वाला का स्वास्थ्य 'खिडकिया के सही दिशा मे हान पर बहुत निभर करता है
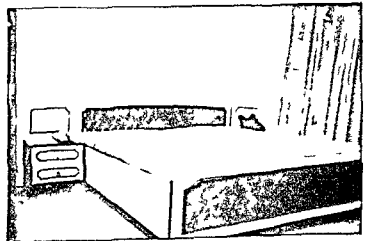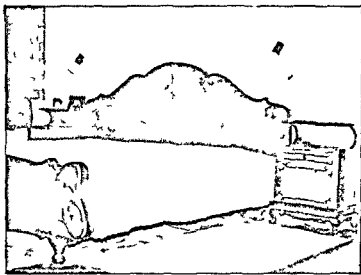
बेडरूम अगर, दो व्यक्तिया क लिए, सिफ सोन के काम आना ह तो 10 ×10 या 3×3 वग मीटर का कमरा काफी है लकिन इतन छाटे कमरे मे सिफ दो पलग ही आसानी स आ पाते ह कपडा की अलमारी, स्टडी टबल श्रगार टेबल, बेठने के लिए कुर्सिया आदि भी काफी स्थान घेरती हे अत जहा तक हो सक बेडरूम का साइज न्यूनतम साइज से बडा ही रखा जाए यह कमरा कितना बडा हो यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आप उसम कितना फर्नीचर डालना चाहते ह तथा प्लाट का साइज क्या हे

बेडरूम हो सक ता घर के पृष्ठभाग म हाना चाहिए ताकि प्राइवेसी बनी रहे आर सामने की सडक का शार बेडरूम तक न पहुच सके गस्ट बेडरूम, यानी मेहमान क लिए निर्धारित सान का कमरा, घर के अग्रभाग म ड्राइग-रूम के साथ ही हा सकता ह इस तरह इसमे ठहरे हुए मेहमान का घर क अन्य हिस्सा म स नही गुजरना पडेगा

प्रकाश व हवा के लिए बेडरूम आदि की खिडकी का क्षेत्रफल फश के क्षेत्रफल का 1/10 हाना जरूरी हे यह क्षेत्रफल दा या ज्यादा खिडकिया म भी विभक्त किया जा सकता ह काशिश यही करे कि दो अलग-अलग दीवारा पर दा खिडकिया हो इसस क्रॉस वेन्टीलशन की व्यवस्था ठीक रहती ह यहा यह स्पष्ट कर दना भी जरूरी ह कि खिडकियो का क्षेत्रफल फर्श के क्षेत्रफल स बीस प्रतिशत से ज्यादा कदापि न हो ज्यादा बडी खिडकिया हाने स निमाण की लागत मे तो वृद्धि हाती ही ह कमरे को ठण्डा या गर्म करने की लागत म भी बढातरी होती हे
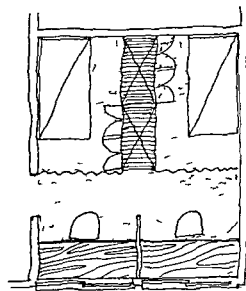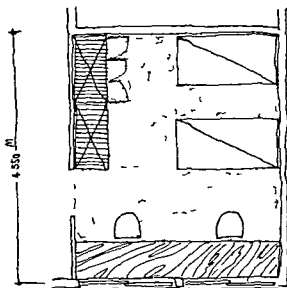
12 × 15 के कमरे मे फर्नीचर अरेजमेट

3 640 M — 3 640 M
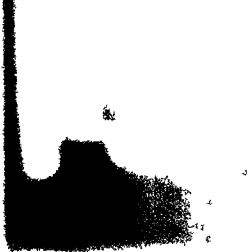
रसोईघर (किचन) भोजन मनुष्य की मुख्य आवश्यकताओ मे से एक ह भोजन जिस स्थान से बनकर आता हे वह होता ह रसोइघर घर भर की तन्दुरुस्ती अच्छे वातावरण ओर अच्छे खाने पर निर्भर करती हे, आर अच्छा खाना बनाने के लिए जरूरी ह, एक अच्छा ओर उपयोगी रसाईघर रसोइघर का साइज ता इस बात पर निर्भर करेगा कि घर के सदस्या की सख्या कितनी ह तथा प्लाट का साइज क्या ह बहुत छोटे प्लाटा के लिए रसोईघर का न्यूनतम क्षेत्रफल लगभग 45 वग फुट तथा थाडे बडे प्लाटो क लिए 60 वर्ग फुट होना चाहिए लेकिन अगर प्लाट बडा ह ता रसोईघर 75 से 125 वर्ग फुट क्षेत्रफल तक का बनाया जा सकता हे

रसोइघर म गृहिणी का सबसे ज्यादा समय व्यतीत हाता ह अत रसोईघर म सभी सुविधाए हानी चाहिए मच्छर मक्खी अन्दर न आने पाए, अत इसक दरवाज व खिडकिया पर जालीदार पल्ले भी लगे होन चाहिए रसोइघर ऐसी जगह स्थित हो जहा से या तो घर का मुख्य द्वार नजर आता हो या वहा तुरन्त ही पहुचा जा सकता हा घर के पुरुष ता काम पर बाहर चले जाते ह अत गृहिणी का ही सारा दिन घर की दखभाल करनी होती हे अगर रसोई मे काम करते हुए भी वह खिडकी म घर क प्रवेश-द्वार पर नजर रख सके तो बहतरीन ह
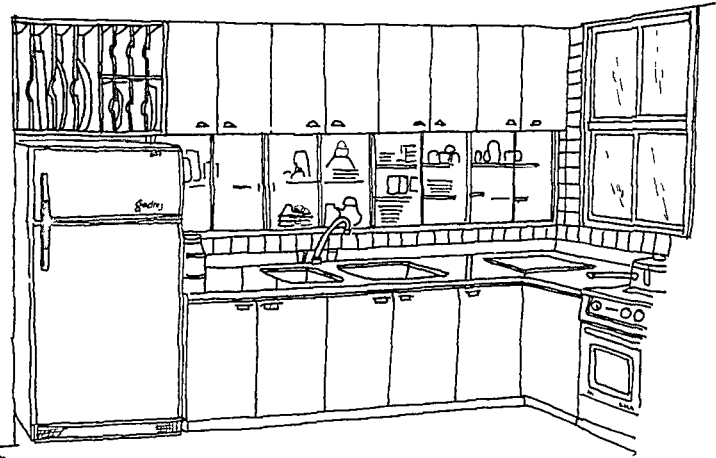
सर्वसुविधा सम्पन्न रसोई घर
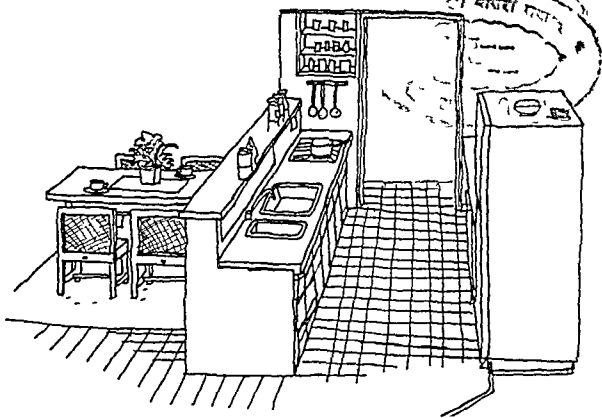
'डाइनिंग' रसोईघर के नजदीक होना चाहिए

रसोईघर को डाइनिंग रूम के पास ही स्थित होना चाहिए इस तरह खाना परोसते समय गृहिणी को ज्यादा भागा-दौड़ी नहीं करनी पड़ेगी रसोईघर और डाइनिंग रूम के मध्य की दीवार मे खाना परोसने के लिए 'सर्विस विन्डो' का प्रावधान हो तो और भी अच्छा रहेगा

रसोईघर में अच्छे क्रॉस वेन्टीलेशन के लिए जरूरी है कि उसकी एक खिड़की खुले आंगन की तरफ अवश्य खुले अगर दो भिन्न दीवारों पर खिड़कियों की व्यवस्था हो सके तो बहतरीन है अन्यथा खिड़की के ऊपर छत से थोड़ा नीचे, फालतू गर्म हवा बाहर फेंकने के लिए एग्जाहस्ट फैन लगवा लेना चाहिए आजकल प्रायः खड़े होकर ही खाना बनाया जाता है इसके लिए वर्किंग काउन्टर की ऊंचाई सुविधानुसार 2 -6" से 2 -8" रखी जा सकती है काउन्टर बनवाने के लिए मकान बनवाते समय ही कन्क्रीट की स्लैब डालकर उस पर संगमरमर पत्थर लगवा लेना चाहिए रसोईघर के साइज को देखते हुए यह काउन्टर एल-शेप, यू-शेप या आमने सामने की दो दीवारों पर बनवाया जा सकता है बर्तन धोने की व्यवस्था के लिए एक सिंक भी काउन्टर के एक सिरे पर लगवा लेना चाहिए

अतिरिक्त खाद्य सामग्री तथा अन्न-दाल वगैरह स्टोर करने के लिए या तो रसोईघर में ही काफी स्थान रहना चाहिए या फिर इसके साथ ही छोटा-सा स्टोर बनवा लिया जाए जिसमें इस तरह की सामग्री रखी जा सके इस स्टोर में छोटा-सा रोशनदान ही काफी रहता है लेकिन अगर सम्भव न हो सके तो बगैर रोशनदान के भी काम चल सकता है

खाना पकाने के लिए आजकल बड़े शहरों में ज्यादातर गैस के चूल्हे का ही इस्तेमाल होता है गैस-स्टोव के लिए चिमनी बनाने की जरूरत नहीं होती लेकिन अगर लकड़ी या कोयला ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाए तो धुआं निकलने के लिए चिमनी बनाना जरूरी है इसके लिए जिस स्थान पर चूल्हा रखना है उस जगह के ऊपर ढक्कन-नुमा हुड बनाकर एक कोने में पाइप लगाकर मकान के ऊपर धुआं छोड़ने की व्यवस्था की जाती है इस तरह की चिमनी से ज्यादा परेशानी नहीं होती तथा वायु शुद्ध बनी रहती है फ्रिज तथा वर्किंग टेबल कहां रखी जाएगी इसकी योजना भी नक्शा बनाते समय ही बना लेनी चाहिए

खाने का कमरा (डाईनिंग रूम) आजकल कुर्सी-मेज यानी डाईनिंग टेबल पर ही खाने का प्रचलन है अधिकाश घरो मे तो डाइग रूम के एक हिस्से मे ही डाईनिग टेबल लगाकर खाना खाने की व्यवस्था कर ली जाती है लेकिन उचित यही रहता हे कि खाना खाने के लिए अलग से ही एक कमरा हो डाइग रूम मे डाईनिग टेबल पर घर के सदस्य भोजन कर रहे हो ओर कोई ओपचारिक मेहमान आ जाए तो बडी अटपटी स्थिति पैदा हो जाती हे छ व्यक्तियो के लिए डाईनिंग टेबल डाली जाए तो डाईनिग रूम का साइजे 11 ×11′ अथवा 11 ×12 -3 होना चाहिए ज़्यादा व्यक्तियों के भोजन के लिए बडी डाइनिंग टेबल चाहिए तथा उसी हिसाब से डाईनिग रूम का साइज भी बढ जाएगा अगर रेफ्रिजरेटर भी डाईनिग रूम मे रखना चाहे ता उसके लिए भी जगह का प्रावधान रखना चाहिए
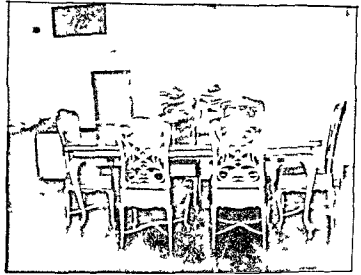
डाईनिंग रूम रसोईघर तथा ड्राइग रूम के पास ही स्थित होना चाहिए रसाईघर क पास होने से गृहिणी का खाना परोसते समय सुविधा रहेगी डाइग रूम क पास हाने से मेहमाना को भोजन करने के लिए ज्यादा दूर नही जाना पडगा ओर घर के अन्य हिस्सा से भी नही गुजरना पडेगा डाइनिग रूम क एक कोने म या इसके बाहर बरामद अथवा लॉबी म खाना खान के बाद हाथ धोने के लिए 'वॉश-बसिन' भी लगवाना चाहिए डाईनिग रूम म तेज प्रकाश की जरूरत नही होती हल्के तथा धीमे प्रकाश म ही खाना खाने मे मजा आता है इस दृष्टि से डाईनिग रूम मे लम्बी चोडी खिडकिया बनवाने की जरूरत नही हे न्यूनतम साइज की खिडकिया काफी ह बस, हवा का आवागमन बना रह

छ व्यक्तियो के लिए डाईनिग टेबल
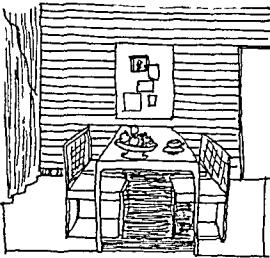
अगर लम्बोतरे डाइग रूम मे ही खाने की मेज लगा रहे हे ता इसक बीच म रूम-डिवाइडर बनवाकर बेठक ओर भोजन-कक्ष को अलग-अलग किया जा सकता है रूम-डिवाइडर छत तक ऊचा न होकर सात फुट ऊचा हा तो कमरा भी वडा नजर आएगा तथा डाइग व डाईनिग मे 'परदा' भी बना रहेगा

पूजा का कमरा (पूजा रूम) भारत एक धमप्रधान देश ह प्राय हर परिवार का कोई न कोई इष्टदेव होता ह प्रार्थना उपासना ध्यान आदि के लिए अक्सर हर व्यक्ति कुछ न कुछ समय निकालता ही ह पूजा या उपासना की पद्धति भिन्न-भिन्न हो सकती हे, लेकिन उसके लिए स्वच्छ तथा शान्त वातावरण बहुत आवश्यक होता हे 8 ×8 का एक छोटा-सा कमरा पूजा के कमरे का काम बखूबी दे सकता ह यह कमरा घर के किसी भी कोने मे ऐसी जगह बनाया जा सकता हे जहा शोर न आए तथा कोलाहल से दूर घर के सदस्य शातिपूर्वक चिन्तन-मनन कर सक प्लाट क साइज के अनुसार इस कमरे का साइज छोटा या बडा भी रखा जा सकता हे इसमे एक अलमारी तथा 'सेफ' लगवाकर नकदी गहने वगरह भी रख जा सकते ह पूजा क कमरे म ऐसा दरवाजा जरूरी नही ह जा बरामदे म लॉबी म खुल किसी बेडरूम के अन्दर स ही इस का दरवाजा हा सकता हे
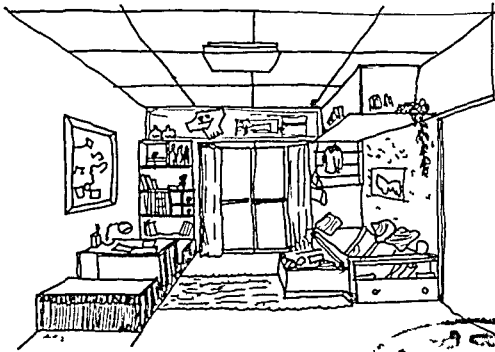
बच्चों का कमरा बच्चो के चहुमुखी विकास क लिए उचित वातावरण बहुत जरूरी होता है बच्चा को अगर बचपन से ही आत्मनिभर बनन की शिक्षा दी जाए तभी वडे होन पर कुछ कर दिखाने की अपक्षा उनमे की जा सकती है बच्चा के मुख्य काय खेलना तथा अध्ययन करना हाते है एक बच्चे के सोने, पढने तथा खेलने क लिए 10 ×8 का कमरा काफी रहता है अगर दा बच्चो का एक ही कमरे म रहना हो तो 10 ×14 का कमरा कम से कम हाना ही चाहिए ताकि उसम सोने क लिए दो पलग, पढाइ के लिए दा मजे, कपडे टागन तथा अन्य सामान रखन के लिए अलमारिया तथा खलने की जगह की ठीक से व्यवस्था हा सके हवा व रोशनी क लिए बच्चा क कमर पर भी वही नियम लागू होग जो किसी अन्य बेडरूम क लिए होते ह बच्चो के कमर के पास बरामदा हा तो और भी बढिया इसस बच्चे कमरे के बजाय इस बरामदे म ऊधम मचा सकते हे ओर खेल सकते ह

बच्चो के कमरे क पास ही एक टॉयलट हो ता रात को या सुबह जल्दी उठन पर उन्हे काफी सुविधा रहगी बच्चा के स्कूल आमतार पर बहुत सुबह ही शुरू हा जाते हे सुबह क समय स्कूल जाने वाले छात्रा को अक्सर बहुत ही जल्दी रहती है अटेच्ड टॉयलेट हाने से बच्चा को बहुत आसानी हा जाती ह
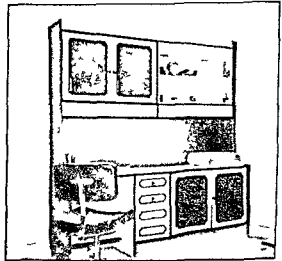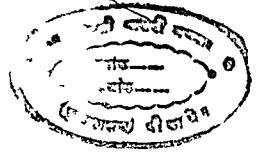
बच्चो के पढ़ने के लिए 'स्टडी काउटर' उनके कमरे मे ही बना सकते है
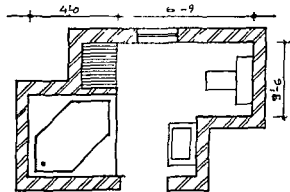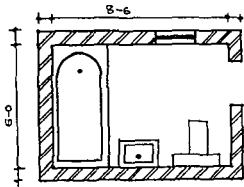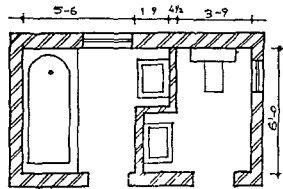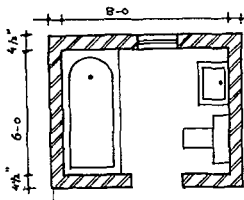
बाथ टब/शावर, वाश बेसिन, तथा सीट युक्त विभिन्न प्रकार के टायलेट

वाश बेसिन तथा सीट
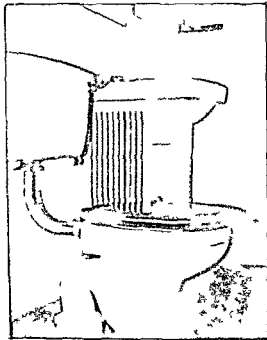
टॉयलेट स्नानघर तथा सडास दोना एक ही चारदीवारी मे बनाए जाए ता टॉयलेट कहलाता हे स्नानघर या गुसलखाने का बाथरूम तथा सडास या पाखाने को लट्रीन कहा जाता ह बाथरूम का न्यूनतम साइज 6 ×4 हाना जरूरी ह लेट्रीन का कम स कम साइज 4 ×3 होना आवश्यक ह इसी तरह टॉयलेट का न्यूनतम क्षेत्रफल 36 वर्ग फुट हाना चाहिए इसका साइज 9 ×4′ भी हा सकता ह तथा 6 ×6 भी

शॉवर, वाश वेसिन, सीट, टब इत्यादि वाल विभिन्न प्रकार क टॉयलेट के चित्र हमने चित्रित किए ह न्यूनतम साइज से जरा बडे ही टॉयलेट, लट्रीन अथवा बाथरूम बनवाए जाए ता उचित रहता हे टॉयलट ऐसी जगह स्थित हा कि सुविधा स हर जगह स वहा पहुचा जा सक इसके अलावा इसमे एक दरवाजा ऐसा भी हो जहा से जमादार वगरह कमर म गुजरे बिना टॉयलेट की सफाई करन आ सक लेकिन एसा करना कइ बार सम्भव नही हा पाता
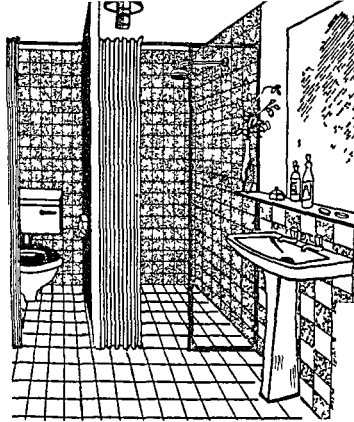
मकान बनवाते समय ही टॉयलेट म दीवारो पर चीनी मिट्टी यानी सिरामिक के टाइल्स लगवा लेन चाहिए इसस न सिफ टॉयलेट आकर्षक लगगा, बल्कि स्वच्छ भी रहेगा फश भी मारबल पत्थर का या अन्य मजबूत चिकने पत्थर का बनवाए, ताकि पानी ठहरे नही तथा सफाइ मे आसानी रह मारबल चिप्स के फर्श म साबुन की अलकली क साथ प्रतिक्रिया हाने के कारण कछ समय बाद छोट-छोट गड्ढे पड जाते ह

टॉयलट म वायु शुद्ध रह अत इसकी खिडकी खुल आगन म खुलनी आवश्यक ह खुला बरामदा न होन पर इसक 'वेन्टीलशन' के लिए 4 ×3 का 'शाफ्ट' बनवा लना चाहिए शाफ्ट म ही इसका मेन होल बन जाएगा तथा इसक पाइप आदि शाफ्ट की दीवारा के साथ लग सकेग

स्नानघर, लटीन तथा टॉयलेट की खिडकी या तो 6 फुट स ऊची राशनदान-नुमा हा या फिर इसके शीश धुधल हा बहतर ता यही रहता ह कि ऊची खिडकी हा इस खुला रखा जा सकता ह जिसस हवा का आवागमन भी हाता रहता हे ऊची खिडकी होने के कारण बाहर स अन्दर का दृश्य भी नजर नही आएगा टॉयलट स ही एक प्रकार से मनुष्य की दिनचया प्रारभ हाती ह, अत टॉयलट सविधाजनक हाना ही चाहिए

घर मे प्राय दो-तीन टॉयलेट बनवाए जाते ह सुबह के समय परिवार के प्रत्येक सदस्य को टॉयलेट जाने की जल्दी रहती हे बडरूमो के साथ अटच्ड टॉयलेट होने क अलावा एक टॉयलेट ऐसा भी होना चाहिए जिसम बगेर बेडरूम मे गुजर पहुचा जा सके अगर डाइग रूम मे बठा कोइ महमान शौच के लिए जाना चाह तो उसे बेडरूम म स हो कर ले जाना ठीक नही अत अटेच्ड टॉयलेट बनवाने क अलावा एक गुसलखाना तथा एक लटीन अलग मे एसी जगह बनवाए जहा पर घर के प्रत्यक भाग स आसानी स पहुचा जा सके अटच्ड टॉयलेट को ता विशष रूप स खूबसूरत बनाया जा सकता ह लेकिन घर भर के कपड इत्यादि धोने क लिए एक गुसलखाना अलग से हाना चाहिए जिसम नोकर महरी आदि कपडे धो सके

अगर घर म एक नाकर भी रहता हे आर उसक रहने के लिए घर के पिछवाड 'सर्वेन्ट क्वार्टर' की व्यवस्था नही ह तो उसक प्रयाग क लिए भी यह पथक लेटीन तथा स्नानघर काम आएगे
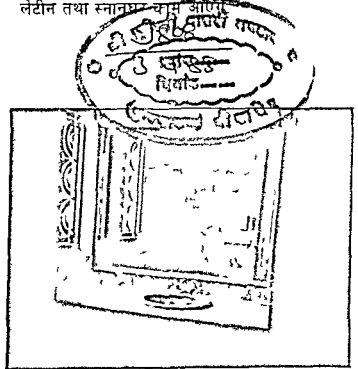
मार्बल पत्थर के स्लैब म लगा बेसिन तथा दीवारा पर सिरामिक टाइल्स

सीढिया ऊपर की मजिल अथवा छत पर जाने के लिए सीढिया यथासम्भव इस तरह बनानी चाहिए कि उसका रास्ता 'इन्डीपेन्डेट' (पथक) हो तथा ऊपरी मजिल पर रहने वालो के आने-जाने से नीचे वालो को कोई कठिनाई न हो अगर दोना मजिलो पर एक ही परिवार के सदस्य रहते हो तो घर के अन्दर की लॉबी से भी जीना बनाया जा सकता हे सीढी की चोडाई कम से कम 3 फुट अवश्य रखे प्लाट बडा होने पर 4 फुट या और चोडा जीना भी बनाया जा सकता है पैडी (स्टैप) 8 से ऊची तथा 10 से कम चोडी नही होनी चाहिए प्रयास यही रहे कि जीने मे तिकोनी पेडी (वाइन्डर्स) न बनाए जाए अगर स्थान की कमी के कारण बनाने जरूरी ही हो तो जीने मे प्राकृतिक रोशनी की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए ताकि 'वाइन्डर्स' आसानी से नजर आ जाए

जीने मे रोशनी की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए
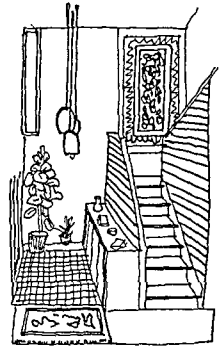
इस तरह का जीना न बनवाए कम से कम एक फुट ऊची दीवार बनवा कर रेलिंग लगवाए

आजकल जीने मे एक तरफ तो दीवार होती हे दूसरी तरफ सिफ लोहे व लकडी की रलिग लगा दी जाती है इस तरह के जीने को कोई पानी डालकर धाना चाहे ता बडी कठिनाई आती हे अत उचित यही रहगा कि जिस तरफ रलिग लगाना चाहे, उस तरफ भी कम से कम 1 फुट ऊची दीवार अवश्य बनाए उस दीवार पर भी उसी तरह लाहे एव लकडी की रलिग लगवा सक्ते हे

जीना चढत-उतरते समय व्यक्ति अक्सर भागा-दोडी म होता हे इसलिए यह जरूरी है कि उसम पूरे दिन प्राकतिक उजाला रह प्रत्येक बारह पेडिया के बाद एक बडी चौकी (लडिग) आनी भी जरूरी हे एक मजिल से दूसरी मजिल तक जाने के लिए साधारणतया 16 से 20 पेडिया की आवश्यकता हाती ह अक्सर ग्यारहव या बारहव 'स्टेप' के बाद लडिग' आती है

जीने की छत की ऊचाई भी उचित होनी चाहिए यह ऊचाई कम स कम 7 फुट अवश्य रहनी चाहिए ज्यादा हो तो और भी अच्छा रहेगा कई बार सिर पर सामान जीन स ऊपर ल जाना होता है एस मे ज्यादा ऊचाई म सुविधा रहती ह
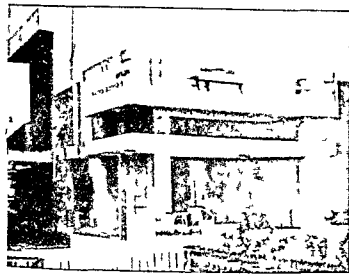
बरामद म बत की कुसिया डाल कर
बैठक बन सकती है

बरामदे, लॉबी तथा खुले आगन कमरा का आपस म जोडन का कार्य बरामद, लॉबी तथा खुल आगन ही करत ह कमरो के आगे बरामदा हाने से न सिर्फ तेज धप तथा बरसात की बाछारो मे कमरो का बचाव हाता ह बल्कि बेत की कुर्सिया डालकर बगमदे का एव अच्छी बैठक की तरह भी इस्तमाल हो सकता ह

पुगने जमाने मे घर के मध्य एक बडा-सा खुला चोक हाता था जहा स सभी कमरा म जाने का रास्ता होता था लेकिन आधुनिक भवन डिजाइन याजनाआ म खुल चोक का स्थान 'कवड लाबी' न ल लिया ह आजकल आगे-पीछे खुल आगन भवन निर्माण-नियमो के कारण आवश्यक हाते ह अत घर के मध्य म छोटा-सा ही खुला चाक या आगन मिल पाता हे कमरा को आपस म जाडती हे लॉबी या गलरी-नमा रास्ता गलरी-नुमा राम्त क बजाय चाकार या आयताकार छाटी-सी लॉबी ज्यादा बेहतर रहती हे एक ता यह खुलेपन का आभास दती हे, दूसरा इसम एक-दा कुर्सिया तथा सटर-टेबल भी डाली जा सकती हे लॉबी बडी हान पर नो इसे अनोपचारिक डाईनिग रूम भी बनाया जा सकता ह

आग-पीछ तथा मध्य क खुले आगन अपनी अलग ही उपयागिताए रखते ह खुल आगनो से न सिफ कमरो का प्राकृतिक रोशनी तथा हवा मिलती हे, बल्कि खुल वातावरण म बठन की दृष्टि स भी ये उपयोगी रहते ह आगे तथा पीछे क आगन मे बगीचा लगाकर घर को हरियाली भी प्रदान की जा सकती ह पीछ के आगन मे छाटा-सा 'किचन गाडन' बनाकर साग सब्जी उगाने का शाक भी पूरा किया जा सकता ह कपडे सुखान तथा इसी तरह क अन्य कार्यो क लिए भी खुले आगन का प्रयोग किया जा सकता हे

खुले आगनो का भी कई तरह से उपयोग हो सकता है
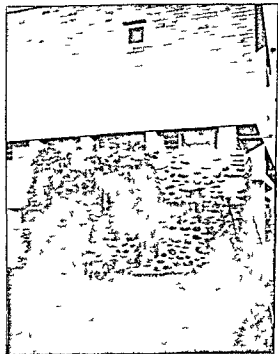
खुले आगन मे बगीचा लगाइए

लॉबी तथा रास्ते की छत 7 फुट पर डालकर इसक ऊपर लॉफ्ट या दुछत्ती बनाई जा सकती ह इस दुछत्ती म घर का काठ-कबाड बखबी स्टोर किया जा सकता ह लेकिन अगर लॉबी बडी तो तथा उसका उपयोग 'डाइनिंग या बठक के रूप म करना हो तो उसक ऊपर दछत्ती नही बनवानी चाहिए क्योंकि छत नीची होन क कारण आप लॉबी म सीलिंग फैन यानी छत का पखा न लगा सकेंगे
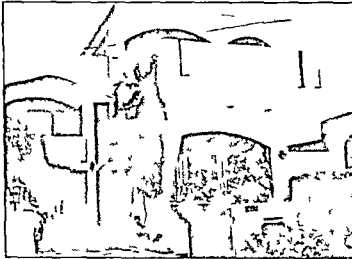
खुल आगन म बेले लगाइए

अगर गरज क लिए स्थान न हो तो आगे अथवा साइड क खुल आगन म कार अथवा स्कूटर भी खडा किया जा सकता ह कनापी क नीच धूप बरसात म भी गाडी का बचाव होगा अगर कनापी के नीचे का स्थान उठने-बठन क लिए बरामदे की तरह इस्तेमाल करना चाह तो कार खडी करने क लिए खुल आगन मे पाइप अथवा बास की झोपडी जैसी बनाई जा सकती है इस सादय प्रदान करना हो तो इसक ऊपर अगूर या बागनवालिया की बेल चढाई जा सकती ह

आग के खुल आगन म फूल वाल पाध तथा बल इत्यादि लगान स न सिर्फ गर्मी के मासम म ठण्डक रहती ह बल्कि घर क सादय म भी चार चाद लग जात ह पड-पाध वातावरण को खुशनुमा बनान म काफी मदद करत ह अत खुल आगनों म यथासम्भव थोडा बहुत स्थान पड-पाधो क लिए अवश्य रख
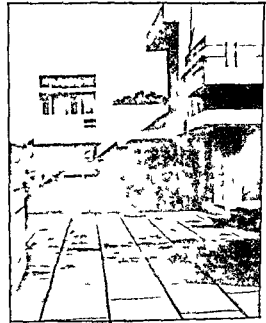
गैरेज के ऊपर सर्वेन्ट क्वाटर बन सकता है

अगर घर क घर आगन म पक्का फर्श बनवा लिय जाए तो प्रकाश का परावर्तन होन क कारण कमर गम रहत हैं तथा आखो पर चाधा पडता ह भारत एक गम दश ह तथा साल म लगभग 260 दिन सूरज पूरी तेजी स चमकता ह अत यहा कमरो को ठण्डा रखना ज्यादा मुश्किल काम होता ह पड-पाध वातावरण को ठण्डा बनान म काफी मदद कर सकत ह इसक अलावा शार तथा धूल को रोकन म भी पड-पाध सहायक साबित होत ह

गैरेज बड प्लाटो क लिए दिए गए अधिकाश नक्शो म हमन गरज भी दिखाया ह आजकल भवन-निमाण इतना महगा हो गया ह कि जो व्यक्ति इतन बडे प्लाट पर मकान निर्मित करन का खर्चा वहन कर सकता ह उसक पास कार अवश्य ही होती ह कार को धूप बरसात स बचान क लिए गरज बहुत उपयोगी रहता ह य तो भारतीय कारो का साइज लगभग 6 ×14 होता हे लेकिन फिर भी 9 ×18 स कम का गरज बनाना ठीक नही रहता कार की मरम्मत क छाट माट औजार पुराने टायर-टयूब आदि भी इतनी जगह म सरलता म आ जात ह गरज क ऊपर नाकरो क रहन क लिए एक कमरा टॉयलेट तथा छोटा-सा बरामदा बन जाता ह सर्वेन्ट क्वाटर का रास्ता भी पीछ क गाल जीन (स्पाइरल स्टयरकस) म अलग ही रहता ह

कमरों का आपसी तालमेल

मकान का नक्शा जब तयार किया जाता है, तब सबसे पहले तो यह निश्चित किया जाता है कि किस प्रकार के कितने कमरे हो तथा उनका क्या आकार-प्रकार एव साइज रखा जाए यह सब तय हो जाने के बाद जब इन सब कमरो को आपस मे सही प्रकार से तालमेल बिठा कर जोडा जाए तो पूरा नक्शा तैयार होता है इन सारे कमरो का आपस में किस तरह सम्बन्ध है, इस पर ही नक्श का अच्छा या बुरा होना काफी हद तक निभर करता है
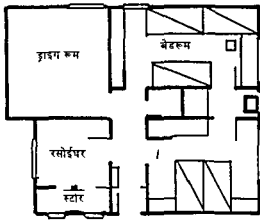
रसोईघर, स्टोर तथा ड्राइग डाइनिंग पास-पास होने चाहिए

उदाहरण के लिए रसोइघर तथा डाइनिंग रूम पास-पास हो तो गृहिणी के श्रम मे काफी बचत होगी इसी तरह भण्डारगृह (स्टोर) भी रसोइ के नजदीक ही होना चाहिए टॉयलेट (लैटीन तथा बाथरूम) का बेडरूम के साथ सम्बन्ध होना चाहिए सभी कमरे इस प्रकार स्थित होने चाहिए कि आने-जाने म आसानी भी हो, साथ ही एक म जाने के लिए दूसरे म न गुजरना पडे एक लॉबी या छोटा-सा हॉल ऐसा होना चाहिए जहा पर सभी कमरो के दरवाजे खुलते हो

आगन
टायलट
बेडरूम
बेडरूम
बेडरूम
टायलट
टायलट
लाबी
आगन
रसोई
प्रवेश
गेस्टरूम
ड्राइग रूम
आगन
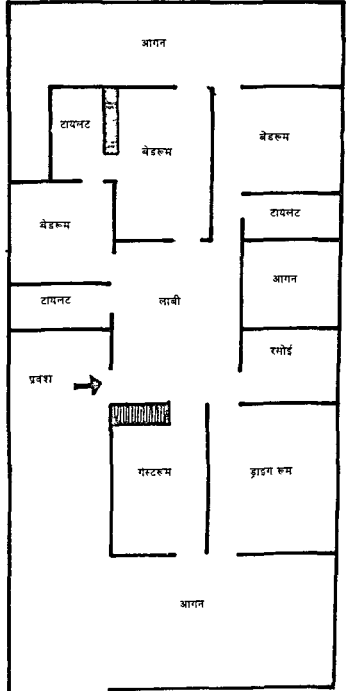
स्टडी टेबल तथा कपड प्रेस करने की मेज भी बरामदे मे रख सकते है

रसाइघर क नजदीक छाटा-सा बरामदा या खुला आगन भी हाना चाहिए ताकि रसाईघर क बड बतन जा सिक म नही धल सकन बाहर बेठकर सुविधा स धाए-माज जा सक इस तरह क बरामद या आगन म बठकर दाल चावल वगैरह बीनन-चुगन तथा सब्जी काटन जस काय भी किए जा सकते ह अगर गहिणी का रसाइ म काय करना हा ओर साथ ही स्कल जान वाल छाट बच्चा का पढाइ सम्बन्धी निर्देश भी दन हा तो भी इस तरह के बरामद काफी उपयागी रहत ह गहिणी रसोइघर मे अपना काम करन के साथ-साथ नजदीक ही बरामद म बठ स्कूली विद्यार्थी का पढाइ म मदद भी कर सकती ह कपड प्रस करन की मेज भी इस तरह के बरामदे म रखी जा सकती हे यही मज समय पर बच्चा की अध्ययन करन की टम्परेरी स्टडी-टबल का काम दगी

पीछ का आगन

बडरूम

बडरूम

टॉयलट

टॉयलट

बेडरूम

बरामदा

आगन

बडरूम

रसोईघर

रास्ता

डाइग/डाईनिग

आगन
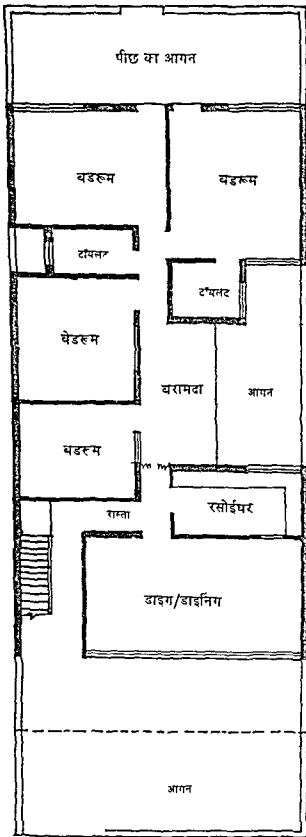
बेडरूमो तथा डाइगरूम को दूर होना चाहिए
इस तरह प्राइवेसी बनी रहती हे
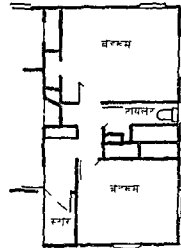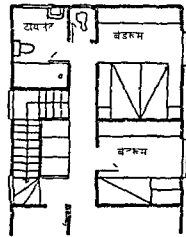
टॉयलेट, लैट्रीन स्नानघर आदि बेडरूम
के नजदीक ही होने चाहिए

शोरगुल वाल क्षेत्रा को भी एस कमरा म जहा शाति अपेक्षित हा, दूर ही रहना चाहिए जसे बेडरूम, रसाइघर तथा डाइग रूम स दूर हान चाहिए प्राथना क लिए पूजा-रूम भी किमी शान्त कमर म रखना चाहिए कमरा का आपसी तालमल तयार करत समय इस बात का भी ध्यान रखे कि रसोइघर और टॉयलट एक दम पास-पास न हा अगर य दाना एक दूसरे के सामन भी हा तो इनके दरवाज इस तरह बनाए जाए कि एक दूसरे के सामने न खुले
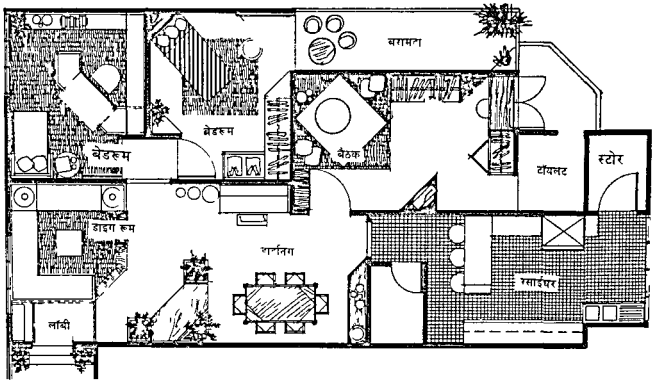
डिजाइन का चुनाव आपकी जरूरतो पसन्द तथा रुचि अभिरुचि के अनुसार होना चाहिए

डाइग रूम का तो प्राय महमाना के आने पर ही उठन-बेठने के लिए इस्तेमाल किया जाता हे अन्यथा प्रमुखतया बेडरूम टॉयलेट डाईनिग रूम रसोईघर, बरामदे तथा लॉबी का ही ज्यादा इस्तमाल होता हे नक्शा तेयार करत ममय तथा कमरा की स्थिति निश्चित करत समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि प्राइवट तथा 'पब्लिक एरिया अलग-अलग हो डाइग रूम आदि का हम पब्लिक एरिया कह सकते हे जबकि बेडरूम, रसोईघर, अन्दर की लॉबी वगेरह पूणतया निजी यानी प्राइवेट होत हे इन जगहा पर आपचारिक मेहमाना का अथवा अपरिचित आगन्तुको का आने का कोई कारण नही होता दूध वाला, अखबार वाला, सब्जी वाला या इसी तरह के किसी अन्य व्यक्ति का भी प्राइवेट एरिया मे बेवजह प्रवेश न हा, यह भी नक्शा तेयार करते समय ध्यान मे रहना चाहिए
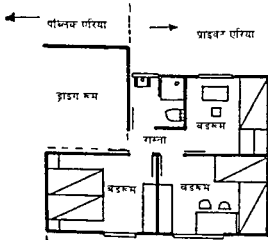
प्राइवेट तथा पब्लिक एरिया अलग-अलग होने चाहिए

वास्तव मे नक्शा तयार करन का उद्देश्य ही यह होता हे कि उपयोगिता को ध्यान म रखत हुए कमरो का आपसी तालमेल एसा हो कि श्रम-शक्ति की बचत हो, तथा सुविधापूवक सभी क्रिया-कलाप हा सके कमरा का आपसी तालमेल विभिन्न प्रकार से किया जा सकता ह आर अलग-अलग तरह के तालमेल स एक ही प्लाट क लिए सकडा डिजाइन्स तयार किए जा सकत है कौन-सा डिजाइन आपके लिए सबसे ज्यादा ठीक रहेगा यह आपके रहन-सहन के ढग पसन्द रुचि-अभिरुचि तथा आवश्यकताओ पर निभर करता है इन सब बाता का ध्यान मे रखकर बेहतरीन नक्शा तैयार करना ही आर्किटक्ट का काय होता ह

Five dead in house collapses

Hindustan Times Correspondent

LUCKNOW, Aug 18 — Five persons killed in house collapses in Chamoli district, the death has risen to 30

3 killed in balcony collapse

Three persons were killed and several

5 die as factory roof collapses

AHMEDABAD May 4 (UNI) — At least five persons including two infants and a 10-year old child were killed and eight injured when the roof of a textile printing factory collapsed owing to heavy rain at Narol, an industrial suburb of Ahmedabad this evening

Fire brigade men, who rushed to the site extricated the bodies and rescued the injured who have been admitted to hospital

In Midnapore district of West Bengal the heat wave during the last two days has claimed at least one life. Forty people suffered a heat stroke at election meetings at Keshiary and Jhargram in the Midnapore district.

The heat wave has also taken one life in the Mokamah-Barauni industrial area in Mokamah

Balcony crash kills 15

AGRA April 28 (UNI) — Fifteen persons including five women and four children were killed and about 50 injured yesterday when a balcony of a house collapsed in Innayatpur village according to a report received here today

4 killed in cinema house collapse

MADURAI April 30 (PTI) Four persons were killed and atleast 15 injured when a portion of a cinema theatre gave way in heavy ... night at Vandiyur

Six killed as roof collapses

BIHARSHARIF May 3 (PTI) Six persons including two children were killed and two seriously injured when the roof of a newly constructed house in the Kakji area here on Saturday collapsed at ... according to official sources. The injured were admitted to hospital where the condition of one is stated to be serious

SKYSCRAPER CRUMBLES BEFORE COMPLETION

Our Staff Correspondent

HYDERABAD Oct 31 — A seven storey building comprising 13 residential flats which was nearing completion, crumbled as its foundation suddenly sank about 10 feet at Panjagutta here this morning. No one was, however ...

Seven killed in balcony collapse

AGRA June 3 (PTI) Seven persons, including two women and five children were killed and 23 injured here today when a balcony collapsed. The injured have been admitted to the district hospital and the District Hospital. The accident occurred at the house of ... a shoe manufacturer ... wedding procession ... the bride's ...

तारीफों का पुल ... ढह गया!

नित्य प्रति अखबारों में मकानों के धराशायी होने की खबर नजर आ जाती है। अकसर कमरे की छत, बालकनी छज्जा, कनोपी आदि के गिरने के समाचार ही पढ़ने में आते हैं, दीवारों के गिरने के मामले कम ही होते हैं। ये दुर्घटनाएं या तो तेज बरसात, तूफान, भूकम्प के दिनों में होती हैं या शादी-विवाह के मौकों पर। इस तरह के समाचारों के अध्ययन के बाद यही देखने में आया है कि बरात या शादी का जलूस देखने के लिए बालकनी पर बहुत से लोग चढ़ गए और बालकनी नीचे आ गिरी। ऐसे समाचार इतने बड़े समाचार पत्र में सिर्फ एक या दो इंच का स्थान ही पाते हैं लेकिन इन्हें नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता। न जाने कितने लोग समय से पूर्व ही इस तरह छत गिरने से काल का ग्रास बन जाते हैं।

तकनीकी भाषा में इस तरह से छत गिरने को स्टक्चरल फलयर (Structural failure) कहा जाता है। छत गिरने की घटनाएं इसलिए नहीं होती कि उसमें घटिया सामग्री इस्तेमाल की गई होती है या लोहा कम डाला गया था बल्कि वे छत में राडी-सरिये के गलत 'डिजाइन' के कारण होती हैं जिसकी वजह से स्ट्रक्चरल फलयर होता है। अच्छा समझें कि स्ट्रक्चरल फलयर क्या होता है?

भवन निर्माण में प्रमुखतया ईंट, सीमेंट और लोहे का ही इस्तेमाल होता है। सरकारी अनुसंधान केन्द्रों का दावा कुछ भी रहे लेकिन यह निर्विवाद सत्य है कि इनका पर्याय अभी तक नहीं मिल पाया है। हां ईंटों की पत्थर से भी कुछ स्थानों पर दीवारें बनी थीं लेकिन अधिकांश शहरों में ईंटों का ही इस्तेमाल

आजकल R C C के कालम बीम तथा छत बनाई जाती है

प्रबलित या रिनफोर्मड कन्करीट रेत, सीमट स्टान डस्ट, राडी तथा लाह क मरिय आपस मे मिलाने म बनाइ जाती ह सीमट रत/स्टान डस्ट तथा रोडी क मिश्रण का काय 'दवाव' (Compression) लना होता ह तथा लाह क मरिये का काम 'तनाव' (Tension) लेना हाता ह

प्रबलित कन्करीट की छत म कहा 'तनाव' तथा कहा 'दवाव' हाता ह यह भी समझना जरुरी ह अगर एक 10 x 12 फुट का कमरा ह तथा उसकी छत चारा दीवारा पर एक सी टिकी हुइ ह तो वजन पडने पर छत क ऊपरी हिस्से म दवाव हागा तथा निचल हिस्से मे तनाव (दखिए रखाचित्र) दवाव का सहन करन का काम कन्करीट (सीमेट रेत/स्टान डस्ट, रोडी का मिश्रण) का ह तथा तनाव का जिम्मा सरिये का ह यही वजह ह कि छत डालते समय अगर पाच इच माटी छत डाल रह ह ता नीचे स लगभग एक इच पर सरिया डाला जाता ह

दीवारो पर टिकी छत

ऐसी घटनाए कम ही होती ह जिनमे घटिया इटा क कारण मकान ध्वस्त हआ हा फिर भी इट खरीदत समय ध्यान रख कि इट भली प्रकार से पकाइ गइ हो तथा भगुर न हा इसका आकार प्रकार भी सही हाना चाहिए ताकि मिस्त्री का इट क ऊपर टिकान म आसानी रह तथा दीवार सीधी वन एक ही साइज तथा आकार प्रकार की इट हान स पलस्तर करन क खर्च म भी वचत होती ह दा इटा का अगर आपस म टकराए ता इनस स एमी ध्वनी निकलनी चाहिए जसी धान क आपस मे टकराने स निकलती ह इस तरह की इट सर्वात्तम मानी जाती ह इट कच्ची या अधपक्की हाने स दीवार छत का बाझ सह नही पायगी तथा कालान्तर म ज्यादा वजन पढन स या उत्सव आदि क माक पर ज्यादा लोगा क छत पर चढ जान स दीवार कश (Crush) हा जाएगी यानी उसका कचमर निकल जाएगा

छत बनान क लिए पुराना जमान म लकडी या लाहे की वल्लिया पर पत्थर की टुकडिया का इस्तमाल किया जाता था आज भी दहात कस्वा तथा छाट शहरा म यह तरीका प्रचलन म ह महानगरो म छत अब रिनफोर्सड कन्करीट (Reinforced Concrete) की ही बनाइ जाती ह इसे हिन्दी म प्रबलित कन्करीट भी कहा जाता ह

आगे का बढी हुइ कनापी या वालकनी सिर्फ एक ही दीवार पर लटकी हइ सी हाती ह इस पर वजन पडन पर छत के निचल हिस्स म दबाव' हागा ऊपरी हिस्स म 'तनाव हागा इस तरह हम दखत ह कि यह चारा दीवारा पर टिकी छत से एक दम उलट स्थिति ह वालकनी, कनोपी छज्जा इत्यादि बनात समय सरिया नीच की वजाय ऊपर की तरफ डालत ह अगर इस की बजाय नीच की तरफ सरिया डाल द ना चाह सरिय की मात्रा दगनी ही क्या न हा स्टक्चरल फलयर का काइ नही राक सकता

यहा हमने बडी सरल भाषा म ही स्ट्रक्चरल फलेयर का समझाने का प्रयास किया ह छत पर जव वजन पडता ह तो छत की बनावट दीवारा की दरी छत की मोटाइ आदि के हिसाब मे छत मे अलग अलग प्वाइट्स (केन्द्रबिन्दुओ) पर अलग अलग तनाव दबाव तथा कटाव (Shear) की शक्तिया (Force) काय करती हैं इनके हिसाब म ही सरिये की मिकदार निकाली जाती ह तथा उस ऊपर या नीच डालने का निश्चय किया जाता ह Shear Force से निबटने के लिए सरिये का एक विशष स्थान पर नीचे से ऊपर (या ऊपर स नीचे) मोडा जाता ह जिस 'क्रन्क (Crank) करना भी कहत हैं किस जगह स कितना सरिया मोडा जाये यह पूरी तरह स जमा-घटा-गुणा यानी Calculation करक एक तकनीकी शिक्षा प्राप्त व्यक्ति ही निश्चित कर सकता ह

एक तरफ से लटकी कैनोपी (छज्जा)

छत का डिजाइन सिर्फ तकनीकी व्यक्ति ही कर सकता है

सरिए का क्रैंक करना
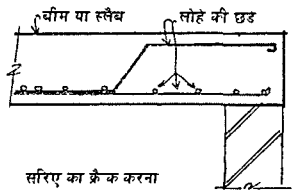
पुराने जमाने म बल्ली/टुकडी की छत मिस्त्री वगैरह ही डाला करते थे वही बता दते थे कि कितना मोटा तथा चाडा लकडी का शहतीर लाए तथा पत्थर की टुकडिया किस साइज की हा प्रबलित कन्करीट की ईजाद के बाद गडर/टुकडी की छते बननी बहुत कम हो गई हे तथा छोटे शहरा तथा कस्बो मे भी प्रबलित कन्करीट का प्रचलन बढता जा रहा हे लेकिन प्रबलित कन्करीट का इस्तेमाल करने मे पूरी सावधानी बरतने की जरूरत ह कितना भी अनुभवी तथा बुजुर्ग ठेकेदार या मिस्त्री हा, वह प्रबलित कन्करीट की तकनीकी जानकारी नही रखता ओर प्रबलित कन्करीट म निर्माण करने क लिए हर मकान, हर छत की नए सिरे म Calculation तथा कन्करीट का रोडी-सरिये का स्टक्चर डिजाइन आवश्यक ह
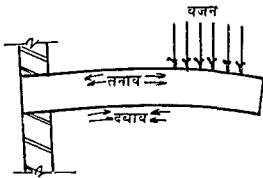
यह काय एक शिक्षा प्राप्त आर्किटेक्ट अथवा सिविल इन्जीनियर ही कर सकता हे नक्शा ता प्राय नगर निगम या भूमि विकास प्राधिकरण से स्वीकत करवाना जरूरी होता ह, इसलिए लाग आर्किटेक्ट से तयार करवा कर ही स्वीकत करवाते हैं उसके बाद निमाण क समय वह 'तकनीकी सलाह की आवश्यकता का महत्त्व नही समझत तथा निर्माण का ठका तथा कथित अनुभवी' मिस्त्री या ठकेदार को दे देते है मिस्त्री का कहना होता हे कि उसन सैकडो मकान बनाए ह सब 'खडे' ह सिफ 'खड' रहना ही आवश्यक नही हे कालान्तर म आधी, तूफान, भूकम्प के झटके सहना तथा उत्सव आदि क मौकों पर लोगा की भीड का वजन सहने योग्य होन के लिए छत के निर्माण मे सावधानी बरतने की आवश्यकता हाती ह रिन्फोर्सड कन्करीट म निमाण करना नीम-हकीम ड्राफ्टसमन, या अनुभवी' ठेकदार के बस का नही ह इसके लिए तकनीकी शिक्षा प्राप्त आर्किटक्ट या सिविल इन्जीनियर द्वारा स्टक्चर डिजाइन तथा निमाण के समय निरन्तर देखभाल जरूरी ह
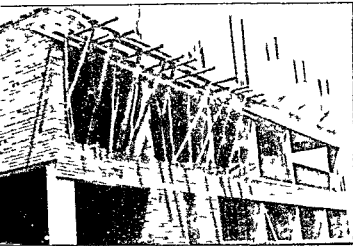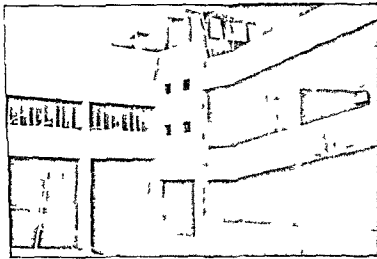
प्रबलित कन्करीट का इस्तेमाल बढता जा रहा है

एक बात और स्पष्ट करना भी जरूरी है छत में सरिया डालते समय इस गलत फहमी से बचे कि जितना गुड डालोगे उतना ही मीठा होगा अधिक मिकदार में पडा लोहा छत को बिल्कुल उसी तरह कमजोर बनाएगा जैसे मोटे आदमी को चर्बी फिर भवन निर्माण सामग्री में लोहा सबसे ज्यादा महगा मटीरियल है लोहे का भाव रु 4500 से 7 000 प्रति मीर्टरिक टन के बीच घटता-बढता रहता है अगर चार सौ गज के दो मंजिल भवन में प्रति मंजिल डेढ टन सरिया भी फालतू डाल दिया तो लगभग तेहर-चौदह हजार रुपये का नुक्सान हो जाएगा

मिस्त्री के झूठे आत्मविश्वास तथा आश्वासन की वजह से न सिर्फ आप की जेब हल्की हो सकती है बल्कि आप की छत के कमजोर रहने का खतरा भी रहता है जिस तरह आप की आख का आपरेशन एक नीम हकीम नहीं कर सकता उसी तरह प्रबलित कन्करीट का स्टक्चर डिजाइन एक मिस्त्री या ड्राफ्ट्समेन नही कर सकता
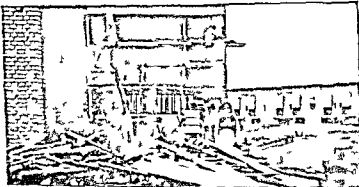
आर्किटेक्ट द्वारा नियमित सुपरविजन करवाए

Four killed in house collapse

SURAT Jan 2 ... fire brigade person ... an officer were ... were seriously ... dilapidated build ... Zapa Bazar ...

Ten month old ...

bridge collapses

HALDWANI ...

2 girls killed in house collapse

Jan 28 (PTI) — ... were killed and ... of a house ... the

21 hurt in building collapse

Hindustan Times Co ... DELHI March ... ers includ ...

मकान बनाने में ढेर सारी धन राशि तथा समय लगता है जिन्दगी में एक बार ही मकान बन पाता है,अत बगैर तकनीकी सलाह के मकान बनाना अपने पाव पर स्वय कुल्हाडी मारने के बराबर ही है हमारी राय में तो *भवन निर्माण शैक्षिक योग्यता प्राप्त आर्किटेक्ट की* देखरेख में ही करवाना चाहिए लेकिन किसी कारणवश अगर आप ऐसा न करना चाहे, तो भी छत का 'स्टक्चर डिजाइन' तो अवश्य ही आर्किटेक्ट या सिविल इन्जीनियर से करवा ले इससे न सिर्फ आप का खर्चा बचेगा बल्कि मकान भी सुरक्षित तथा मजबूत बनेगा

छत के सही डिज़ाइन से ही आप की इतनी रोडी सरिये की बचत हो जाएगी कि आप बचाई गई धनराशि से आर्किटेक्ट/इन्जीनियर की फीस अदा कर सकेगे इस तरह तकनीकी सलाह प्राप्त करने से न सिर्फ आपका खर्चा बचेगा बल्कि मकान भी सुरक्षित तथा सुन्दर बनेगा

स्टक्चर डिजाइन का क्षेत्र इतना विस्तृत है कि सब कुछ *यहा पर विस्तार से नही बताया जा सकता है* संक्षेप में ही हमने थोडी प्राथमिक जानकारी देने का प्रयास किया है बालकनी या कनापी कदापि नहीं गिर सकती चाहे, सामने से जलूस गुजरे या उस पर बारात देखने के लिए बहुत से व्यक्ति एक साथ चढ जाए छत का स्टक्चर डिजाइन करते समय इन सब आकस्मिक घटनाओ का ध्यान आर्किटेक्ट द्वारा रखा ही जाता है

घर आंगन के लिए पौधे

पौधे वातावरण सुदर बनाते है

प्रत्येक प्लान मे हमने आगे आर पीछे खुले आगन दर्शाए हैं इन आगना मे फूल-पाधे लगा कर इन्हे हरा-भरा तथा सुदर बनाने की भी बात कही गई है अत उचित यही रहेगा कि आपको यह भी बताया जाए कि इनमे कौन से फूल पौधे लगाए जाए यहा यह भी उल्लेखनीय ह कि फूल पाधे लगान का उद्देश्य सिर्फ घर का सादर्य बढाना ही नही है वल्कि इनके और भी कइ लाभ हैं

मनुष्य हर पल सास लेते समय हवा मे से आक्सीजन लेता है तथा कार्वन-डाइ-आक्साइड छाडता है पेड-पौधे कावन-डाइ-आक्साइड को लेकर आक्सीजन छाडते हैं इस तरह पेड-पोध वातावरण को सुदर बनाने के साथ-माथ वायु भी शुद्ध करते हैं शार गुल का रोकन म भी पेड-पोध मदद करते हैं अगर आपका घर किमी मुख्य सडक पर हो ता यातायात का शोर दिन-रात आपका विचालित करगा पेड-पाध-झाडियो की मदद से हरियाली मिलने क साथ-साथ शार की तीव्रता को भी काफी हद तक घटाया जा सकता ह 10 से लकर 15 डसीबल (DB) तक इसकी तीव्रता पेड-पाधो तथा घनी झाडियो स कम की जा सकती है ध्वनि तरग पेड-पाधो स टकरा कर परावतित हो जाती हैं आर काफी कुछ पेड-पाधा द्वारा सोख भी ली जाती हैं

गर्मी के दिनो मे शीतलता प्रदान करने के उद्देश्य स तो पेड-पोधे बहतरीन हैं ही, अगर मजबूरी म पश्चिमी दिशा मे बहुत सी खिडकिया खोलनी पड ही जाए तो इनके सामने झाडिया या छोटे पेड लगा लन चाहिए पश्चिम से डूबते हुए सूरज की किरण आती ह जो नीची होने के कारण 'सनशेड' मे भी नही रुक पाती पड-पोधा से इन्हे रोका जा सकता ह पश्चिम का डूबता हुआ सूरज सब से ज्यादा विचलित करता ह,यहा पर सिर्फ हरे-भर पेड तथा फूलो की झाडिया ही आपकी सहायता कर सकती हैं

गहसज्जा की दृष्टि से भी पेड-पाधो का काफी महत्व हे आगे पीछे के खुले आगना म लगे रग-विरगे फूल किसे मोहित न करेगे खुले वरामदो जीना, लॉवी स लेकर ड्राइग रूम तक म आप पोधो द्वारा सजावट कर सकते हैं, ओर तो ओर पहली मजिल पर भी आप वाटरप्रूफिग करवा कर 'टेरेस गार्डन बना सकते हैं

झाडियो से धूल व शोर रोका जा सकता है

कैनोपी के नीचे तथा आसपास पौधे लगाइए

खुली बैठक या कनोपी के नीचे की अनोपचारिक बैठक में लगाने के लिए पाथास मानस्टरा रबर प्लांट फिलडड्रान डमिना सागोनियम, डिफन बाक्रिया आदि पाधे उचित रहते है

बरामदे तथा खुले आगन के लिए मराटा,रस्कस गीनूरा राइयो, टिनेकी के अलावा विभिन्न प्रकार के फर्न (Fern) एस्प्रागस पपरानिया, पीलिया, क्रोटन आदि लगाए जा सकते हैं
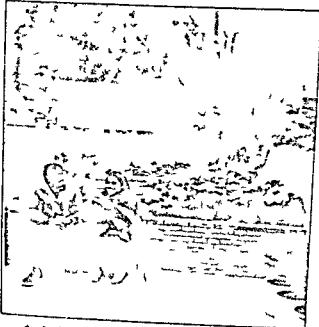
पौधो के पास बैठकर गपशप की जा सकती है
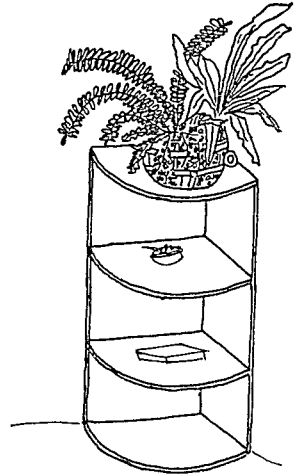
कॉर्नर मे भी पौधे लगा सकते है

सेक्यूलट प्लांटस की देखभाल तथा रखरखाव सबसे ज्यादा आसान है सीडम कलनचा क्रेमला आदि इसी श्रेणी मे आते है ये पौधे अपने अंदर पानी सोख कर स्टोर करने की क्षमता रखते है इसी वजह से इन्हे कई-कई दिन पानी न भी मिले तो इनका कुछ नही बिगडता

छोटे-छोटे गमलो मे पौधे

रगबिरगे फूल मन को माह लेगे

मोतिया, चमेली, लिली, बेलापरोन, क्रोसडरा गदा, गुलाब जसे फूलदार पाधो क अलावा विभिन्न प्रकार के केक्टस भी घर-आगन की शाभा बढाने म सहायक साबित हाते ह

झाडिया मे स क्लोरोडडान आडोरटम, कनेर केवडा, कामनी, कटहली चपा, गुलफानूम, गाल्फीमिया, गुडहल, चक्रातरा, चन्द्रवेला, चादनी छुइमुइ आदि का सरलता से उगाया जा सकता ह
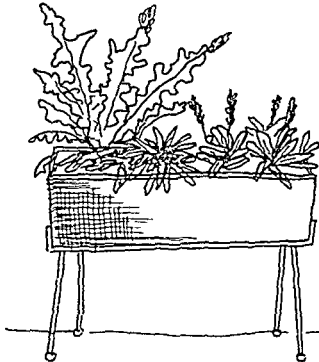
इसक अलावा जूही डला डुरान्टा प्लूमिरि, निवारा, प्लूमेरिया-एलवा रात की रानी महदी बुडेलिया वला हार-सिगार हिमलिया पेटम भी कुछ पमुख झाडिया म गिनी जा सकती हैं इनम स अधिकाश झाडिया विभिन्न प्रकार क रग-बिरगे फूल भी देती हैं आग पीछ तथा साइड की 'बाउन्डरी वॉल के लिए उनमे स किसी भी झाडी का आप चुनाव कर सकत ह

'लताए दो प्रकार की होती ह —Climbers यानी चढने वाली तथा Creepers यानी रगन वाली बाउन्डरी वॉल क साथ क्रीपस या क्लाइम्बर्स दोना ही प्रकार की लताए आप लगा सकत हैं बोगनविलिया के नाम स शायद आप पहल ही स परिचित हाग इसकी ही इतनी किस्मे आती ह कि आप सिफ बोगनविलिया मे ही तरह-तरह के रग क फूल प्राप्त कर सकते हैं इसके अलावा एटीगोगन चमली जूही पाथस, पेट्रिया प्यूर्मेसिया, माधवी लता मालती, सतावर, हनी सकिल आदि भी कइ अन्य लताआ की किस्मे हैं इपानेमिया पाल्माटा बडी जल्दी-जल्दी चढने वाली 'क्रीपर' की श्रेणी की लता ह दीवार को ढकना हो ता यह बेहतरीन ह वर्ष के कइ महीनो म इसमे फूल रहते हैं बगनी तथा सफेद दो प्रकार क फूल वाली किस्मे इसकी मिलती ह
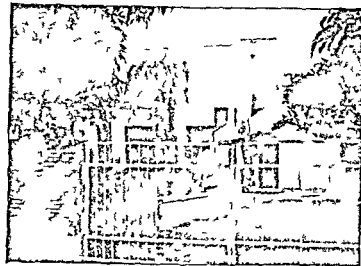
कैनोपी से नीच लटकी लताए एलीवेशन को और भी सुन्दर बनाएगी
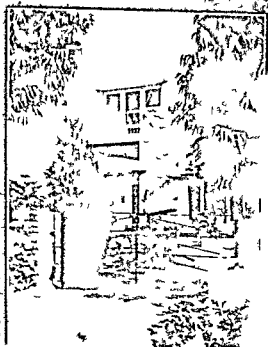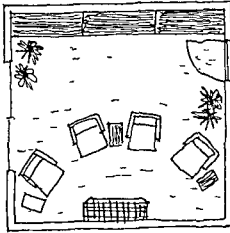
बैठक मे कोनो मे पौधे लगाइए

बोनसाई के दो नमूने

फूलदार पोधो मे कली, कॅंडिटफट केलीआपोसस, कासमोस, कारनेशन, गुलदाउदी, डहेलिया, गुलमेहदी जर्वेरा, जीनिया, पापोन,नरगिस, पॅंजी, पिटोनिया फ्लाक्स, ब्रचीकोम, लाक-स्पर, स्वीट-अलाइमम मिनेसेरिया, स्कालजिया,हालीहाक हेलीक्रीसियम आदि कुछ नाम एस ह जिन्ह आप याद रख ल तो अच्छा रहेगा मोसम क अनुसार इन फूलदार पाधा का चुनाव करक आप वर्ष भर अपन आगन को रगबिरगा रख सकते ह
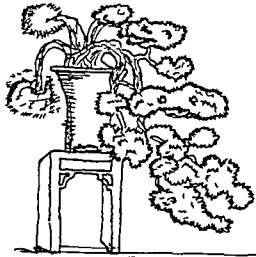
बगैर फूल के हर पौधे
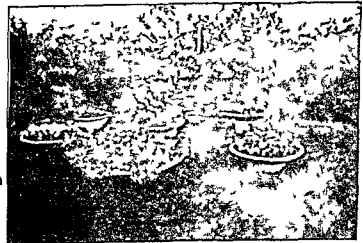
पैजी, नैस्टर्शियम पिटनिया से फूलदार पौधे
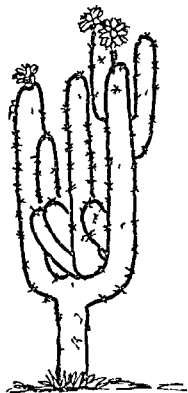
रॉड कैक्टस

एक पाधा एमा ह जिसक वार म हम थाडा मा विस्तार स ही वताना चाहेग वह ह, नागफनी यानी कक्टस (Cactus) इस मेहुड या थूहर के नाम स भी जाना जाता ह ग्रीक शब्द कावटास स विगड कर कक्टम वना ह ग्रीक म काटदार पाध का काक्टास कहत ह

कक्टस का जिक्र हम विस्तार स इमलिए कर रह ह कि य त्रडे 'सख्त जान' पाध हाते ह इनम पानी की कमी गरमी ठण्ड उमस आदि का वदाशत करन की अद्वितीय क्षमता होती ह अत इनका रखरखाव अपक्षाक्त काफी आमान ही रहता ह कक्टम म ही तीन मा स ज्यादा किस्म उपलब्ध हैं मुख्यत इम तीन श्रणिया म वाटा जा सकता हैं औपसिया मामिल्लारी तथा रॉड कक्टस नाग क फन की तरह चपटे तन वाली कक्टस नागफनी यानी आपेसिया कहलाती ह गट की तरह क आकार वाली मामिल्लारी तथा डण्डे क तरह क लम्व तन वाली कक्टम रॉड-कक्टम कहलाती ह

कक्टस के पाधे न सिफ कम दखभाल मागत ह बल्कि इनका अदर तथा वाहर दोनो ही जगह उपयाग किया जा मकता है खुले वरामदे, आगन आदि क अलावा लॉवी तथा ड्राइग रूम तक मे आप कक्टस लगा सकते ह हा,इस वात का ध्यान रहे कि कमरा मे कक्टम के जो पाध लगा रहे हें उन्हे हफ्ते-दस दिन मे धूप अवश्य दिखा देनी चाहिए
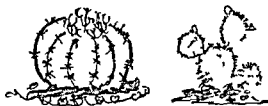
मामिल्लारी तथा औपसिया

एमा नहीं कि कक्टम मिफ काटेदार पाधा ही ह इसम फलो वाली भी टग किम्म उपलब्ध ह आपसिया-पालिएथा म पील रग क तथा फाप्ला कक्टस म लाल रग क मुन्दर फल लगत हैं

रॉड कैक्टस का नमूना

औपसिया रॉडकैक्टस

क्वटम लगाने के लिए 'क्लम' लगाइ जाती ह इसका 4 मे 6 इच लम्वा तना काट कर दा-तीन दिन धप म सुखा लना चाहिए इसक वाद खाद मिट्टी तथा रेत का वरावर मात्रा म मिला कर छाटे गमला मे भर कर कलम लगा दनी चाहिए जडे फटने के वाद इन्हे वदल कर वडे गमलो मे लगा लना चाहिए

घास की दीवार बना कर उसके साथ पौधे लगाइए
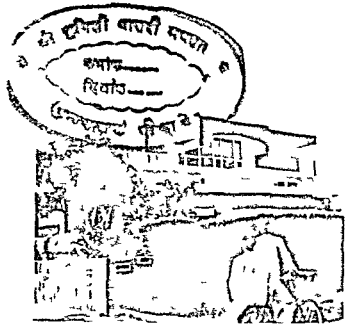
वाउ डरी वाल पर लगी झाडी से प्राइवेसी बनी रहती है

क्वटम की तरह ही सेसीवरा ग्रुप क पाधे भी कम पानी तथा देखभाल मे हर-भरे रहत हैं एस त्रिफासिएटा, मारटी तथा सिलिंड्रिक इनम प्रमख है य भी घर आगन म हरियाली पदा करने क साथ-साथ सुदर लगत हैं
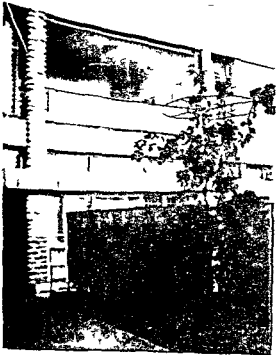
ससीवेरा समूह के पौधे

वागवानी दरअसल ऐसा विषय है कि इस पर जितना चाह विस्तार मे बताया जा सकता है लकि स्थान की सीमितता तथा पुस्तक क प्रमुख विष ध्यान म रखते हुए हम सिर्फ पाधा क नामो क कर सकते हैं

अक्सर प्रयोग होने वाले भवन संबधी अग्रेजी शब्द

Service Lane	मकान के पीछे की गली
Cross Ventilation	हवा का आवागमन
Lobby लॉबी	यह अक्सर घर के बीच मे, कमरो को आपस मे मिलाने का स्थान होता है
Cupboard कपबोर्ड	अलमारी
Canopy कैनोपी	बडा-सा छज्जा जो 7 फुट की ऊचाई पर अथवा छत की ऊचाई पर बनाया जा सकता ह
Loft लोफ्ट	दुछत्ती सात फुट की ऊचाई पर बनाकर ऊपर का हिस्सा स्टोर की तरह प्रयोग किया जा सकता है
Shaft शाफ्ट	यह ऊपर से खुला स्थान होता हे तथा टॉयलेट, शोचघर आदि को हवा व रोशनी देने के लिए बनाया जाता है
Service Window सर्विस विंडो	यह छोटी-सी खिडकी होती है, जो रसोईघर ओर खाने के कमरे के बीच मे खाना रखने के लिए छोडी जाती हे
Toilet टॉयलेट	गुसलखाना तथा पखाना एक ही चारदीवारी मे बनाए तो टॉयलट कहलाता हे
Drawing Room ड्राइगरूम	ओपचारिक मेहमानो के बेठने के लिए बेठक
Dining Room डाइनिगरूम	भोजन-कक्ष यानी खाना खाने का कमरा
Study Room स्टडीरूम	अध्ययन करने के लिए कमरा
Sitting Room सिटिंगरूम	बेठने के लिए कमरा या बेठक
Bed Room बेडरूम	शयनागार यानी सोने के लिए कमरा
Kitchen किचन	रसोईघर यानी खाना बनाने का स्थान
Latrine लैट्रीन	शोच जाने के लिए पखाना
Bath Room बाथरूम	नहाने का स्थान यानी गुसलखाना या स्नानघर
Verandah बरामदा	ऊपर से ढका हुआ आगन जो बेठने के काम आता है
Passage पैसेज	रास्ता
Boundrywall बाउण्डरीवॉल	मकान की परिधि दीवार
Kitchen Garden किचन गार्डन	छोटी-सी बाडी जिसमे साग-सब्जी उगाई जाती है
Terrace टैरेस	छत
Sun Shade सन शेड	खिडकी दरवाजो को धूप व बरसात से बचाने की छजली
Pergola परगोला	यह केनोपी की तरह का बडा-सा छज्जा हाता हे इसमे 9"×9" के कुछ सुराख छोडे होते हैं
Balcony बालकनी	यह (तीन फुट चोडा) छज्जा हाता हे जो ऊपर की मंजिल पर कमरा के आगे बनाया जाता हे

Scheme for grant of loans on mortgage of immovable properties (M-1)

'भारतीय जीवन बीमा निगम' की अचल सम्पत्ति पर ऋण योजना (एम-1)

1 योजना लागू करने का क्षेत्र (Area of Operation) ऋण केवल उन सम्पत्तियो की प्रतिभूति (Security) पर मजूर किया जाएगा जो उन स्थानो पर स्थित हो जहा बीमा निगम की शाखाए तथा उप-कार्यालय (Sub-offices) है इस योजना के अन्तगत साधारणत उस सम्पत्ति पर ऋण देने का विचार नही किया जाता जो इन स्थानो पर नगर-पालिकाओं की सीमाओ के बाहर है

2 बधककर्त्ता (Mortgagor) ऋण केवल अनुमोदित (Approved) पार्टियो को ही मजूर किया जाएगा क्योंकि उधार लेने वाले की वैयक्तिक वचनबद्धता अधिकतम महत्त्व रखती है, अत निगम का उधार लेने वाले की वित्तीय स्थिति तथा विश्वास-पात्रता के विषय मे सन्तुष्ट होना आवश्यक है

3 प्रतिभूति (Security) ऋण केवल अनुमोदित सम्पत्तियो (Approved Properties) पर ही मजूर किया जाएगा

(सम्पत्तियो का अनुमोदन करते समय सभी सम्बद्ध तत्वो को विचार मे लिया जाएगा उदाहरणार्थ स्थिति, सम्पत्ति की किस्म, विक्रेयता आदि ऋण उन सम्पत्तियो पर मजूर किए जाएगे जो नये और/अथवा पुराने भवनो से युक्त हो, पर शर्त यह है कि उनका ढाचा (बहुत) अच्छी स्थिति मे हो उन सम्पत्तियो की प्रतिभूति पर जिनके पट्टे की अवशिष्ट अवधि (Out-standing term) तीस वर्ष से कम हो, ऋण मजूर नही किए जाएगे

4 ऋण की अवधि (Term of Loan) ऋण अधिकतम 15 वर्ष की अवधि तक के लिए मजूर किया जाएगा (यदि ऋण ऐसी अवधि के लिए मजूर किया जाता है जो पाच वर्ष से अधिक न हो, तो उधार (Debt) के अन्तरिम भुगतान पर जोर नही दिया जाएगा यदि ऋण की अवधि 5 वर्ष से अधिक है तो लगातार छमाही किस्तो पर परिशोधन (Amortisation) का प्रावधान रहेगा

5 ऋण का उद्देश्य (Purpose of Loan)

(क) योजना के अधीन ऋण आवास-गृहो तथा कार्यालय/व्यापारिक सस्थाओ के निर्माण हेतु मजूर किए जा सकते है

(ख) ऋण सम्पत्तियो की खरीद हेतु भी मजूर किए जा सकते है, अगर सम्पत्तियो का इस ऋण की सहायता से खरीदने का विचार है, व ऋण के लिए एकमात्र प्रस्तुत की गई प्रतिभूति है

(ग) ऋण हेतु आवेदन पत्र वर्तमान भवनो की प्रतिभूति पर (बशर्ते वे प्रतिभूतियो के रूप मे योग्य हो) व्यवसाय मे निवेश (investment) करने के उद्देश्य से (रुपया उधार देने या सट्टेबाजी या भवनो आदि को खरीदने निर्माण तथा बचने की अपेक्षा अन्य कार्य हेतु) अथवा अन्य स्वीकार्य कार्यो के लिए भी विचारित किए जा सकते हैं

(घ) ऋण हेतु आवेदन पत्रो पर मुफस्सिल क्षेत्रो (Mofussialreas) मे सिनेमा तथा होटलो के निर्माण/विस्तार हेतु भी विचार किया जा सकता है

6 ऋण की राशि (Amount of Loan) ऋण की राशि सम्पत्ति के मूल्य के 50% से अधिक नही होगी तथा बधक विलेख (Mortgage Deed) के अन्तगत उधार लेने वाले को रु 25 000 - की न्यूनतम तथा रु 5 00 000 - की अधिकतम ऋण राशि दी जा सकेगी

ऋण की ऊपरी सीमा बधक कर्त्ता (Mortgagor) द्वारा अपने निज आवास-गृह के निर्माण

हेतु अथवा कवल एक परिवार के आवास याग्य गृह क निमाण हतु 1 00 000, - पर सीमित ह जिन स्थाना की आबादी एक लाख से कम ह (सन 1971 इ की जनगणना क अनुसार) वहा अधिकतम ऋण रु 1 50 000 - तक सीमित ह

हाटला क निर्माण/विस्तार हतु अधिकतम ऋण 25 लाख रूपय हागा जबकि मफस्सिल क्षत्र म अथात् उन क्षत्रा म जिनकी आबादी सन् 1971 की जनगणना क अनसार एक लाख सअधिक ह किन्तु दस लाख म अधिक नहीं हे।

सिनमा क निर्माण हतु अधिकतम ऋण रु 5 00 000 - हागा तथापि उन कन्द्रा म जिनकी आबादी सन् 1971 ई की जनगणना क अनुमार एक लाख या उसस कम ह अधिकतम ऋण रु 1 50 000 - हागा

उच्च सीमा क निधारण क लिए आवेदनकत्ता का उसकी विभिन्न सम्पत्तियों की प्रतिभूतिया पर दिए समस्त ऋणा को जाडा जाता ह तथा उन्ह एक संचित ऋण (Consolidated Loan) माना जाता ह

7 ब्याज की दर (Rate of Interest) आवास गृहा क निमाण/खरीद क लिए ब्याज की दर प्रचलित बेंक-दर क अतिरिक्त 2½% वार्षिक हागी अथात् वतमान दर 11½% वार्षिक इसक साथ शर्त यह ह कि जब आर जसे ही बेंक-दर बढती या घटती ह तब आर वम ही बधक ऋण (Mortgage Loan) क जारी रहन के दारान भी यह दर बढती आर घटती रहगी लकिन यह दर 8½% वार्षिक स कम नही होगी ब्याज अथवा पुनभगतान की किस्त अथवा जीवन बीमा की सामपार्श्विक प्रतिभूति (Collateral security) के रूप म अधिन्यामित पालिसिया (Premiums on Policies) क भगतान म त्रुटि हान की दशा म, यदि काइ हा ता, 2½% वार्षिक क हिमाब से अतिरिक्त ब्याज भगतान करना हागा

कायालय क निमाण/खरीद व्यापारिक सस्थाना क खरीद हाटला आदि क निमाण/विस्तार क लिए जहा ऋण व्यवसाय आदि म निवश (Investment) करन क उद्दश्य स लिया गया ह ब्याज की दर प्रचलित बेंक दर क अतिरिक्त 4 प्रतिशत वार्षिक (सिनेमा के निमाण हत 5 प्रतिशत वार्षिक) होगी अर्थात् वतमान दर 13 प्रतिशत वार्षिक पर (सिनमा क लिए 14 प्रतिशत) शत यह ह कि जब और जसे बेंक दर बढती या घटती ह तब आर वस बधक ऋण क चालू रहन क दारान भी यह दर बढती आर घटती रहगी लकिन यह दर कम-स-कम 15% वार्षिक अवश्य होगी ब्याज अथवा पुनभुगतान की किस्ता या जीवन बीमा की सामपार्श्विक प्रतिभूति क रूप म अधिन्यामित पालिसिया क प्रीमियमा क भुगतान में त्रुटि हान की स्थिति म, यदि काइ ह ता 2½% वार्षिक क हिसाब स अतिरिक्त ब्याज भुगतान करना पडगा

8 सम्पत्तिया का मूल्याकन (Valuation of Properties) सम्पत्ति का मूल्याकन बीमा निगम की सूची (Panel) म स एक दक्ष मूल्याकक (Competent Valuer) द्वारा किया जाना चाहिए

9 प्रासगिक व्यय (Incidental Expenses) उधार लन वाल का स्टाम्प पजीकरण, विधि सलाहकारा तथा निगम की नाम सचि क मूल्याका का शुल्क आदि भी सभी प्रकार का प्रासंगिक व्यय स्वय ही उठाना हागा

भारतीय जीवन बीमा निगम की 'अपना घर बनाइए' योजना के अश

Excerpts From 'Own your Home' Scheme of

Life Insurance Corporation of India

'अपना घर बनाइए' याजना के अधीन, जीवन बीमा निगम अपने पालिसी-धारको को घर वनाने, मौजूदा घरो मे विस्तार करने ओर हाल ही मे अच्छी हालत वाले घरो को खरीदने क लिए कर्ज देता है घर मुख्यत उधारकर्त्ता के अपने रहने के लिए ही बनाया या खरीदा जाना चाहिए कर्ज निम्नलिखित शर्तो पर दिया जाएगा

योजना लागू करने का क्षेत्र (Area of Operation)

यह योजना अनुसूची मे दिए गए शहरी क्षेत्रो मे, अवस्थाओ मे लागू की जाएगी जीवन बीमा निगम जेसा उचित समझेगा उसी प्रकार समय-समय पर इस अनुसूची को परिशोधित कर सकता हे यह योजना, ऊपर कहे गए शहरी क्षेत्रो के अनुमोदित उपनगरीय क्षेत्रो मे भी लागू की जाएगी, भले ही ऐसे क्षेत्र नगर या नगरपालिका सीमाओ के बाहर हो

उधारकर्त्ता (Borrower)

उधारकर्त्ता को जीवन बीमा निगम को यह विश्वास दिलाना होगा कि उसकी आय स्थायी है उधारकर्त्ताओ को नीचे लिखे दो वर्गों मे विभाजित किया जाएगा

(क) पालिसी धारक जो नियोजित (नौकरी पेशा) है और जो जीवन बीमा निगम को अपने नियोजन स्थायित्व के विषय म आश्वस्त करत हे नीचे लिखे नियाक्ताओ (Employers) के स्थायी कर्मचारियो की बाबत यह समझा जाएगा कि वे इस शर्त को पूरा करते हे —

1 केन्द्रीय या राज्य सरकार

2 ससद या राज्य विधान सभा के किसी अधिनियम या किसी सरकारी कम्पनी द्वारा गठित नगर पालिका नगर निगम, स्थानीय बोर्ड, कोइ प्राधिकरण या निगम या बार्ड

3 कोइ कम्पनी जिसके शेयर-अधिमान्य और/या साधारण बीमा अधिनियम 1938 की धारा 27 क मे परिभाषित अनुमोदित निवेश (approved investments) हे

4 जीवन बीमा निगम द्वारा अनुमोदित कोई अन्य नियोक्ता

(ख) अन्य पालिसी धारक

कर्ज की राशि (Amount of Loan)

योजना के अधीन किसी भी एक व्यक्ति को मिलने वाली अधिकतम राशि 1 00,000 रु होगी जीवन बीमा निगम द्वारा अनुमोदित किसी आवास योजना के अधीन बनाए गए घरो के लिए या किसी मौजूदा घर के विस्तार के लिए मिलने वाली न्यूनतम राशि 7 500 रु होगी और अन्य सभी मामलो मे यह न्यूनतम राशि 10 000 रु होगी कर्ज की वास्तविक राशि सम्पत्ति के मूल्य के अनुसार न्यूनाधिक होगी

घर बनान के लिए कर्ज की राशि का निर्धारण करने के लिए लिया जाने वाला सम्पत्ति मूल्य जमीन की लागत और निर्माण की लागत के जोड से किसी भी स्थिति मे अधिक नही होगा

दी गई कर्ज की राशि का उधारकर्त्ता की वार्षिक आय से सम्बन्ध होना चाहिए जिससे वह अपन रहन-सहन व अन्य उचित खर्चो को पूरा करने के बाद कर्ज से सम्बन्धित मासिक प्रभार (Charges) आसानी से अदा कर सके, जैसे—प्रीमियम, कर्ज की अदायगी किश्त, यदि कोई हो, कज पर ब्याज आदि

प्रतिभूति और हक (Security & Titles)

कर्ज सम्पत्ति के प्रथम बधक पर ही जायेगा उधारकर्त्ता का सम्पत्ति पर विक्रयशील हक होना चाहिए

यदि सम्पत्ति पट्टे पर ह तो पट्टे की बकाया अवधि 30 वष म कम नही होनी चाहिए, बशर्ते कि अध्यक्ष विशिष्ट परिस्थितिया म कतिपय क्षेत्रो मे पट्टे की मम्पत्ति पर लगाइ गइ 30 वष की बकाया अवधि की सीमा मे लिखित म सामान्य आदेश देकर छूट दे दे

ब्याज की दरे (Rates of Interest)

ब्याज 13% वार्षिक की दर से लिया जाएगा। अगर ऋण लेन वाला निगम का विश्वास दिलाता हे कि सम्पत्ति म सिर्फ उसी का निवास होगा तो ब्याज की दर म छूट भी उपलब्ध होगी। यदि समीकत मासिक किश्त/ साम्पार्श्विक प्रतिभूति (Collateral Security) के रूप म समनुर्दशित पालिसिया पर बीमा किस्त की अदायगी म देर या चूक होती है ता 2½% वार्षिक अतिरिक्त ब्याज प्रभार्य होगा।

ब्याज की दर जीवन बीमा निगम द्वारा भविष्य मे बढ़ाई भी जा सकती हे लेकिन बेंक दर से ज्यादा यह नही हागी तथा इसकी सूचना ऋण लेने वाले को यथा समय दी जाएगी।

कर्ज अग्रिम करने की विधि (Mode of Advance)

घर के निर्माण या विस्तार के लिए कर्ज 4 किस्तो से अधिक मे नही दिया जाएगा ओर कोई भी किस्त 2000 रु से कम की नही होगी उधारकर्त्ता पहले सम्पत्ति के अनुमानित मूल्य का अपना पूरा भाग (अर्थात् सम्पत्ति के पूरी बन जाने पर उसके कुल अनुमानित मूल्य ओर जीवन बीमा निगम द्वारा तय की गई कर्ज की राशि के बीच का अन्तर) जमीन खरीदन ओर घर बनवाने मे लगाएगा उमके बाद जैसे-जसे घर बनता जाएगा तब-तब जीवन बीमा निगम ऊपर बताए अनुसार कर्ज देगा यदि निर्माण के दोरान किसी भी समय यह पाया जाए कि निमाण की कुल लागत मूल अनुमान से अधिक हागी तो इमके पहले कि जीवन बीमा निगम कज की अगली किस्त दे, उधारकत्ता को अतिरिक्त लागत स्वय लगानी होगी

भवन का निर्माण (Construction of Building)

भवन का निमाण जीवन बीमा निगम द्वारा पहल स अनुमादित नक्शे आर विशिष्टिया (Specifications) के अनुसार व अधिकरण द्वारा अनुमानित लागत के अन्दर किया जाएगा निर्माण कार्य यथासभव शीघ्र किया जाए ओर कर्ज की मजूरी की तारीख के बाद 18 मास की अवधि के अन्दर भवन को बना कर कब्जा लेने के लिए तेयार कर दिया जाये निर्माण की अनुमानित लागत 1,50 000 रु से अधिक और जमीन के मूल्य सहित सम्पत्ति का मूल्य 2 00 000 रु से अधिक नही होना चाहिए

कर्ज की वापसी (Repayment)

(क) कज की वापसी उधारकत्ता द्वारा निश्चित की गई अवधि के अन्दर कर दी जानी चाहिए ओर इम अवधि को 'वापसी अवधि' के रूप मे निर्दिष्ट किया जाता हे

(ख) निश्चित की गइ वापमी-अवधि निम्नलिखित मे मे किसी एक से अधिक नही हानी चाहिए

1 उधारकर्त्ता के निवर्तन की तारीख

2 उधारकर्त्ता द्वारा 65 वर्ष की आयु प्राप्त करन की तारीख

3 यदि सम्पत्ति पट्टे पर हे तो पट्टे की समाप्ति की तारीख से ठीक 5 वर्ष पहल की तारीख

लेकिन यह अवधि किसी भी स्थिति म 30 वर्ष स अधिक नही होनी चाहिए

(ग) कर्ज की वापसी उधारकर्त्ता के जीवन पर ली गई बन्दोबस्ती बीमा पालिसी या पालिसिया की प्राप्ति स की जा सकती ह

(घ) बन्दोबम्ती बीमा पालिमी या पालिसिया स कर्ज की वापसी के लिए एक विकल्प ओर हे उधारकर्त्ता कज की पूरी राशि आर उस पर दय ब्याज समीक्त मासिक किस्तो से अदा कर सकता हे

(ङ) ब्याज, कज की प्रत्यक किश्त की अदायगी तारीख म दय हागी आर प्रतिमास अदा करनी हागी

सम्पत्ति पर बीमा व कर आदि (Insurance, taxes etc on property)

(क) उधारकर्त्ता, जीवन बीमा निगम और अपने संयुक्त नाम में सम्पत्ति का आम बीमा करवाएगा बीमा तब तक जारी रहेगा जब तक कि कर्ज बकाया है

(ख) उधारकर्त्ता समय-समय पर सम्पत्ति पर लगे नगर पालिका और अन्य कर निर्धारित समय के अन्दर अदा करेगा और उनकी रसीदें जीवन बीमा निगम को निरीक्षण के लिए भेजेगा

सम्पत्ति का अनुरक्षण (Maintenance of Property)

उधारकर्त्ता को सम्पत्ति का भली-भांति अनुरक्षण करना होगा व आवश्यकतानुसार उसकी मरम्मत करवानी होगी

सम्पत्ति का निरीक्षण (Inspection of Property)

उधारकर्त्ता उपयुक्त समय पर जीवन बीमा निगम के अधिकृत प्रतिनिधि को सम्पत्ति के निरीक्षण की अनुमति देगा

खर्च (Expenses)

उधारकर्त्ता को सर्वेक्षण शुल्क, स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण प्रभार, पंजीयक के कार्यालय में दस्तावेज ढूंढने के प्रभार, सम्पत्ति के प्रति हक की जांच के लिए विधिक प्रभार व यथासमय सम्पत्ति के पुन हस्तांतरण प्रभार आदि जैसे सारे प्रासंगिक प्रभार वहन करने होंगे

प्रक्रिया शुल्क (Processing Fee)

आवेदन पत्र के साथ 50 रु प्रक्रिया शुल्क के जमा करने होंगे प्रक्रिया शुल्क की राशि वापिस नहीं की जाएगी आवेदन पत्र की आरम्भिक अवस्था में ही अस्वीकृत किये जाने की स्थिति में प्रक्रिया शुल्क का अंधांश लौटा दिया जायेगा

नोट —

भारतीय जीवन बीमा निगम की 'अपना घर बनाइए' योजना के बारे में यहां पर सिर्फ संक्षेप में ही जानकारी दी गई है पूरी योजना का विस्तृत विवरण न देकर हमने उसके मुख्य अंश ही दिये हैं विस्तृत विवरण के लिए अपने क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम की शाखा से सम्पर्क स्थापित करें

दिल्ली प्रशासन लघु तथा मध्यम आय वर्ग के लोगों को दिल्ली में मकान के निर्माण हेतु आसान शर्तों पर ऋण प्रदान करता है इस बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए इस पते पर सम्पर्क करें —

असिस्टेंट हाउसिंग कमिश्नर (लोन)
दिल्ली प्रशासन ए ब्लॉक
विकास भवन नई दिल्ली 11000

हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लि (HDFC) नामक संस्था भवन निर्माण हेतु ऋण देती है इसका गठन अक्तूबर 19 में कंपनी एक्ट के तहत हुआ है अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, मद्रास तथा नई दिल्ली में इसकी शाखाएं हैं प्रार्थना पत्र तथा पूर्ण विवरण के लिए निम्नलिखित पते पर पत्र लिखें —

हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लि
रमन हाउस 169 बैकबे रिक्लेमेशन
बम्बई-400020

दिल्ली शाखा हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लि
पालिका भवन (प्रथम मंजिल)
सेक्टर 13
रामकृष्ण पुरम
नई दिल्ली 110066

दिल्ली भवन उपविधियों के अंश
(23.6.83 से लागू)

Excerpts from Delhi Building Bye-laws
(Inforce from 23.6.83)

कैनोपी (Canopy) मुख्य प्रवशद्वार या प्रवेशद्वारा क उपर कन्टीलीवर (cantilever) क रूप म बने हुए अधिक म अधिक 4 5 मीटर (लगभग 15 फुट) लम्ब ओर 2 4 मीटर (लगभग 8 फुट) चोडे छज्ज (कनापी) का ढका हुआ क्षत्र (कवर्ड एरिया) नही समझा जाएगा

बालकनी (Balcony) अपनी ही जमीन पर सामने क सैट बैक म बाहर निकला हुआ 0 90 मीटर (3 फुट) चोडा छज्जा (बालकनी) या छज्जे को जो छन की ऊचाइ पर हा तथा इसस खुली जगह का क्षेत्रफल 30% स ज्यादा न ढका जाए

परगोला (Pergola) एक परगाला जा कवल वास्तुकला की दृष्टि से बनाया गया हो तथा इसका क्षत्रफल 3 4 वर्ग मीटर (लगभग 36 वर्ग फुट) म ज्यादा तथा ऊचाई 2 2 मीटर (7 -3) स कम न हा ढका हुआ क्षत्र नही माना जाएगा इसक 40% हिस्स म सुराख हाने चाहिए

लोफ्ट (Loft) लाफ्ट यानी दुछत्ती का अर्थ दा मंजिला क बीच की मंजिल म ह जा ऊचाइ म 1 75 मीटर (लगभग 5 -9) म ज्यादा न हो तथा जो सामान रखन आदि क लिए प्रयोग की जाए प्रत्यक मंजिल पर दुछत्ती (लाफ्ट) का क्षेत्रफल उसी मंजिल पर ढक हुए क्षत्रफल क 25% अधिक न होगा

मियानी (Mezzanine) मियानी स तात्पय से मुख्य मंजिला व बीच की उस मंजिल म ह, जिसकी ऊचाइ 2 2 मीटर (7 -3") स कम तथा 2 7 मीटर (लगभग 9 फुट) स ज्यादा न हा मियानी क फश का क्षेत्रफल उस प्लाट, जिसमे बनाया जाना हो, के ढक क्षेत्रफल का 25 प्रतिशत स अधिक न हागा मियानी म पार्टीशन लगा कर हिस्से नही किए जाएगे तथा इससे हवा व रोशनी के लिए न्यूनतम फश के क्षेत्रफल की दस प्रतिशत साइज की खिडकी की व्यवस्था हानी चाहिए

सेट बैक रेखा (Set Back Line) सेट बक रखा का अथ वह रखा ह जो सामान्यत सडक या गली की कन्द्र रखा क समानान्तर हो तथा प्रत्येक सामने म सक्षम प्राधिकारी द्वारा निधारित की गइ हा ओर जिसम आग सडक की आर काई निमाण न कराया जा सकता हो

जीना (Stair Case) प्रत्येक रिहायशी भवन म काइ भी जीना (सीढिया) 0 90 मीटर (लगभग 3 फुट) की चाडाइ स कम नही हागा तथा काइ सीढ़ी (riser) 19 सटीमीटर (7½ इन्च) से ऊची न हागी ओर पेर रखने का स्थान (tread) 25 सेमी (लगभग 10 इच) म कम न हागा घुमावदार (spiral) जीन क मामल म उसकी चाडाइ 75 समी (लगभग 2 -6) म कम नहीं होगी

रास्ता (Corridor, passage) किसी भी रिहायशी भवन मे कोइ भी रास्ता या बरामदा 1 मीटर (3 -3½") मे कम चौडा न हागा (लकिन जीने के नीचे का रास्ता 0 90 मीटर (तीन फुट) भी हो सकता ह

स्नानागार (Bath room) इसके फर्श का क्षेत्रफल 1 8 वर्ग मीटर (19 37 वर्ग फुट) से कम न होगा, जिसमे छोटी साइड 1 2 मीटर (लगभग 4') से कम न होगी यदि स्नानागार के साथ फ्लश शोचालय भी मिला हो तो इस तरह के **टॉयलेट (toilet)** के फर्श का क्षेत्रफल 2 8 वग मीटर (30 13 वर्ग फुट) से कम न होगा इसकी छत की ऊचाइ 2 2 मीटर (7 -3") से कम न होगी इसके लिए खिडकी अथवा रोशनदान का क्षेत्रफल 0 37 वर्ग मीटर (लगभग 4 वर्ग फुट) से कम न होगा

लैटरिन (Latrine, W C) पखाना, यानी वाटर क्लोजेट के फर्श का क्षेत्रफल 1 1 वर्ग मीटर (11 84 वर्ग फुट) तथा छोटी साइड 0 9 मीटर (लगभग तीन फुट) से कम न होगी ऊचाइ 2 2 मीटर (7 -3) से कम न होगी तथा दीवार पर 1 0 मीटर (3'-3) की ऊचाई तक डैडो (dado) होगी

रसोईघर (Kitchen) रसोईघर के फर्श का क्षेत्रफल 4 5 वर्ग मीटर (48 42 वर्ग फुट) से कम न हागा तथा चौडाई 1 5 मीटर (लगभग 5 फुट) से कम न होगी अगर इसे 'डाइनिंग रूम' की तरह भी इस्तेमाल करना हो तो क्षेत्रफल 9 5 वर्ग मी (102 22 वग फुट) से कम तथा चाडाइ 2 4 मीटर (लगभग 8 फुट) से कम न होगी इसकी ऊचाइ 2 75 मीटर (लगभग 9 फुट) से कम न होगी

गैरिज (Garage) निजी गरिज का न्यूनतम साइज 2 75×5 4 मीटर (लगभग 9 ×18/) मे कम न होगा गेरिज की स्पष्ट ऊचाइ 2 4 मीटर (लगभग 8) से कम न होगी

स्टोर (Store) स्टोर का क्षेत्रफल 3 वग मीटर (32 28 वर्ग फुट) से कम न होगा 3 वग मीटर क्षत्रफल से ज्यादा वडे स्टोर मे 10 प्रतिशत (फश क्षेत्रफल के बराबर) प्रकाश की व्यवस्था करनी होगी

रिहायशी कमरे का न्यूनतम साइज किमी भी रिहायशी कमरे क फश का क्षत्रफल 9 5 वग मीटर (102 22 वग फुट) स कम न हागा तथा कमरे की न्यूनतम चाडाई 2 4 मीटर (लगभग 8 फुट) होगी।

छत की ऊचाई प्रत्यक रिहायशी कमरे की ऊचाई फश से छत तक न्यूनतम 2 75 मीटर (लगभग 9 फुट) तथा अधिकतम 4 मीटर (लगभग 13 -1½) होगी

कमरो में हवा तथा प्रकाश की व्यवस्था प्रत्येक रिहायशी कमरे मे बाहरी हवा ओर प्रकाश क लिए एक या अधिक खुला स्थान यानी खिडकी, रोशनदान इत्यादि हागे जा सीध ही बाहर की हवा मे या खुले वरामदे की आर खुलेगे आ दरवाजा को छाडकर उनका कुल क्षत्रफल, चौखट सहित फर्श क क्षेत्रफल का 1/10 से कम नही होगा

तहखाना (Basement) तहखाने का रिहायश क लिए इस्तेमाल नही किया जाएगा। इसे आग न पकडने वाल घरेलू या अन्य सामान रखन क लिए प्रयोग म लाया जाएगा। तहखाने की ऊचाइ फर्श से भीतरी छत तक कम स कम 2 4 मीटर (लगभग 8 फुट) होगी तहखाने म हवा और प्रकाश का उचित प्रबन्ध किया जाएगा तहखाने का विभाजन नही किया जाएगा तहखान की छत, समीपी सतह की ओसत स, न्यूनतम 0 9 मी (तीन फुट) तथा अधिक्तम 1 2 मी (लगभग 4 फुट) ऊची होगी

शाफ्ट (Shaft) अगर लेटरिन,गुसलखाने आदि को वड खुले आगन से प्रकाश नही मिल रहा हे ता उसके प्रकाश/हवा के लिए 1 5 वर्ग मीटर (16 14 वर्ग फुट) तथा न्यूनतम साइड 1 0 मीटर (3 -3) साइज की शाफ्ट छोडनी हागी 9 मीटर (29 -6") से ऊची इमारत मे इसका साइज 3 वर्ग मीटर (32 28 वर्ग फुट) तथा न्यूनतम साइड 1 2 मीटर (4 -0) होगी

CONVERSION TABLE
FEET TO METERS

Feet	Meters	Feet	Meters	Feet	Meters
0	0 00000	40	12 19292	80	24 38405
1	30480	1	12 49682	1	24 68885
2	60960	2	12 80163	2	24 99365
3	91440	3	13 10643	3	25 29845
4	1 21920	4	13 41123	4	25 60325
5	1 52400	5	13 71603	5	25 90805
6	1 82880	6	14 02083	6	26 21285
7	2 13360	7	14 32563	7	26 51765
8	2 43840	8	14 63043	8	26 82245
9	2 74321	9	14 93523	9	27 12725
10	3 04801	50	15 24003	90	27 43205
1	3 35281	1	15 54483	1	27 73686
2	3 65761	2	15 84963	2	28 04166
3	3 96241	3	16 15443	3	28 34646
4	4 26721	4	16 45923	4	28 65126
5	4 57201	5	16 76403	5	28 95606
6	4 87681	6	17 06883	6	29 26086
7	5 18161	7	17 37363	7	29 56566
8	5 48641	8	17 67844	8	29 87046
9	5 79121	9	17 98324	9	30 17526
20	6 09601	60	18 28804	100	30 48006
1	6 40081	1	18 59284	1	30 78486
2	6 70561	2	18 89764	2	31 08966
3	7 01041	3	19 20244	3	31 39446
4	7 31521	4	19 50724	4	31 69926
5	7 62002	5	19 81204	5	32 00406
6	7 92482	6	20 11684	6	32 30886
7	8 22962	7	20 42164	7	32 61367
8	8 53442	8	20 72644	8	32 91847
9	8 83922	9	21 03124	9	33 22327
30	9 14402	70	21 33604	110	33 52807
1	9 44882	1	21 64084	1	33 83287
2	9 75362	2	21 94564	2	34 13767
3	10 05842	3	22 25044	3	34 44247
4	10 36322	4	22 55525	4	34 74727
5	10 66802	5	22 86005	5	35 05207
6	10 97282	6	23 16485	6	35 35687
7	11 27762	7	23 46965	7	35 66167
	11 58242	8	23 77445	8	35 96647
	11 88722	9	24 079925	9	36 27127

उत्तर प्रदेश बिल्डिंग बाई-लॉज़

यू० पी० रेग्यूलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट 1958 के अंश

Schedule of Permissible Covered area for Residential Buildings

रिहायशी मकानो मे अधिकतम ढके हुए क्षेत्रफल का विवरण

	प्लाट साइज़	ढका हुआ क्षेत्रफल	(कवड एरिया)
1	250 वर्ग गज तक के प्लाट	प्लाट एरिया का	65%
2	251 से 500 वग गज तक के प्लाट	प्रथम 250 गज का	66%
		बाकी 250 गज का	50%
3	501 से 1000 वग गज तक	प्रथम 250 गज का	66%
		अगले 250 गज का	50%
		बाकी 500 गज तक का	40%

खुले आंगन अथवा सेट-बैक (Setback) सम्बन्धी विवरण

	प्लाट साइज़ Plot Size	आगे का आगन Front Setback	पीछे का आगन Rear Setback	किनारे का आगन Side Setback
1	250 वग गज तक के प्लाट	10	12	5
2	251 से 500 वर्ग गज तक	15'	20'	7½'
3	501 से 1000 वर्ग गज तक	20	25	10

कमरो का कम से कम साइज तथा लम्बाई, चौडाई, ऊचाई आदि

	कमरे की किस्म	लम्बाई	चोडाई	एरिया/क्षेत्रफल	ऊचाई
1	कमरा	9	9'	100 वग फुट	10'
2	रसोई	इच्छानुसार		60 वग फुट	10'
3	लैटरिन	4'	3'	12 वग फुट	8'
4	स्नानघर	4'	4	16 वर्ग फुट	8'
5	टॉयलेट	7	4'	28 वग फुट	8'

नोट —उपरोक्त तालिका मे कम से कम साइज बताए गए हैं परन्तु ये इच्छानुसार बढाए जा सकते है प्रत्येक कमरे के फर्श के क्षेत्रफल के 10% साइज की खिडकी वेन्टीलेशन (प्रकाश तथा हवा के आवागमन) के लिए आवश्यक है

'पटना रीजनल डवलपमेन्ट अर्थोरिटी'

'मकानो के नक्शे स्वीकृत करवाने हेतु नियम-उपनियम के अश'

(1 7 1976 से लागू)

खुले तथा ढके क्षेत्रफल का अनुपात प्लाट का साइज कुछ भी हा ढक क्षत्रफल की आसत 1 1 स ज्यादा न हागी अर्थात् अधिकतम ढका क्षत्रफल प्लाट के क्षत्रफल के आध से ज्यादा न हागा।

ऊचाई भवन की ऊचाई उसके सामने उपलब्ध खुले स्थान की चाडाई स ज्यादा न हागी। उपलब्ध खुले स्थान की चाडाइ स तात्पय प्लाट म आग खुला स्थान तथा उसक आग की सडक या गली की चौडाई क याग स है।

बालकनी किसी भी दाल न्यनतम सटबक म बालकनी की अनर्माति न हागी।

छज्जा लिन्टल की ऊचाइ पर अधिकतम 2 -6 चाडा छज्जा बनान की अनर्माति हागी।

कैनापी जीन क आग जीन की चाडाई स दा फुट ज्यादा लम्बी तथा 4 फट चाडी कनापी स्वीकृत हागी।

पार्च लिन्टल लवल पर अधिकतम 10 फुट × 22 फुट का पाच बनान की अनर्माति हागी।

जीना जीन क हाल की चाडाइ 6 फुट स कम नही हागी। जीन की चाडाइ तीन फट राइजर 7½ तथा टड 10 से कम न हागा।

कमरा कमर का क्षत्रफल 100 वग फट स कम न हागा तथा न्यनतम चाडाइ 8 फट हागी। हर कमर की एक दीवार भवन की बाहरी दीवार की तरफ हागी।

गेस्ट/स्टडी रूम क्षेत्रफल 60 वर्ग फुट से कम तथा चं 6 फुट स कम न हागी।

बाथरूम क्षेत्रफल 5 × 4 से कम तथा चौडाई 4 फुट से न होगी।

लैट्रिन (पखाना) साइज 4 × 3 से कम तथा चौडाई 3 स कम न होगी।

टॉयलेट न्यूनतम साइज 7 × 4 यानी 28 वर्ग फुट से क होगा।

शाफ्ट टॉयलेट की प्रकाश तथा हवा की व्यव (वन्टीलेशन) के लिए 3 × 2 -6 से कम की शाफ होगी।

रसोई न्यूनतम चौडाई 4 -6 तथा न्यूनतम क्षेत्रफल वर्ग फुट से कम न हागा।

स्टोर/पूजा रूम न्यनतम क्षेत्रफल 20 वग फुट त चाडाई 4 फुट से कम न हागी।

डाइनिंग रूम क्षत्रफल 6 × 8 यानी 48 वर्ग फुट स क हागा।

सेट बैक रिहायशी भवना मे आगे न्यूनतम 10 फुट त पीछ 10 फुट सट बक (यानी खुला स्थान) छाडना हो साइड सट बक के नियम भवन क प्रकार तथा इलाका निभर ह।

हाउस प्लान्स

(एलीवेशन सहित)
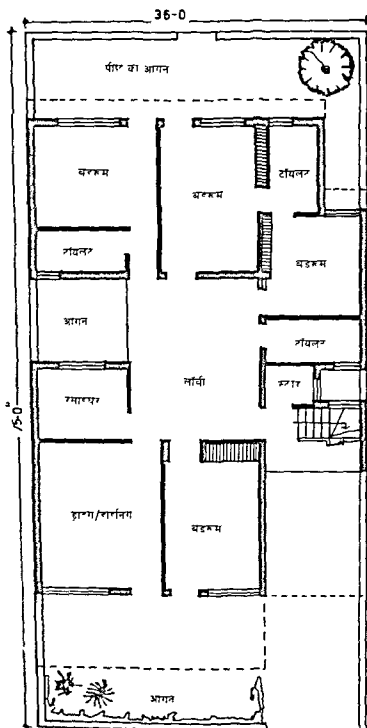
MHP-1

प्लाट साइज 36 × 75
= 10 97 × 22 86 मी

क्षेत्रफल 2700 वर्ग फुट

कवर्ड एरिया 1620 वर्ग फुट
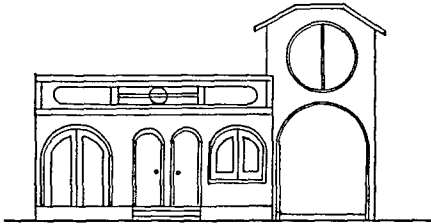
फ्रट एलीवेशन

डिजाइन सख्या MHP-1, 36′ × 75′ = 300 वर्ग गज = 250 93 वर्ग मी

36 ×75 साइज के प्लाट के लिए तयार किए गए इस स्थान म चार बेडरूम, ड्राइंग/डाइनिंग रसोईघर टॉयलट, लॉबी, खुल आगन इत्यादि दिखाए गए ह इस डिजाइन का उल्लेखनीय पहलू ह इसके मध्य म बनाई गई 13′-7 ×16-10½″ साइज की बडी सारी लॉबी यह लॉबी परिवार के सभी सदस्यों की गतिविधियों का केन्द्र रहेगी इसमे बैठक बनाने के अलावा डाईनिंग टेबल डालकर खाना खाने की व्यवस्था भी की जा सकती ह

सबसे आगे 15 फुट तथा पीछे 9 फुट चौडा खुला आगन बनाया गया है आगे 13′×16 का ड्राइंग रूम तथा 10′-2½″×14-4½″ का बेडरूम ह रसोईघर 9-7½″×7′-6″ का है तथा इसके पीछे 10 ×9 का खुला आगन है, जहा से इसे हवा व रोशनी मिलेगी आगे दाई तरफ 10 फुट चौडी गैलरी है जहा से अन्दर जाने के लिए रास्ता है इस गैलरी के ऊपर छप्पर डालकर उसके नीचे कार खडी की जा सकती है

पीछे दो बेडरूम बनाए गए है बाया बेडरूम 13 ×10-6″ का तथा दाया बेडरूम 9-10½″×15-1½″ का है दोनो के साथ टॉयलट अटैच्ड है बाया टॉयलेट 9-7½″×4-3″ का तथा दाया टॉयलट 5-6″×9-3″ का ह बीच म 10-2″×10-9″ का एक और बेडरूम है, इसके साथ भी टॉयलेट है जिसका साइज 10 2″×4-3″ है

जीने के पीछे भी एक लैटीन बनाई गई है जिसका साइज 5 ×3-9″ है डिजाइन इस प्रकार से तैयार किया गया है कि हर कमरे से टॉयलट नजदीक रहे तथा हर कमरे को समुचित मात्रा म ताजी हवा तथा रोशनी मिलती रहे आगे-पीछे के आगनो मे फूल-पौध, बगीचा आदि लगाकर घर को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ सौन्दर्य भी प्रदान किया जा सकता है
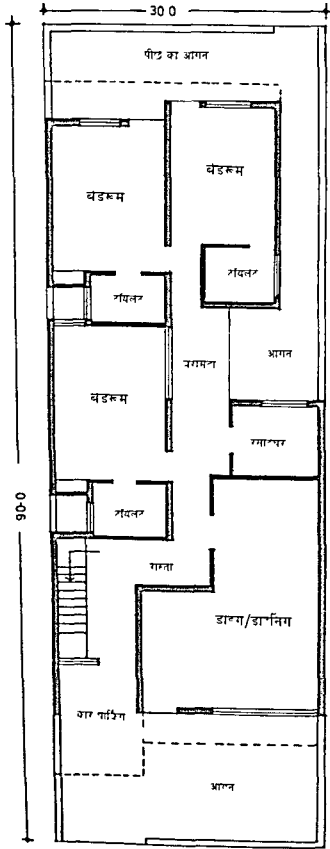
MHP-2
प्लाट माप 30 × 90
= 9.14 × 27.43 मी
क्षेत्रफल 2700 वर्ग फुट
कवर एरिया 1620 वर्ग फुट

डिजाइन सख्या MHP-2, 30′ × 90′ = 300 वर्ग गज = 250 93 वर्ग मी

300 वग गज के लिए बनाया गया यह हाउस प्लान इस तरह बनाया गया है कि सभी कमरे काफी बडे तथा हवादार हो साथ ही हर बेडरूम के साथ अटेच्ड टॉयलेट की सुविधा प्राप्त हो इसमे तीन बेडरूम, ड्राइग/डाइनिंग, टॉयलेट, रसोईघर वरामदा, जीना, खुले आगन आदि का प्रावधान है

सबसे आगे 15 फुट खुला आगन है ड्राइग/डाइनिग एल-शेप है, जिसमे ड्राइग रूम का साइज 20 ×13′ तथा डाइनिंग एरिया का साइज 11 -9″×12′-0″ है जीने के आगे केनोपी के नीचे 8 फुट चोडी जगह हे जहा कार खडी की जा सकती है ड्राइग/डाइनिंग रूम म परदा या रूम-डिवाइडर लगाकर इसे अलग-अलग कमरो की तरह भी इस्तेमाल कर सकते है इसके साथ ही 9 -0″×7 -6″ का रसोईघर हे

बीच मे 12 -0″×16 -6″ का बडा वेडरूम है तथा इसके साथ 7′-3″×6′-0 का अटैच्ड टॉयलेट है इसके सामने 6 फुट के बरामदे के सामने 10 ×10 का खुला आगन है जहा से इसे हवा व रोशनी मिलेगी

पिछले हिस्से म दो बेडरूम हैं, बाया 12′×15 का तथा दाया 11′-0″×14 -6″ का है दोनो के साथ अटेच्ड टॉयलेट है बाया टॉयलेट 8 ×5′-3″ का तथा दाया टॉयलेट 7′-7½″×5′-9″ का हे घर के पिछले हिस्से मे खुला आगन बाईं ओर 10 फुट तथा दाईं ओर 8 फुट चौडा है दाईं तरफ 4 -9″ चोडा रास्ता भी है जहा से घर के पिछले हिस्से मे जा सकते हैं

सभी कमरे इस तरह बनाए गए हैं कि एक मे जाने के लिए दूसरे से न गुजरना पडे बेडरूम इतने बडे हें कि आसानी से बेड-कम-स्टडी या बेड-कम-सिटिंग रूम बना सकते हे ड्राइग रूम के आगे खुले आगन मे बगीचा लगाकर वातावरण को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ घर का सोदर्य भी बढाया जा सकता है

फ्रट एलीवशन

डिजाइन सख्या MHP-3, 30′ × 90′ = 300 वर्ग गज = 250 93 वर्ग मी

300 वर्ग गज के लिए यह प्लान बनाया गया है इसमे चार बेडरूम, टॉयलट ड्राइग/डाइनिंग, रसोइघर बरामदे, खुले आगना इत्यादि का प्रावधान हे पीछे तथा साइड का खुला आगन 10 फुट चौडा तथा आगे का आगन 15 फुट चौडा है घर के मध्य मे 10 ×12′ का एक आर खुला आगन ह

सबसे आगे का बेडरूम 11 -9 ×11 -0 का तथा ड्राइग/डाईनिंग 12 ×19 का हे रसोईघर 12′×6 का ह तथा बडरूम के साथ 8 -4½ ×6 -0″ का अटेच्ड टॉयलेट है जीने के पीछ 12 ×10 का बडरूम तथा 12 ×14 का अटेच्ड टॉयलेट है पीछ बाई तरफ 12′×12 का एक अन्य बेडरूम ह सबसे पीछे 13 -10½ ×12 -3 का एक ओर बेडरूम हे इनके साथ 4′-3′×12 -3′ का अटैच्ड टॉयलेट भी ह

डाइग रूम आगे की तरफ होने से मेहमान सीध ही इसमे प्रवेश कर सकते हे तथा उन्हे घर के अन्य हिस्सो से हाकर नही गुजरना पडेगा रसोईघर इसके पास होने से गृहिणी का मेहमाना क लिए खाना परोसने म आसानी रहेगी सभी कमरे हवादार हे तथा उनमे पयाप्त मात्रा मे प्राकतिक रोशनी आएगी घर क मध्य म स्थित आगन मे कमरा को ज्यादा हवा तथा रोशनी मिलेगी

बेडरूम इस प्रकार बनाए गए है कि प्रत्येक के साथ अटच्ड टॉयलेट मिले साथ ही एक बेडरूम मे जाने के लिए दूसरे से हाकर न गुजरना पडे बाई तरफ स्थित 4 फुट चोडे रास्त से होकर जीने म पहुचा जा सकता हे इस तरह ऊपर जाने वालो के आने-जाने से नीचे वालो को कठिनाई नही होगी आगे-पीछ क खुले आगनो मे बगीचा लगाकर घर को हरा-भरा वातावरण भी प्रदान किया जा सकता हे
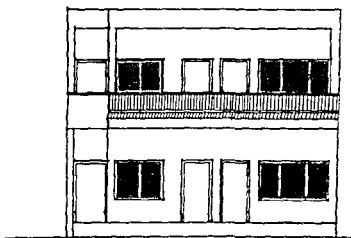
फ्रट एलीवशन
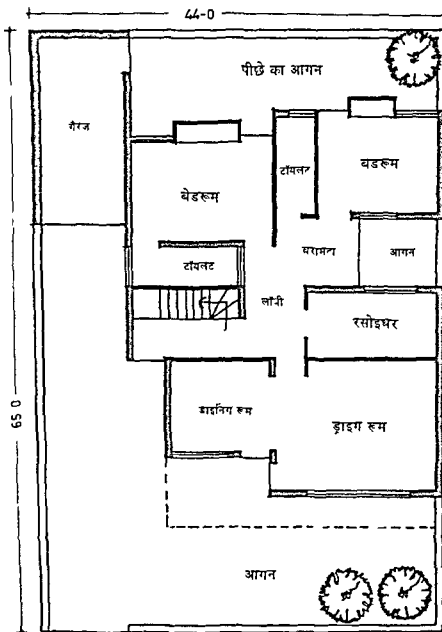
MHP-4
प्लाट साइज 14 × 65
= 13.41 × 19.81 मी
क्षेत्रफल 2860 वर्ग फुट
कवर्ड एरिया 1330 वर्ग फुट
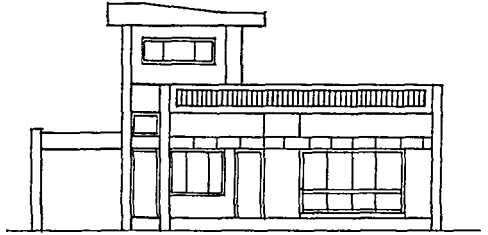
फ्रट एलीवशन

डिजाइन सख्या MHP-4, 44′ × 65′ =317 77 वर्ग गज = 265 8 वग मी

44 ×65 साइज क प्लाट के लिए तयार यह डिजाइन उन लागा का विशष रूप स पसन्द आएगा जा कछ अलग तरह का डिजाइन चाहते हो हर तरफ स इसका एलीवेशन विशेष रूप स सन्दर नजर आएगा इसम सिफ दो बेडरूम, टॉयलेट डाइग/डाईनिग, रसोइघर, लॉबी गरेज तथा आगे खल आगना की व्यवस्था ह सबस आग 15 फुट चाडा तथा बाइ ओर पीछे 10 फुट तथा 13 फुट चाडा खुला आगन ह

ड्राइग/डाईनिग इस तरह ह कि आप इन्हे अलग-अलग कमरे भी बना सकत ह डाईनिग एरिया 10-10½″×10-3″ का तथा दाई ओर 17-4½ ×14-3 का डाइग रूम ह इनक पीछ 13-9 ×6-4½ का रसाइघर है रसोईघर नजदीक हाने से खाना परोसते समय सुविधा रहती ह डाइग/डाईनिग आग की तरफ स्थित होने स मेहमान सीधे ही इसम प्रवश कर सकते ह उन्हे घर के अन्य हिस्सा म क्या हा रहा ह इसका पता नही चल सक्ता

सबसे पीछे बाइ ओर 11 फुट तथा दाई ओर 9 फुट चाडा खुला आगन ह बाया बडरूम 14-9 ×10-6″ का तथा दाया बेडरूम 13′×10 का है दोना के मध्य 4 ×8 का टॉयलट स्थित ह बाए बडरूम क आग 4 ×10 का एक ओर अटैच्ड टॉयलट हे घर के बीच मे 7 ×12 की लॉबी ह जिसक दाइ तरफ 10 ×7 का खुला आगन ह जहा स रसोई को रोशनी मिलेगी

कार खडी करने के लिए 9-3″×18-9″ का गरज भी बनाया गया ह ऊपर की मजिल पर यही डिजाइन इस्तेमाल हो सकता है तथा गरेज के ऊपर नोकर के रहने क लिए कमरा बना सकत ह सभी कमरा का पयाप्त मात्रा मे हवा तथा रोशनी मिले इस बात का ध्यान रखा गया है डाइग/डाईनिग रूम क आग का बरामदा न सिफ घर के एलीवेशन को सुन्दर बनाएगा बल्कि बैठने क काम भी आएगा
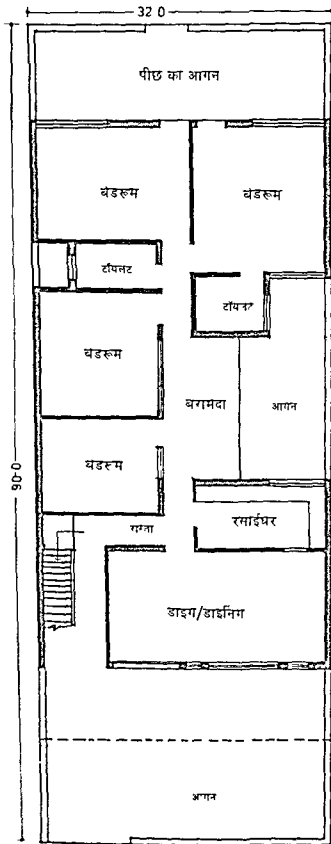
MHP-5
प्लाट साइज 32 90
= 9 75 × 27 43 मी
निर्मित 2880 वर्ग फुट
कवर्ड एरिया 1728 वर्ग फुट
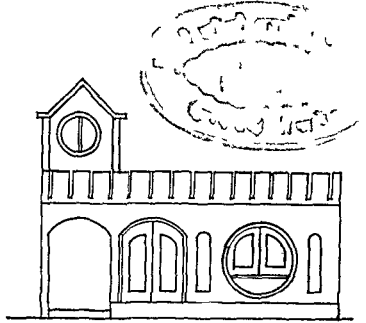
फ्रट एलीवशन

डिजाइन सख्या MHP-5, 32′ × 90′ = 320 वर्ग गज = 267 66 वग मी

यह डिजाइन 32 ×90 के लबे प्लाट के लिए बनाया गया है इसमे चार वेडरूम, ड्राइग/डाइनिग, रसोइघर टॉयलेट, जीना तथा खुले आगन दिखाए गए हे सबसे आग 20 फुट चोडा तथा पीछे 10 फुट चोडा खुला आगन हे ड्राइग/डाइनिग 23 -4½′×12 -0′ का हे तथा आगे होने से मेहमान इसमे सीध ही प्रवेश कर सकेंगे इसके साथ ही 14 ×7′ *का रसोईघर होने से गृहिणी का खाना परोसते समय ज्यादा भागा-दाडी भी नही करनी पडगी*

बाई ओर से अन्दर जाने का रास्ता तथा ऊपर जाने क लिए जीना हे जीने के आगे 7 फुट चाड वरामदे मे स्कूटर इत्यादि खडा किया जा सकता हे बाई तरफ 12 -9′×10 -0 का वेडरूम तथा इसक पीछे 12 -9 ×12 -0″ का एक ओर वडरूम है बाया बेडरूम 16 -1½ ×12 -0″ का तथा दाया बेडरूम 14′-0″×15′-6″ का ह दानो के साथ टॉयलेट हे बाया टॉयलेट 8 ×5′ का तथा दाया 7 -6′×6 -0 का ह

घर के मध्य म 8 फुट चाडी लॉबी हैं जो सभी कमरा को आपस मे जोडन का काम कर रही है इसक अलावा यह वरामदे की तरह बठने के काम भी आएगी घर के मध्य मे 10 ×16 का लवा खुला आगन होने मे लॉवी तथा अन्य कमरे हवादार तथा प्रकाशमय बने रहेगे

यह डिजाइन इस प्रकार बनाया गया हे कि एक कमर मे जाने के लिए दूसरे म न गुजरना पडे टॉयलेट इस तरह स्थित है कि सभी कमरो से वहा सुविधापूवक पहुचा जा सके जमादार भी इन्हे साफ करने कमरो मे बगैर गुजरे आ-जा सकता है ड्राइग रूम के आगे 8 फुट चाडी कनोपी के नीच वेत की कुर्सिया बैठन क लिए डाली जा सकती हे आगे के आगन म बगीचा लगाकर घर का हरा-भरा भी बनाया जा सकता ह
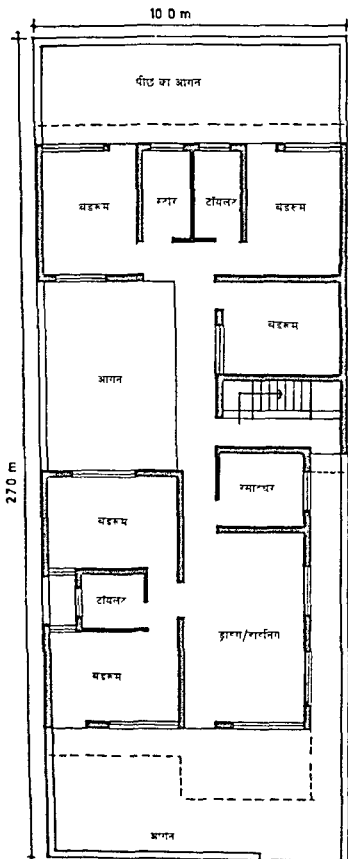
MHP-6
प्लाट साइज 10 × 27 मी
क्षेत्रफल 270 वर्ग मी
कवर्ड एरिया 14o वर्ग मी

10×27 मी साइज के प्लाट पर बनने वाले मकान का यह नक्शा एक सयुक्त परिवार के सभी सदस्यो के लिए पर्याप्त जगह रखता है इसमे पाच बेडरूम, टॉयलेट, ड्राइग/डाईनिग, रसोईघर, स्टोर, खुले आगनो आदि का प्रावधान है

आगे और पीछे क्रमश 4 5×10 0 मी तथा 3 6×10 0 मी के खुले आगन छोडे गए है मध्य मे 4 4×6 2 मी का बडा खुला आगन है सबमे आगे 3 9×6 3 मी का ड्राइग/डाईनिग इस तरह बनाया गया है कि मेहमान बाहर से सीधे ही इसमे आ सके और उन्हे घर के अन्य हिस्सो से होकर न गुजरना पडे इसके साथ ही 2 7×2 4 मी का रसोईघर होने से गृहिणी को डाईनिग रूम मे खाना परोसते समय ज्यादा भागा-दौडी भी न करनी पडेगी बाईं ओर दो बेडरूम है जिनका प्रत्येक का साइज 4 2×3 0 मी है इनके बीच मे टॉयलेट स्थित है जो दोनो बेडरूमो तथा ड्राइग-रूम से आसानी से इस्तेमाल हो सकेगा यह 2 1×1 8 मी साइज का है

घर के पिछले हिस्से मे तीन और बेडरूम है प्रत्येक का साइज 3 0×3 9 मी है पिछले बेडरूमो के बीच एक स्टोर और टॉयलेट स्थित है प्रत्येक का साइज 1 55×2 7 मी है टॉयलेट इस प्रकार स्थित है कि तीनो ही बेडरूम वाले आसानी से इस्तेमाल कर सके

सभी कमरे बडे तथा हवादार है घर के बीच मे जीना इस प्रकार स्थित है कि ऊपर रहने वालो के आने-जाने से नीचे वालो को कोई कठिनाइ न हो बीच का खुला आगन इतना बडा है कि परिवार के सभी सदस्य यहा खुले मे बैठने का आनन्द ले सकते हैं आगे-पीछे के आगनो मे फूल-पौधे लगाकर मकान को और भी सुन्दर बनाया जा सकता है

डिजाइन सख्या MHP-6, 10 × 27 मी = 322 8 वर्ग गज = 270 0 वर्ग मी
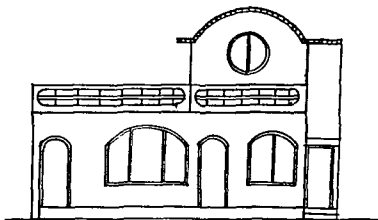
फ्रट एलीवशन
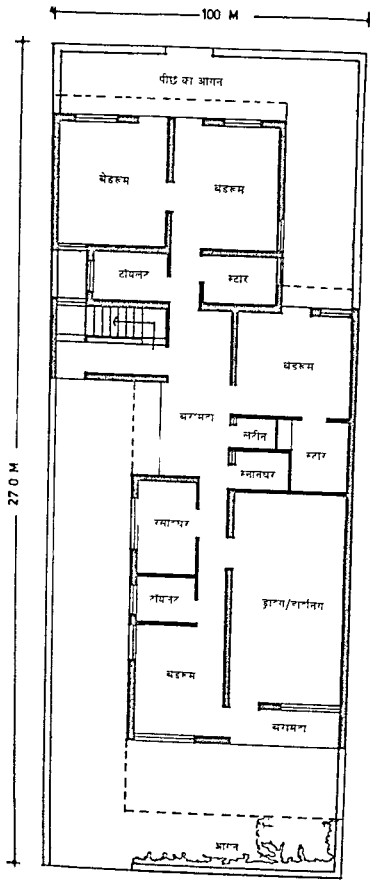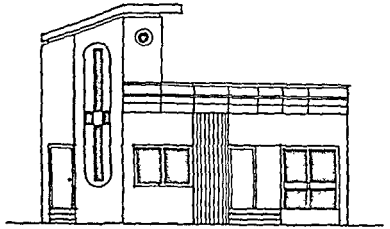
फ्रंट एलीवेशन

डिजाइन सख्या MHP-7, 10 × 27 मी = 322 8 वग गज = 270 0 वग मी

270 वग मीटर माइज क प्लाट के लिए तैयार इस डिजाइन म चार बेडरूम टॉयलट स्टार बरामदा, ड्राइग/डाईनिंग, रसोइघर तथा खुल आगन बनाए गए है सबस आग 4 5 मी तथा पीछे 2 5 मी चाडा खुला आगन है बाई तरफ आग 2 7 मी तथा दाइ तरफ पीछे 2 4 मी चाड आगन ह

ड्राइग/डाईनिंग का साइज 3 6×6 9 मी है तथा आगे का बेडरूम 3 1×3 6 मी का एव अटेच्ड टॉयलेट 2 1×1 5 मी है रसोइघर का साइज 2 1×3 0 मी हे तथा इसक पीछे 2 1 मी चोडा बरामदा हे घर क मध्य मे 3 6×3 3 मी का एक और बेडरूम है इसके साथ 1 7×2 2 मी का स्टोर 1 8×1 2 मी का स्नानघर तथा 1 3×0 9 मी की लैट्रीन है

घर के पिछले हिस्से म दो बेडरूम हे, प्रत्येक का साइज 3 5×3 9 मी ह एक क साथ टॉयलेट तथा एक के साथ स्टोर है दोनो का ही साइज 2 4×1 5 मी है डिजाइन इस प्रकार बनाया गया है कि सभी कमरो मे सुविधा से पहुचा जा सके साथ ही उनम हवा तथा प्राकृतिक रोशनी भी आए टॉयलेट इस प्रकार स्थित हे कि हर कमरे से वहा आसानी से पहुचा जा सकेगा जमादार भी बगैर कमरा से गुजर इन्ह साफ करन आ सकेगा रसोईघर तथा ड्राइग/डाईनिंग नजदीक होने से गृहिणी को खाना परासते समय आसानी रहेगी

ड्राइग रूम के आगे 1 2 मी चौडे बरामदे म भी कुर्सिया डालकर खुल म बेठन का मजा लिया जा सकता है जीना एसी जगह स्थित है कि ऊपरी मंजिल पर रहन वाला के आने-जाने से नीचे वालो का कोइ कठिनाई न हो आगे के खुले आगन मे बगीचा बनाकर वातावरण को ओर भी सुन्दर बनाया जा सकता है
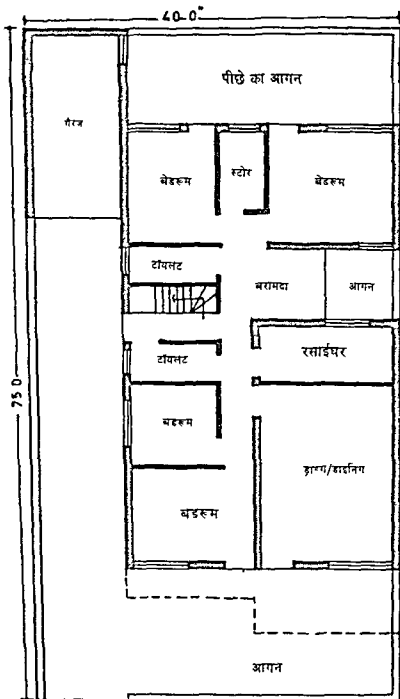
MHP-8
प्लाट साइज 40 × 75
= 12 19 × 22 86 मी
क्षेत्रफल 3000 वर्ग फुट
कवर्ड एरिया 1640 वर्ग फुट
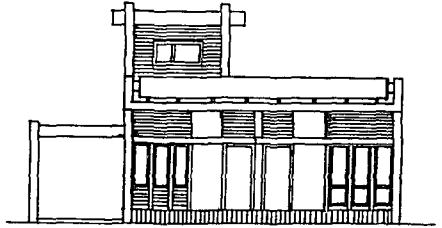
फ्रट एलीवशन

डिजाइन सख्या MHP-8, 40′ × 75′ = 333 33 वर्ग गज = 278 81 वर्ग मी

40 ×75 साइज के प्लाट के लिए यह प्लान बनाया गया ह इसमे तीन बेडरूम, स्टडी रूम, ड्राइग/डाइनिग, रसोईघर, जीना, टॉयलेट स्टोर, लॉबी तथा खुले आगन बनाए गए हे सबसे आगे 15 फुट चाडा बडा खुला आगन है सामने दाई ओर 12 -3 ′×19 -3 का ड्राइग/डाईनिग तथा बायी ओर 12 -9 ×11 -0 का बेडरूम हे ड्राइग/डाईनिग आगे होने स मेहमान बगैर घर के अन्य हिस्सो से गुजर इसम सीधे प्रवेश कर सकेगे इसके सामने केनोपी के नीचे भी कुर्सिया डालकर अनोपचारिक बेठक बना सकते ह पीछे साथ ही 12 -3 ×6 -0 का रसोइघर होने से गहिणी को खाना परासते समय ज्यादा भागा-दोडी का सामना नही करना पडेगा

सबसे पीछे 10 फुट चौडा खुला आगन हे, तथा दो बेडरूम ओर बीच मे छोटा-सा स्टोर हे बाया बेडरूम 9′-4½′×12 -0 का तथा दाया बेडरूम 10 -7½ ×12 -0′ का हे स्टोर का साइज 5 ×8 -7½ ′ है बाए बेडरूम के साथ ही 9 -4½ ×4 -0 का टॉयलेट है जो दोनो ही कमरो के काम आएगा

घर के मध्य मे 10 -6 ×8 -6 की लॉबी तथा 8 ×8 का खुला आगन भी हे अगले बेडरूम के साथ ही पिछली तरफ 9 -4½′×8′-0″ का एक छोटा कमरा है जो स्टडी-रूम का काम दे सकता हे इसके पीछे 9 -4½ ×4 -0′ का टॉयलेट भी बनाया गया है

कार खडी करने के लिए 9 -3 ×19 -3 का गेरेज भी बनाया गया है सभी कमरो को हवा तथा रोशनी मिल इस बात का ध्यान रखा गया है साथ ही हर कमरे की 'प्राइवेसी' बनी रहे, इसके लिए डिजाइन ऐसे बनाया गया है कि एक कमरे मे जाने के लिए दूसरे से न गुजरना पडे जीना भी इस प्रकार स्थित हे कि ऊपरी मजिल पर जाने वालो से नीचे वालो को कठिनाई न हो

MHP 9

प्लाट साइज 45 × 70
= 13 71 21 33 मी

क्षेत्रफल 3150 वर्ग फुट
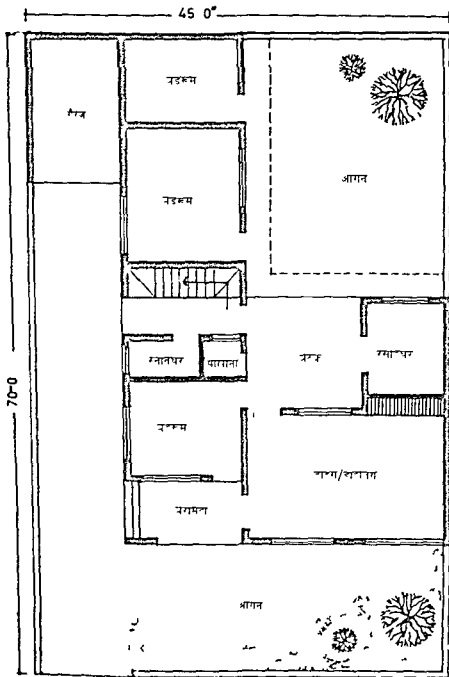
कवर्ड एरिया 1350 वर्ग फुट

45'×70 प्लाट के साइज के लिए तयार इस डिजाइन मे तीन वडरूमो, ड्राइग/डाईनिग, गेरज, रसाइघर, वरामदे तथा खुले आगनो इत्यादि का प्रावधान हे आगे के हिस्से मे 15 ×45 का तथा पीछे 21'×28' का खुला आगन है ड्राइग/डाईनिग का साइज 20 -3"×14 -0" तथा इसके साथ लगे वेडरूम का साइज 12'-6"×10 -0' है रसोइघर 8'×10 का है तथा इमके साथ वाइ तरफ 12 ×11 का, परिवार के वेठने के लिए वेठक ह सवसे पीछे 12 -6"×8 -6" का कमरा हे जो एक व्यक्ति का वडरूम या स्टडी रूम वन सकता हे इसी के साथ 12 -6 ×14 -0 का एक अन्य वेडरूम है वाइ ओर उनमे 9 -3"×16 -0" का गरेज है जीने के साथ 4 ×4' की लट्रीन तथा 3'-1¼"×4'-0" का म्नानघर ह

डिजाइन इम तरह तयार किया गया हे कि प्रत्येक कमरे का पयाप्त मात्रा म रोशनी तथा ताजी हवा मिलती रहे ड्राइग/डाईनिग के अलावा एक फैमिली लाउज (वेठक) होन स परिवार के मदस्यो की अधिकतर गतिविधिया इमी वैठक म केन्द्रित रहगी तथा ड्राइग रूम की साज-सज्जा सिफ महमाना के लिए सुरक्षित रखी जा सकेगी

आगे एक वरामदा भी है जहा अनापचारिक वठक वनाइ जा सकती हे चाहे तो अगला बेडरूम गेस्ट-रूम यानी मेहमानो के ठहरने का कमरा भी वनाया जा सकता हे आगे-पीछ के खुले आगनो मे पेड-पौधे लगाकर हरा-भरा वना मकते हें टॉयलेट ऐसी जगह स्थित ह कि सभी कमरा से आसानी से पहुचा जा सके पीछे के खुले आगन मे आवश्यक्ता पडने पर एक दा कमरा का और निमाण किया जा सकता है

डिजाइन सख्या MHP-9, 45' × 70' = 350 वर्ग गज = 292 75 वर्ग मी
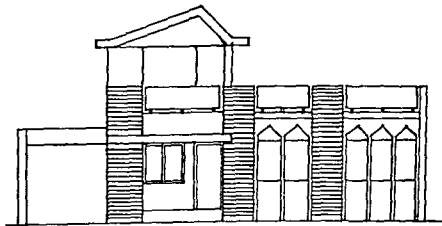
फ्रट एलीवेशन

MHP-10

प्लाट साइज 42 × 80
= 12.8 × 24.38 मी

क्षेत्रफल 3360 वर्ग फुट

कवर्ड एरिया 1620 वर्ग फुट
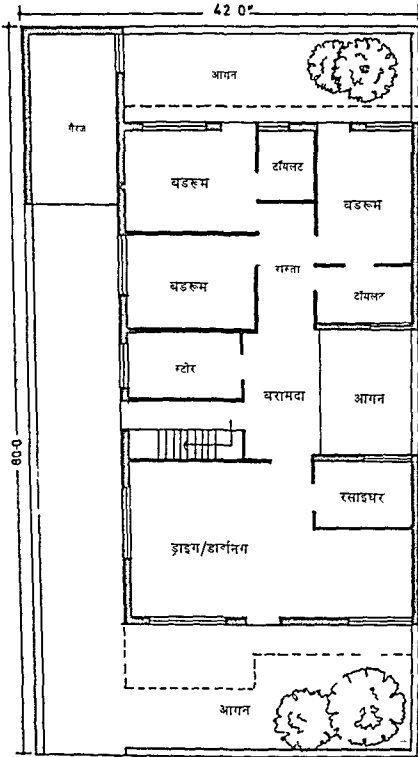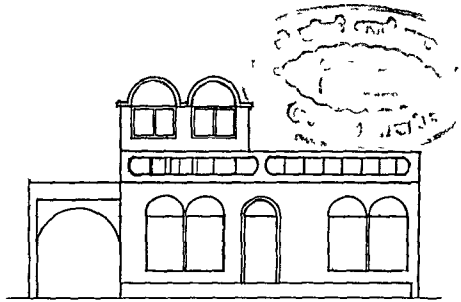
फ्रंट एलीवेशन

डिजाइन सख्या MHP–10, 42′ × 80′ = 373 33 वर्ग गज = 312 27 वर्ग मी

42 ×80 के प्लाट के लिए तयार इस डिजाइन मे तीन बेडरूम, टॉयलेट, स्टोर लॉबी ड्राइग/डाईनिंग रसोईघर, गैरेज तथा खुले आगनो इत्यादि का प्रावधान हे डाइग/डाईनिंग एल शेप है तथा अपेक्षाकृत काफी बडा है, जो शाही अन्दाज की बैठक बनाना चाहते हो, उनके लिए यह डिजाइन बेहतरीन हे आगे तथा पीछे क्रमश 15 फुट तथा 10 फुट चोडे आगन छोडे गए हे डाइग/डाईनिंग बाई ओर 19 × 17 का तथा दाइ ओर 10 ×10 का हे इसके साथ ही 10 ×7 -6 का रसोइघर भी हे

रसोईघर, ड्राइग/डाईनिंग रूम के साथ होने से खाना वगेरह परोसते समय विशेष आसानी हो जाती है मेहमान सीधे सामने से ही डाइग रूम मे आ सकते हे, ओर उन्हे इस तरह घर के अन्य हिस्सो से गुजरने की जरूरत नही पडेगी

घर मे पिछली तरफ तीन बेडरूम हे बाइ ओर एक के पीछे एक 14 -6″×10 -0″ के दो बेडरूम तथा दाईं ओर 10 ×14 का बेडरूम हे इनके बीच 6 ×7 का टॉयलेट स्थित हे दाई तरफ बेडरूम के साथ 10 ×6 का एक और बडा टॉयलेट हे इसमे बाथटब भी आसानी से लग सकता हे स्टोर का साइज 12 ×7′ हे तथा इसके बाइ ओर की लॉबी 8 फुट चोडी हे

घर के मध्य 10 ×14 का एक ओर बडा खुला आगन हे जहा से रसोइघर तथा घर के मध्य भाग को हवा तथा रोशनी मिलेगी सभी कमरो की स्थिति इस प्रकार से रखी गई हे कि उन्हे समुचित प्रकाश तथा ताजी हवा मिलती रहे गाडी खडी करने के लिए बाई ओर पीछे 9 -3″×18 -0″ का गरेज भी हे बाईं ओर की 10 फुट चौडी गैलरी मे होकर भी घर के अन्दर तथा ऊपर जाने के लिए जीने तक पहुचा जा सकता हे
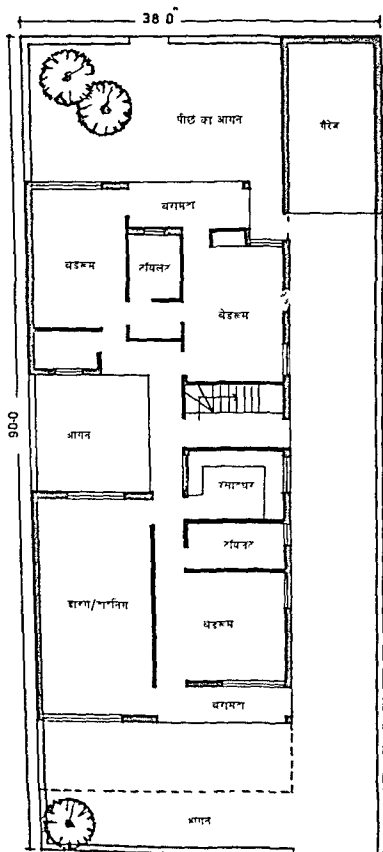
MHP-11

प्लाट साइज 38 90
= 11.58 27.43 मी
क्षेत्रफल 3120 वर्ग फुट
कवर्ड एरिया 1710 वर्ग फुट
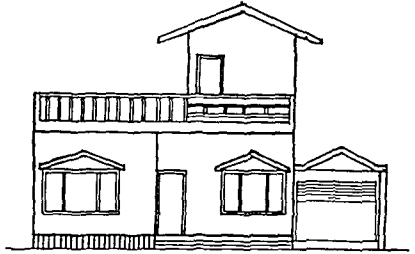
फ्रट एलीवशन

डिजाइन सख्या MHP-11, 38′ × 90′ = 380 वर्ग गज = 317 84 वर्ग मी

यह नक्शा 38 ×90 क प्लाट के लिए बनाया गया है इसम तीन बेडरूम, ड्राइग/डाईनिग रसोइघर, टॉयलेट, स्टोर, गरेज, जीना तथा खुले आगना की व्यवस्था की गई है आगे तथा पीछे दोनो तरफ 15 फुट चौडे खुल आगन छोडे गए हैं साइड का खुला आगन 10 फुट चौडा है जहा से हाकर 9 -3″×19 -0″ के गेरज की तरफ पहुचा जा मकता है

दो बेडरूम घर के पिछले हिस्से मे है बाया बेडरूम 10 ×15′ का तथा दाया 10 -6″×14 -8″ का है इनक मध्य 5 -3″×7 -0″ का टॉयलेट तथा छोटा-सा डेस्गिरूम ह इनके पीछे 5 -0″ चौडा वरामदा ह बाए बेडरूम के साथ 6 -7½″×4 -1½″ का स्टोर भी है

अगले हिस्से मे 12 -3″×24′-0″ का डाइग/डाईनिग, 14 -4½″×12 -0″ का बेडरूम, 10 -6″×5 -0″ का टॉयलेट तथा 10 -6″×8 -0″ का रसाईघर है इसके अलावा बेडरूम क आगे 4 फुट चौडा बरामदा भी बनाया गया है बरामदे तथा आगे की कैनोपी के नीचे कुर्सिया वगरह डालकर खुली बैठक बखूबी बन सकती है रोजमरा आन वाल व्यक्ति ड्राइग/डाईनिग मे जाने के बजाय यही बैठकर बातचीत कर सकते हैं

सभी कमरे इस प्रकार स्थित हैं कि उनकी 'प्राइवेसी' बनी रहे, तथा एक मे जाने के लिए दूसरे मे हाकर न गुजरना पडे बेडरूमो के साथ अटैच्ड टॉयलेट का प्रावधान है तथा टॉयलेट इस प्रकार स्थित हैं कि सुविधा म जमादार सफाइ करने आ सके घर के मध्य स्थित 13′×13 -6″ का खुला आगन घर को अतिरिक्त रूप मे हवादार और प्रकाशपूर्ण बनाएगा आगे-पीछे क खुले आगनो मे भी सर्दी मे धूप तथा खुली हवा मे बैठने का आनन्द लिया जा सकता है
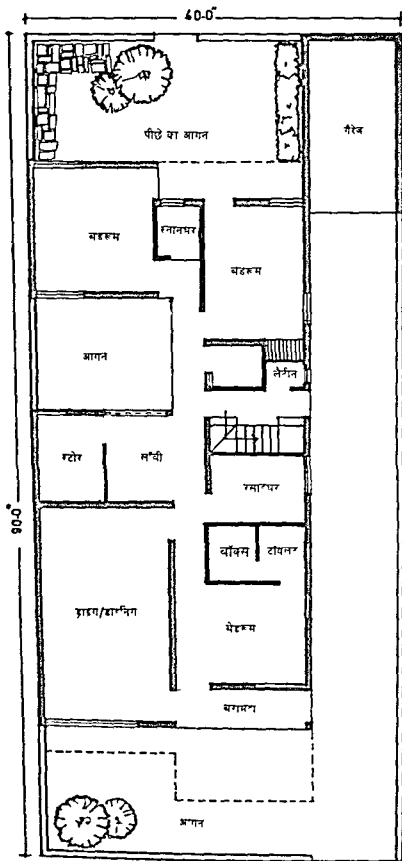
MHP-12
प्लाट साइज 0 90
= 12 19 27 43 मी
क्षेत्रफल 3600 वर्ग फुट
कवर्ड एरिया 1200 वर्ग फुट

400 वग गज के प्लाट क लिए बनाए गए इस नक्शे मे तीन बेडरूम, ड्राइग/डाईनिग रसोइघर, स्टोर टॉयलेट, लॉबी, गरेज तथा खुले आगनो इत्यादि की व्यवस्था की गइ ह सभी कमरे काफी बडे तथा हवादार ह सभी बेडरूमो मे दो-दो खिडकिया होने की वजह से 'क्रॉस वेन्टीलेशन भी रहेगा

आगे 15' का तथा पीछे 13 -6" का खुला आगन ह पीछे दो बेडरूम ह बाया 12'×13 का तथा दाया 10 -7½"×14'-0" का हे दानो के मध्य 5 -4½"×5 -7½" का स्नानघर हे दाए बेडरूम के पास अगली तरफ 6 3"×5 -0" का स्नानघर तथा 4 ×3 की लेट्रीन हे

घर के अगले हिस्से मे स्थित बेडरूम 14 ×11 का ह इसके साथ 6 ×6 का अटैच्ड टॉयलेट एव ड्रेसिग रूम भी है ड्राइग रूम का साइज 13'-9"×23 -6" तथा रसोइघर का साइज 10 -3"×7 -6" है ड्राइग रूम के पीछे 7 -1½"×9'-7½" का स्टोर हे, जिसे चाहे तो स्टडी रूम भी बना सकते ह

घर के मध्य मे 12 ×15 -3" का खुला आगन हे, जो घर के भीतरी भाग को हवादार तथा प्रकाशमय बनाएगा, इसके पास की लॉबी 11 ×10 की ह जो परिवार के सभी सदस्यो के उठने-बैठने के काम आएगी इसे अनौपचारिक 'डाईनिग एरिया' की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है

सभी कमरे इस प्रकार स्थित हें कि एक मे जाने के लिए दूसरे से न गुजरना पडे पीछे के खुले आगन मे साग-सब्जी उगाने के लिए 'किचन गाडन' भी बना सकते ह दाई ओर 10 फुट चौडा आगन हे जो 9'-3"×19'-0" के गेरेज की तरफ ले जाता है

डिजाइन सख्या MHP-12 40' × 90' = 400 वर्ग गज = 334 57 वर्ग मी

फ्रट एलीवेशन

फ्रट एलीवेशन

डिजाइन सख्या MHP-13, 40′ × 90′ = 400 वर्ग गज = 334 57 वर्ग मी

400 वर्ग गज के लिए यह डिजाइन इस प्रकार बनाया गया है कि इसका एक हिस्सा अलग से किराये पर दिया जा सके, जिसमे पीछ एक ड्राइग/डाईनिग, बेडरूम, रसोईघर, टॉयलेट तथा खुले आगन की व्यवस्था है आगे के हिम्से मे ड्राइग/डाईनिग, तीन बेडरूम, किचन, टॉयलेट खुले आगनो आदि का प्रावधान है

सबसे आगे 15 फुट का खुला आगन है इसके बाद 14 ×18′ का ड्राइग/डाईनिग तथा 14′-1½′ ×11 -0 का बेडरूम है ड्राइग-डाईनिग के पीछे 14′×11 का एक ओर बेडरूम है तथा दाई तरफ 10 -9 ×7′-0″ का रसोईघर है इसके पीछे 10′×10′ का एक और बेडरूम है

पीछे के हिस्से मे 14 ×16′-3′ का ड्राइग/डाईनिग, 14 -1½″×11′-1½″ का बेडरूम, 14 ×6′ का रसोइघर तथा एक टॉयलेट है पीछे का खुला आगन 10 फुट का है

घर के मध्य म 15′-1½″×10 -0 का एक ओर खुला आगन है जहा से घर के भीतरी हिस्सा को हवा तथा रोशनी प्राप्त होगी प्रत्येक बेडरूम के साथ अटैच्ड टॉयलेट की व्यवस्था है, जिसका साइज 10 -9′×5 -0 है बेडरूमो मे अच्छी हवा व प्रकाश-व्यवस्था रहेगी एक कमरे म जान के लिए दूसरे से नही गुजरना पडेगा तथा मेहमान सीधे ही बाहर से ड्राइग रूम मे प्रवेश कर सकेगे जीना इस तरह स्थित है कि ऊपरी मजिल पर जाने वालों के आने-जाने से नीचे वालो को कोई कठिनाई न हो दाई तरफ के खुले आगन से कई कमरो को हवा व रोशनी प्राप्त होगी दो परिवारो के लिए बनाए गए इस डिजाइन मे इस तरह की व्यवस्था है कि दानो की ही 'प्राइवेसी' बनी रहे
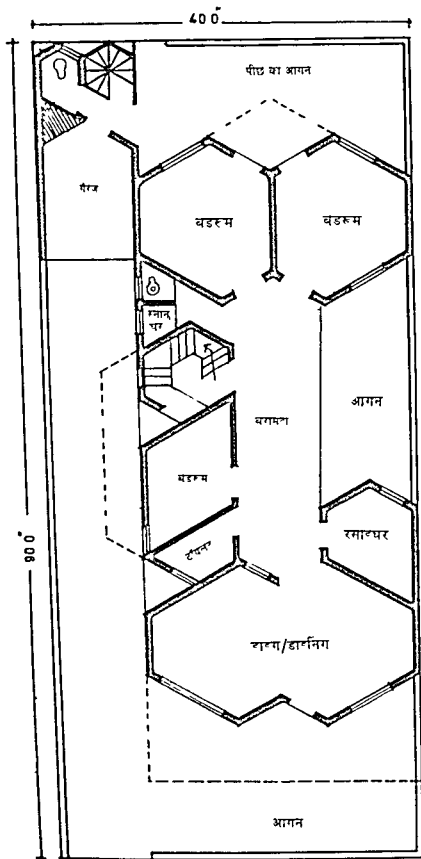
40 ×90 साइज के प्लाट के लिए यह एक अनूठा डिजाइन बनाया गया है इसमे कमरे चोकोर या आयताकार होने के बजाय षट्कोणीय हे खास तरह का डिजाइन पसन्द करने वाले लोगो को यह नक्शा पसन्द आएगा इसमे तीन बेडरूम, ड्राइग/डाईनिग रसोईघर, टॉयलेट, गेरेज, बरामदा तथा खुले आगनो का प्रावधान है

डिजाइन इस प्रकार का हे कि सही साइज देना मुश्किल ह, फिर भी कमरा क 'ओसत साइज' दिए जा रहे हे हर दीवार का सही नाप जानने के लिए डिजाइन को 1/12 को 1 फुट मानकर समझा जा सकता है सबसे आगे 12 फुट तथा पीछे 8 फुट चाडे खुले आगन छोडे गए हे आग 30 ×12 का लबा ड्राइग/डाईनिग है इसके पीछे 9 ×9 का रसोईघर तथा 4 ×9 का टॉयलेट हे ड्राइग/डाईनिग को दो भागा मे भी विभक्त किया जा सकता हे

बाई ओर, बीच मे 11 ×12′ का बेडरूम तथा इसकी दाई ओर 7 फुट चौडा बरामदा तथा 10′×20 का लबा खुला आगन हे सबसे पीछे 14 ×14 के दो बेडरूम हे इनके साथ बाई तरफ 4′×5 के स्नानघर तथा लेट्रीन भी ह गेरेज का साइज 9 -3′×18′-0 है इसके साथ लेट्रीन तथा ऊपर जाने के लिए जीना ह इसके ऊपर नोकर के रहने के लिए कमरा बनाया जा सकता हे

कमरो मे दीवारो की सख्या ज्यादा होने की वजह से 'फर्नीचर सेटिग' बेहतरीन तरीके से हो सकेगी तथा नए एव आधुनिक डिजाइन का कलात्मक फर्नीचर सजाया जा सकेगा आगे-पीछ क आगनो म बगीचा बनाया जा सकता हे बीच का बरामदा तथा खुला आगन भी काफी काम आएगा ड्राइग रूम के आग केनापी के नीचे भी बैठने की जगह काम आएगी ऊपर कनोपी बालकनी की तरह इस्तेमाल हो सकती हे प्रत्येक कमरे को पर्याप्त मात्रा म ताजी हवा तथा रोशनी मिलती रहेगी

डिजाइन सख्या MHP-14 40′ × 90′ = 400 वर्ग गज = 334 57 वर्ग मी
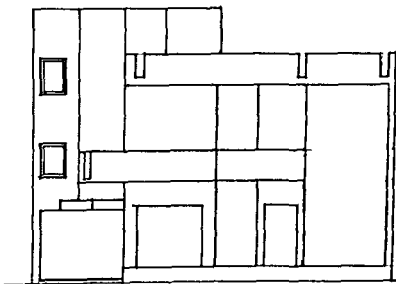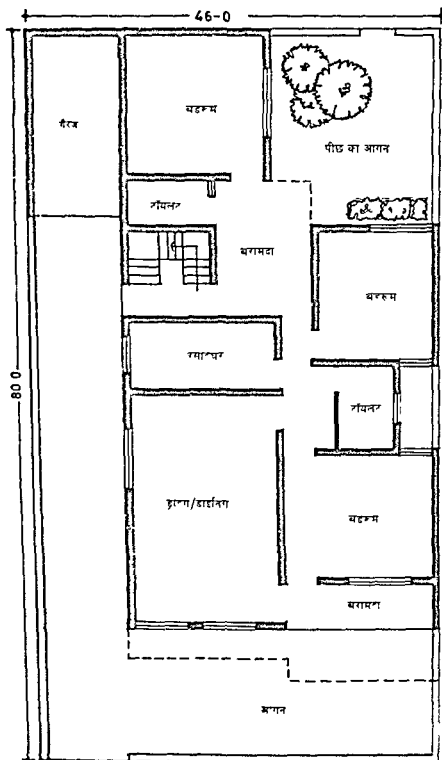
फ्रट एलीवशन

MHP-15

प्लाट साइज 46 × 80
= 14.02 × 24.38 मी.
क्षेत्रफल 3680 वर्ग फुट
कवर्ड एरिया 1954 वर्ग फुट
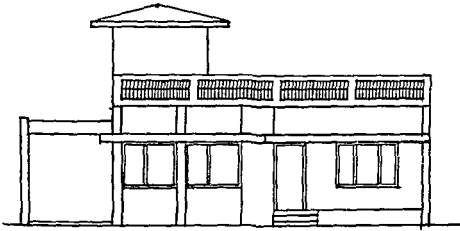
फ्रट एलीवेशन

डिजाइन सख्या MHP-15, 46′ × 80′ = 408 89 वर्ग गज = 342 01 वर्ग मी

यह प्लान 46 ×80′ के प्लाट के लिए तैयार किया गया है इसमे तीन बेडरूम, ड्राइग/डाइनिग, रसोइघर, टॉयलेट, बरामदा, गेरेज तथा खुले आगनो आदि का प्रावधान है आगे 46 ×15′ का तथा पीछे 20 ×20 का खुला आगन है साइड मे 10 फुट चौडी गेलरी हे, जो गैरेज तथा जीने की तरफ ले जाती हे

सबसे आगे ड्राइग/डाइनिग हे, जिसका साइज 17 ×25 है इसके पीछे 17 ×7 की बडी रसोई है रसाई मे इतनी जगह है कि आसानी से इसमे स्टोर भी बनाया जा सकता है अगला बेडरूम 16′-9″×14 -6″ साइज का है इसके साथ 6 ×9 का अटैच्ड टॉयलेट तथा अगली तरफ 5 फुट चौडा बरामदा है बरामदे के आगे 8 फुट चौडी कैनोपी होने से छायादार जगह 13 फुट चौडी हो जाती हैं, जिसक नीचे बैठने के लिए बेत की कुर्सिया वगैरह डाल सकते हैं

पिछले हिस्से मे दो और बेडरूम हैं बाया बेडरूम 14′-6″×14′-10½″ का तथा दाया बेडरूम 13 ×13′ का है पीछे 7 ×5′-6″ का एक और टॉयलेट भी है गैरेज का साइज 9 -3″×19 -0″ है

सभी कमरो को इस तरह बनाया गया है कि एक मे जाने के लिए दूसरे से न गुजरना पडे प्रत्येक बेडरूम के पास ही टॉयलेट भी रखा गया है घर के मध्य मे 11′×11 की लॉबी है जो घर के सभी सदस्यो के उठने-बैठने के काम आएगी इसके पीछे के खुले आगन मे फूल-पौधे लगाकर बगीचा बनाया जा सकता है आगे के आगन मे भी घास, पौधे आदि उगा सकते हैं सभी कमरो को समुचित हवा तथा प्रकाश मिले इस बात का ध्यान रखा गया है जीना ऐसी जगह स्थित है कि ऊपरी मंजिल पर बगैर नीचे वालों को 'डिस्टब' किए पहुचा जा सके
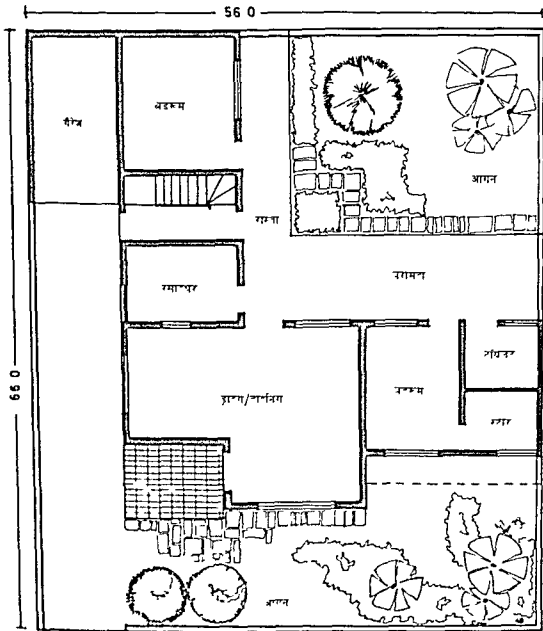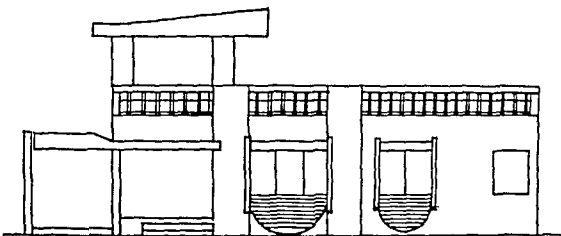
फ्रट एलीवशन

डिजाइन सख्या MHP-16, 56 × 66′ = 410 67 वग गज = 343 49 वग मी

यह प्लान 56 ×66 क प्लाट क लिए वनाया गया है इसम ज्यादा भाग फिलहाल खाली दिखाया गया है लकिन वाद म आवश्यकता पडने पर खाली जगह म भी अतिरिक्त कमरा का निमाण किया जा सकता है जिन लोगा का वड प्लाट पर छोटा-सा वगला तथा वाकी हिस्स म हरा-भरा लॉन वगीचा इत्यादि पसन्द हा उनक लिए यह डिजाइन वेहतरीन है

सवस आगे 15 फुट चौडा खुला आगन छोडा गया है, जिसम फूल-पौध वगरह लगाए जा सकत है आग क हिस्स म ही ड्राइग/डाईनिग रूम वनाया गया है डाईनिग 10 ×12 का तथा ड्राइग रूम 12 ×20 का है [illegible] हान क कारण इसम वीच म 'रूम डिवाइडर' लगाकर अलग-अलग भी किया जा सकता है इसक आग क 8 फुट चौड वरामदे म भी कुर्सिया डाली जा सकती हैं इसक साथ ही पिछली तरफ 12 ×7 का [illegible] इत्यादि परोसत समय भी सुविधा रहगी

[illegible] तरफ 10 ×14 का वडरूम 8 ×7 का टॉयलट तथा 5 ×6 7' [illegible] हा म होने म वह गुप्त रह सकगा तथा यहा कीमती चीज, तिजोरी वगरह रखी जा सकती है [illegible] भी एक 12 ×14 का वडरूम है अध्ययन करन वाल व्यक्ति क लिए यह कमरा [illegible] दगा इसक सामने 4 फुट चौडा वरामदा तथा 28 -6″×21 -6″ का खुला आगन है

ड्राइग-डाईनिग रूम तक वडरूम क पीछे 8 फुट चौडा खुला वरामदा [illegible] उठन-वैठन क काम आएगा कार खडी करन क लिए पीछ 9 -3″×17 -0″ का गरज [illegible] है

40 0

95 0"

पीछे का आगन

गैरेज

टॉयलेट

टॉयलेट

लैट्रीन

आगन

MHP-17

MHP 18
प्लाट साइज 40 0 × 95 0
= 12.19 × 28.95 मी
क्षेत्रफल 3800 वर्ग फुट
कवर्ड एरिया 1600 वर्ग फुट

फ्रंट एलीवेशन

डिजाइन संख्या MHP-18, 40 × 95' = 422 22 वर्ग गज = 353 16 वर्ग मी

40 ×95 के प्लाट के लिए तयार यह प्लान उन लोगों के लिए उचित रहेगा जो प्लाट पर कम क्षेत्रफल कवर' करना चाहते हो तथा ज्यादा हिस्सा खुला छोडना चाहते हो इसमे आगे 40 ×30 का तथा पीछे 20 ×30 का बडा आगन खुला छोडा गया है आगे के हिस्से मे दो बेडरूम ड्राइग/डाईनिंग रूम रसोइघर टॉयलेट तथा बरामदे का प्रावधान है पीछे एक बेडरूम स्नानघर लट्रीन तथा गैरेज बनाए गए है

ड्राइग/डाईनिंग का साइज 14 ×25 है इसके साथ ही 10 ×8 की रसोइ है बाइ ओर 15 ×12 का एक बेडरूम है इसके आगे वाला बेडरूम 10 ×13 का है इनके साथ 4'×8 का अटैच्ड टायलेट है कमरो के पीछे 8 फुट चौडा लबा बरामदा भी है

ड्राइग/डाईनिंग आगे होने से महमान सीधे ही इसमे आ सकेगे तथा उन्हे घर के अन्य हिस्सो मे गुजरने की आवश्यकता नही है इसके आगे कैनापी के नीचे भी बेत की कुर्सिया डालकर अनौपचारिक बैठक बनाइ जा सकती है छोटे परिवार की सभी आवश्यकताओ की पूर्ति इन कमरो मे हो जाएगी

घर के पृष्ठभाग मे एक और बेडरूम है इसका साइज 15 ×10 है इसके साथ 4 ×8 का स्नानघर तथा 4 ×4 की लट्रीन है यह कमरा मेहमानो को ठहराने के लिए गेस्ट-रूम बनाया जा सकता है या फिर पढने वाले व्यक्ति के लिए स्टडी रूम का काम देगा दाईं ओर से 8 -9 चौडी खुली गेलरी जीने तथा गैरेज, जिसका साइज 10 ×16 है, की तरफ से जाती है सभी कमरे इस प्रकार स्थित है कि उन्हे पर्याप्त मात्रा मे ताजी हवा तथा प्रकाश मिलता रहे

MHP 19

42 × 106

= 12 80 × 32 3

2226
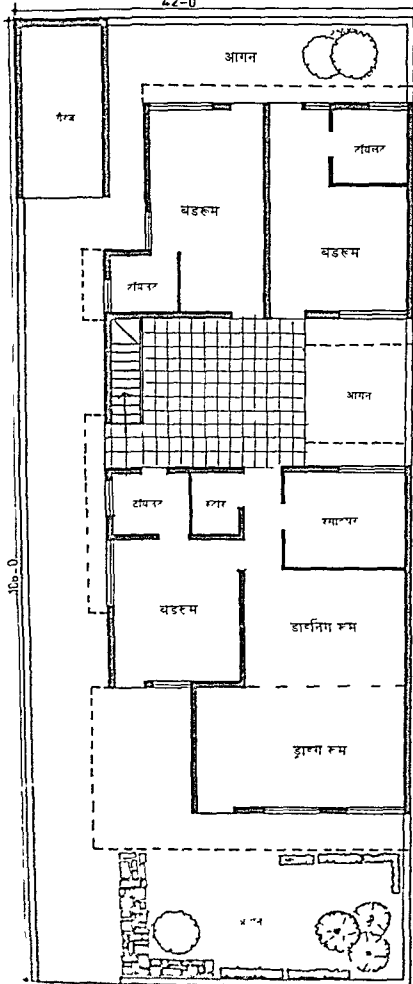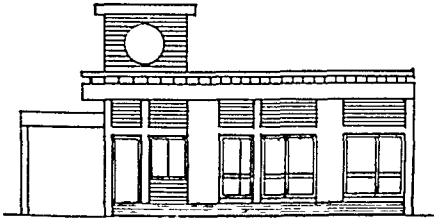
फ्रंट एलीवेशन

यह डिजाइन 42 ×106' के प्लाट के लिए बनाया गया है इसमे कमरे ज्यादा नही है लेकिन उनका साइज काफी बडा है बडे-बडे कमरे पसन्द करने वाला के लिए यह प्लान बहतरीन हे सबसे आगे 20 फुट चाडा तथा पीछे 12 फुट चौडा खुला आगन है साइड मे 10 फुट चाडी खुली गैलरी हे जो पीछे गैरेज (साइज 9 -3 ×19 -0") की तरफ ले जाती है

ड्राइग/डाईनिंग 'एल'-शेप का है डाइग रूम 22'×13' का तथा डाईनिंग एरिया 16 ×13 का है इसके साथ ही पिछली तरफ 13 ×10 का रसोइघर हे ड्राइग/डाईनिंग आगे होने से मेहमान सीधे ही इसमे प्रवेश कर सकते ह तथा घर के अन्य हिस्सो स उन्हे बेवजह गुजरना नही पडेगा इसके बाईं तरफ केनोपी के नीच कार खडी की जा सकती है या कुर्सिया डालकर खुले मे बैठा जा सकता हे

आग का बेडरूम 13 -6"×15 -6" का है तथा इसके साथ 8'×6 का टॉयलेट तथा 5 ×6' का स्टोर है पिछले हिस्से म दो और बेडरूम है बाया बेडरूम 12 ×12 का तथा दाया 14 -3'×13 -3" का हे दोनो के साथ अटैच्ड टॉयलेट हैं बाया टॉयलेट 8'×6 का तथा दाया 8'×8' का है

घर के मध्य मे 18'×16 की बडी लॉबी है जिसमे ऊपर जाने के लिए सीढिया भी हे घर के सदस्यो के लिए एक तरह से यह लॉबी 'लिविंग रूम' यानी रहने के कमरे की तरह काम देगी इसके बाईं तरफ के 10 ×16 के खुले आगन से इसे काफी हवा तथा रोशनी प्राप्त होगी प्रत्येक कमरे को समुचित मात्रा मे हवा तथा प्राकृतिक रोशनी प्राप्त होगी कमरे इस प्रकार स्थित है कि 'प्राइवेसी' बनी रहे तथा एक में जाने के लिए दूसरे से न गुजरना पडे आगे के बडे आगन म बगीचा भी लगाया जा सकता है

डिजाइन सख्या MHP-19, 42' × 106' = 494 67 वर्ग गज = 413 75 वर्ग मी

MHP 20

फ्रंट एलीवेशन
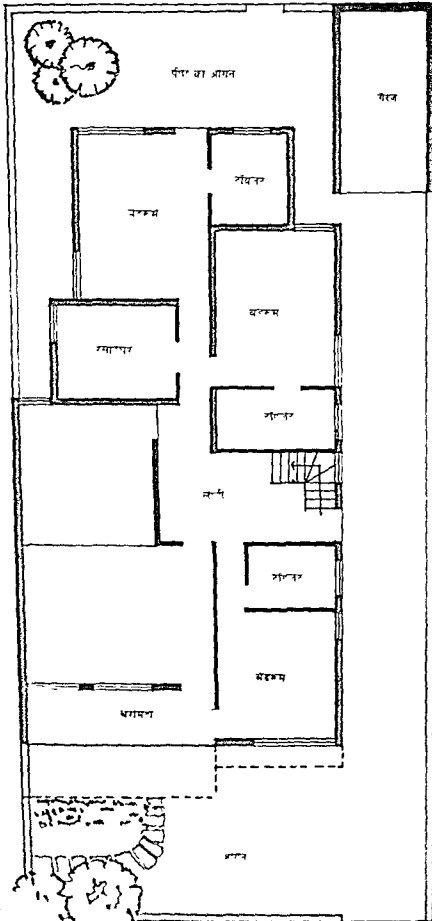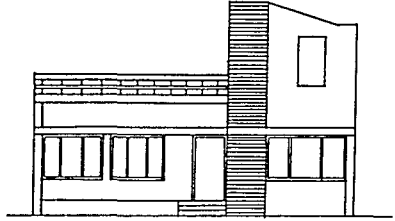
500 वग गज के वडे प्लाट के लिए बनाया गया यह हाउस प्लान उन लोगा के लिए ह जा शाही अन्दाज से कोठीनुमा घर मे रहना पसन्द करते हैं इसमे तीन बेडरूम, ड्राइग/डाईनिग, रसोइघर, टॉयलेट, गरेज, लॉबी तथा खुल आगनो की व्यवस्था है पीछे 14 फुट चौडा तथा आगे 20 फुट चाडा खुला आगन छोडा गया है

ड्राइग रूम 20 ×16 का तथा डाइनिग रूम 14'×15 का हे इनके बीच मे दीवार परदा या रूम-डिवाइडर लगाकर इन्हे अलग-अलग भी किया जा सकता है इसके आगे 5 -0" चोडा बरामदा तथा पीछे 12 ×10 का रसाइघर है आग का बेडरूम 13'×14 का है तथा इसके साथ 9 -6"×6'-9" का टॉयलेट ह मध्य मे काफी वडी लॉबी है, जहा से ऊपरी मंजिल पर जाने के लिए जीना हे

पिछले हिस्से मे दो बेडरूम हैं बाया बेडरूम 13'×17 का तथा दाया बेडरूम 13 ×16 -6 का है पिछली तरफ 8'×9 का तथा अगली तरफ 13'×6 का टॉयलेट है इस तरह हर बेडरूम के साथ टॉयलेट बनाया गया है दाई तरफ 10 फुट चौडी खुली गैलरी है, जहा से 9 -3"×19 -3" के गैरेज मे जाने का रास्ता है

प्रत्येक कमरा इस तरह स्थित है कि 'प्राइवेसी' बनी रहे तथा एक मे जाने के लिए दूसरे से न गुजरना पडे सभी बेडरूमो मे दो-दो खिडकिया होने से हवा का अच्छा 'क्रॉस वेन्टीलेशन' बना रहेगा मध्य मे स्थित बडी लॉबी रोजाना उठने-बैठने के काम मे आ सकेगी ड्राइग रूम आगे होने से मेहमान बगैर घर के अन्य हिस्सो से गुजरे, इसमे आ सकेगे तथा इसके आगे का बरामदा तथा केनोपी इसकी धूप बरसात से रक्षा करेगी आगे के आगन मे लगा बगीचा घर को शीतलता तथा सौदय प्रदान करेगा

डिजाइन सख्या MHP-20, 45' × 100' = 500 वर्ग गज = 418 22 वर्ग मी

56 0"
90-0
बरामदा
आगन
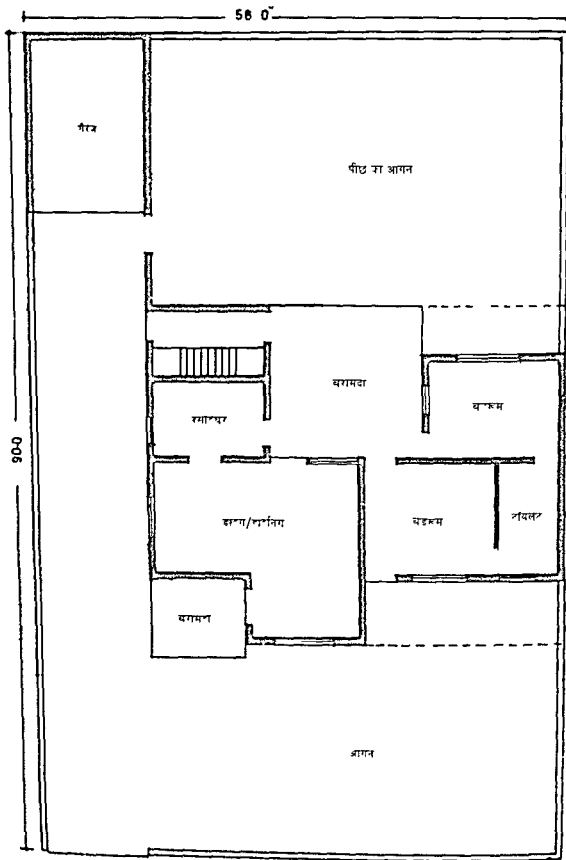
यह डिजाइन 58 -0 ×90 -0 साइज के प्लाट के लिए बनाया गया हे इस डिजाइन म इस समय ज्यादा भाग खुला ही दिखाया गया ह लेकिन वाद म इसमे आवश्यकतानुसार आर निर्माण भी किया जा सकता हे फिलहाल इसमे दो वेडरूम, एक ड्राइग/डाइनिग रूम फेमिली लाउज, टॉयलट, रसाइघर बरामदे, खुले आगन तथा गरेज का ही प्रावधान रखा गया ह

दाई ओर आगे वाला वडरूम 14 ×12 का तथा पीछे वाला वेडरूम 14 ×10 का हे इनके साथ ही अटेच्ड टॉयलेट हे जिसका साइज 12 ×6 हे बाई ओर 10 ×12 का डाइनिग एरिया तथा 12 ×20 का ड्राइग रूम ह इसके आगे 7 फुट चोडा बरामदा तथा पीछ 12 ×8 का रसाइघर हे रसोई क पीछे जीना तथा दाई तरफ 16 ×16 का फेमिली लाउज है गेरेज 12'×18 का तथा साइड का आगन 12 फुट चाडा हे

पीछे 45'×30 का तथा आगे 58 ×20 का खुला आगन ह इन आगना से न सिफ कमरो का खुली हवा, राशनी इत्यादि प्राप्त हागी बल्कि इनमे फूल-पोधे लगाकर घर को हरा-भरा भी बनाया जा सकेगा पीछ के आगन मे साग-सब्जी उगाकर 'किचन गार्डन' भी बना सकते ह इसम एक तरफ बाद मे आवश्यकता पडने पर कुछ आर कमरो का भी निर्माण किया जा सकता हे

घर क मध्य म जो फमिली लाउज दिखाया गया हे उसका काफी फायदा रहेगा परिवार के सभी सदस्या के उठन-बैठने के लिए यह जगह काम आएगी इसके पीछे हरा-भरा खुला आगन हाने से यहा अच्छा वातावरण बना रहगा सभी कमरो म अच्छी हवा तथा प्राकतिक रोशनी भी आएगी

डिजाइन सख्या MHP-21, 58 90 = 580 वर्ग गज = 485 13 वर्ग मी
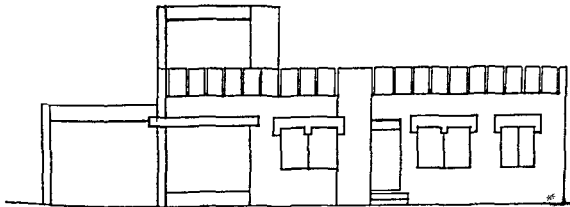
फ्रट एलीवेशन

CONVERSION – METERS TO FEET

Meters	Feet	Meters	Feet
0	0 00000	30	98 42500
1	3 28083	1	101 70583
2	6 56167	2	104 98667
3	9 84250	3	108 26750
4	13 12333	4	111 54833
5	16 40417	5	114 82917
6	19 68500	6	118 11000
7	22 96583	7	121 39083
8	2[illegible] 24667	8	124 67167
9	29 52750	9	127 95250
10	32 80833	40	131 23333
1	36 09917	1	134 51417
2	39 37000	2	137 79500
3	42 65083	3	141 07583
4	45 93167	4	144 35667
5	49 21250	5	147 63750
6	52 49333	6	150 91833
7	56 77417	7	154 19917
8	59 05500	8	157 48000
9	62 33583	9	160 76083
20	65 61667	50	164 04167
1	68 89750	1	167 32250
2	72 17833	2	170 60333
3	75 45917	3	173 88417
4	78 74000	4	177 16500
5	82 02083	5	180 44583
6	85 30167	6	183 72667
7	88 58250	7	187 00750
8	91 86333	8	190 28833
9	95 14417	9	193 56917

"आपकी राय"

(सर्वेक्षण)

लेखक और प्रकाशक का हमेशा प्रयास रहता है कि पाठकों के लिए ऐसी पुस्तकें तैयार करें जो ज्ञानवर्द्धक और उपयोगी होने के साथ-साथ ज्यादा महंगी भी न हों. प्रस्तुत पुस्तक आप को कैसी लगी, यह जानना हमारे लिए जरूरी है ताकि आपकी आवश्यकताओं और पसन्द को ध्यान में रखकर पुस्तकें तैयार की जा सकें. आपकी सुविधा के लिए हम एक प्रश्नावली दे रहे हैं. इसके उत्तर आप इसमें भर-कर डाक से लेखक के पते पर भेज दें. आपके सुझाव और प्रतिक्रिया हमारे लिए मार्गदर्शक का कार्य करेंगे।

(नोट —सही उत्तर पर ☑ म सही का निशान लगाए)

1 आपको प्रस्तुत पुस्तक के बारे म कैसे पता चला
- रेडियो द्वारा ☐
- पत्र पत्रिका म समीक्षा पढ़ कर पत्र पत्रिका का नाम
- पत्र पत्रिका म विज्ञापन पढ कर पत्र पत्रिका का नाम
- बाजार म पस्तक विक्रता पर देखकर ☐
- रलव स्टशन/बस स्टैंड बक स्टाल पर दखकर ☐

2 पुस्तक का मूल्य
- ज्यादा है ☐
- कम है ☐
- ठीक है ☐

3 भवन निमाण पर आपन
- यह पहली पस्तक पढी है ☐
- पहल भी पढ़ी हैं ☐
- सिर्फ अग्रजी मे देखी या पढी है ☐

4 अन्य पुस्तको की तुलना मे यह पुस्तक
- बेहतर है ☐
- ठीक है ☐
- बकार है ☐

5 आपन यह पुस्तक खरीदी क्योंकि
- आप नया मकान बनवाने जा रह हैं ☐
- पराने का ही रद्दाबदल करक बहतर ☐
- ज्ञान बढ़ान क लिए ☐

6 [illegible]

मॉडर्न [illegible]

100वा ऐतिहासिक संस्करण

11 भारतीय भाषाओ मे प्रकाशित

2,00,00,000 दो करोड़ से भी अधिक पाठकों की पसन्द

"रैपिडैक्स" इंगलिश स्पीकिंग कोर्स

प्रिय अभिभावक
आपका बच्चा अग्रजी स्कल म पढता है अग्रेजी अच्छी तरह लिख पढ लता है उसकी एकमात्र समस्या
वह इसे बालन म हिचकता या अटकता है।

इसका समाधान बता रहे हैं
उसके प्रिय खिलाडी —कपिल देव

अग्रेजी बोलचाल सीखने का एकमात्र सार्स रैपिडैक्स इगलिश स्पीकिंग कोर्स

Its really a good book to learn spoken English —**Kapil Dev**

का वट स्तर की शुद्ध व फराटदार अग्रजी सिखलाने वाली एसी पस्तक जा भारत क कोन काने म फैली जिस हर भाषा क लागा ने पसन्द किया तथा समाज क हर वर्ग न अपनाया।

सभी भाषाओं म बडे साइज के 400 से अधिक पष्ठ और मल्य एक ही 28/ डाकखर्च 5/ प्रत्येक

इस सस्करण में एक नया पत्र लेखन खड भी जोड दिया गया है।

हिन्दी के माध्यम से भारत की कोई भी भाषा सीखिए या अन्य किसी भारतीय भाषा के माध्यम से हिन्दी

रैपिडैक्स लैग्युएज लर्निंग सीरीज

इतनी सरल व ग्राहय सीरीज कि आप कछ ही दिनो मे काम चलाने लायक कोई भी भारतीय भाषा बोलने और समझने लगेगे
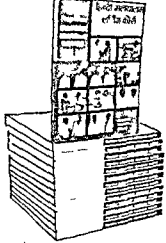
उन सबके लिए जरूरी सीरीज

- जिनका तबादला सरकारी नौकरी की बदौलत किसी अन्य भाषा भाषी प्रदेश मे हा गया हा जैस—हिन्दी भाषी का बगाल म
- जिन्हे व्यापार के सिलसिल में अन्य भाषा भाषी प्रदेशा म आना जाना पडता है
- सल्समैन या व लाग जा अन्य प्रदेशा में काम क अवसर खाजना चाहत हा

12 खण्डो की सीरीज की पुस्तके

हिन्दी तेलुगु लर्निंग कोर्स
हिन्दी कन्नड लर्निंग कोस
हिन्दी तमिल लर्निंग कोर्स
हिन्दी बगला लर्निंग कोर्स
हिन्दी गुजराती लर्निंग कोर्स
हिन्दी मलयालम लर्निंग कोर्स

(इसी प्रकार प्रान्तीय भाषाओं से हिन्दी सीखने के लिए भी 6 पुस्तकें उपलब्ध)

सभी पुस्तकें डबलक्राउन साइज के लगभग 250 पष्ठों में प्रत्येक पुस्तक का मूल्य 24/ डाकखर्च 4/

आम बोलचाल म प्रयुक्त 4000 शब्दार्थ व उनके सही व सच्चे प्रयोग सिखाने वाली अनाखी

अर्थात् जिसका प्रत्येक शब्द बालता है वाक्यो के रूप म

प्रत्यक शब्द का हिन्दी म उच्चारण उसकी व्याकरण रचना तथा अर्थ और फिर अग्रजी क वाक्या म प्रयाग यानी— थ्री इन वन।

हिन्दी तथा मराठी मे उपलब्ध
पष्ठ 154/ मूल्य 12/
डाकखर्च 3/

51 महान आविष्कार

आज के विज्ञान और आधुनिक सभ्यता का आधार समझे जाने वाले

- य महान आविष्कार कौन स है?
- इन आविष्कारा की कहानी क्या है?
- य आविष्कार कब और किसन किए?
- इनक पीछ मख्य सिद्धान्त क्या थ?
- इनम आग क्या क्या सधार हए?
- इनका आज रूप क्या है? इत्यादि

तथा हजारा हजार साल पहल क पहिए क आविष्कार स लकर आधुनिक युग क टलीविजन राडार तथा कम्प्यूटर रॉकट तथा उपग्रह आदि महान आविष्कारा का सचित्र वर्णन।

बड़े 168 पृष्ठ मूल्य 20/ डाकखर्च 4/

पेंसिल पकडने से लेकर मॉडर्न आर्ट तक सिखाने में समर्थ कोर्स।

ड्राइंग तथा पेण्टिंग कोर्स

–ए एच हाशमी

पृष्ठ 144
मूल्य 15/
डाकखर्च 4/

इस कोर्स की मदद स आप कछ ही दिना म फूल पत्तिया पड पौधा फल-सब्जिया कीड मकाडा पशु पक्षिया तथा मानव आकृतिया क स्कैच म भर चित्र तथा ग्लास मीनाकारी वाटर कलर ऑयल-कलर एक्रलिक पटिंग हिन्दी अग्रजी लैटरिंग आदि सीख कर शौकिया तथा व्यावसायिक लाभ उठा सकते हैं।

अपने बच्चे का बौद्धिक स्तर (I.Q.) बढ़ाइये

जल्दी सीखने और समझने की नई वैज्ञानिक फोटोटेक्स्ट पद्धति पर आधारित 'चिल्ड्रन्स लायब्रेरी ऑफ नॉलेज' अपनाइये

चिल्ड्रन्स लायब्रेरी ऑफ नॉलेज

पेपरबैक सस्करण (प्रतिखड)
36/ डाक खर्च 5/

पूरे सेट के लिए विशेष रियायती मूल्य 144/ 121/
डाकखर्च माफ
(साथ म गिफ्ट बॉक्स भी)

फोटोटेक्स्ट पद्धति क्या है ?

जो बात हजार शब्द नहीं कह पाते, एक चित्र कह देता है–जी हा यह एक प्रामाणिक तथ्य है कि भाषा और चित्र का सही तालमेल स्थापित करक यदि बच्चे को कठिन से कठिन विषय भी समझाया जाए तो वह उसे न केवल सीखता है बल्कि हमेशा के लिए याद भी रख पाता है और यदि चित्र रगीन हो तो सोने म सुहागा। इसी मनोवैज्ञानिक तथ्य को सिद्धा त मानकर यह अनूठी फोटोटेक्स्ट पद्धति विकसित की गई है और यह पद्धति ही 'चिल्ड्रन्स लायब्रेरी ऑफ नॉलेज' की रचना का आधार है।

लायब्रेरी में दिये गये सभी चित्र रगीन हैं।

लायब्रेरी में क्या है?

बड़े आकार के 400 रगीन पृष्ठों की यह लायब्रेरी चार खण्डों में विभाजित है जिसका चित्राकन विश्व प्रसिद्ध चित्रकार टाई नाइप्रेन ने किया है। कल मिलाकर इसमें 1200 प्रविष्टिया हैं जिनका चयन बडी सावधानी से बच्चों की विविध रुचियों को ध्यान में रखकर किया गया है जैसे-

□ देश और निवासी □ खनिज व धातु □ मनुष्य और मशीन □ पृथ्वी और ब्रह्माण्ड □ पशु और पक्षी □ मानव शरीर □ सामान्य और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मरुस्थल और पर्वत □ कला और संगीत □ पौधे और वृक्ष □ इतिहास और धर्म □ सागर और नदियां □ सचार और परिवहन □ अनुसधान और आविष्कार आदि ।

Also available in English
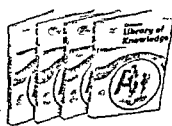
Published by Pustak Mahal in collaboration with M/s Bonniers and Lidman (Sweden)

अपने निकट के या रेलवे तथा बस अड्डों पर स्थित बुक स्टॉलों पर माग करें। न मिलने पर वी पी पी द्वारा मगाने का पता

10 B नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली 110002

खेल-खेल में जादू सीखो, खेल साइंस के खेलो ज्ञान बढ़ाओ, रौब जमाओ, मित्रों में यश लेलो

101 साइंस गेम्स
—आइवर यूशिएल

विज्ञान के 101 खेलों की यह पुस्तक खेल खेल में कुछ ऐसे उपकरण बनाना सिखा देती है जो बनने तो खिलौने ही लेकिन असली उपकरण का सा आनन्द देंगे, जैसे—बैरोमीटर, विद्युत चुम्बक, हैक्टोग्राफ, स्टीम टरबाइन, इलेक्ट्रोस्कोप आदि
इनके अलावा बहुत से रोचक प्रयोग जैसे कागज के बर्तन में पानी उबालना, भाप से नाव चलाना आदि

मूल्य 15/- डाकखर्च 4/- पृष्ठ 120
English edition also available

101 मैजिक ट्रिक्स
—आइवर यूशिएल

इस सचित्र पुस्तक में दी गई हैं—ऐसी 101 शानदार व जानदार ट्रिक्स, जिनको समझना जितना सरल है उनका प्रदर्शन उससे भी आसान। बस। जरूरत है तो थोड़े से अभ्यास के साथ चन्द ऐसी चीजों की, जो तुम्हें आसानी से उपलब्ध हो जाएगी। जैसे *ताश रूमाल गिलास सिक्के पेपर-स्ट्रॉ आदि*
ट्रिक्स की एक झलक ◘ *टूटी माला फिर तैयार* ◘ *गिलास का पानी गायब करना* ◘ *रूमाल आग से न जले* ◘ *सर पर रखा हैट स्वयं उछले आदि*

मूल्य 15/ डाकखर्च 4/ पृष्ठ 120
Also available in English

101 साइंस एक्सपेरिमेंट्स
— आइवर यूशिएल

बच्चों के प्रिय लेखक आइवर यूशिएल द्वारा नन्हे वैज्ञानिकों के लिए लिखी गई एक ऐसी पुस्तक—जो सरल व रोचक प्रयोगों द्वारा विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को समझने में निश्चित रूप से मदद देगी।
प्रयोगों की एक झलक—
- *कैसे चल पाते हैं जल सतह पर कीट?*
- *नहाने के बाद क्यों लगती है ठंड?*
- *कमरे में बैठ नापो सितारों की दूरी।*
- *कैसे खींचता है कैमरा तस्वीर?*

इसके साथ ही टरबाइन वर्षामापी सूक्ष्मदर्शी डायनेमो आदि अनेक उपकरण बनाने की सचित्र विधियां।

मूल्य 15/ डाकखर्च 4/ बड़े 120 पृष्ठ
English edition also available

विश्व की 18 भाषाओं में करोड़ों की संख्या में बिकने वाली प्रसिद्ध अमरीकी लेखक 'रिप्ले' की पुस्तक
Believe It or Not!
अब हिन्दी में भी. . . .

संसार के 1500 अद्भुत आश्चर्य

जिसमें कुदरत के चमत्कार, अद्भुत ऐतिहासिक घटनाएं, बादशाहों की अजीबो-गरीब सनकें, साहस और वीरता के बेमिसाल कारनामे, पृथ्वी, समुद्र और आकाश के जीव-जन्तुओं और वनस्पतियों की अनजानी विचित्रताएं वर्णित हैं।

एक ऐसी दिलचस्प पुस्तक जिसकी कहानियां प्रत्येक घर-परिवार में हर पार्टी व जश्न में सभा-समारोहों में हमेशा-हमेशा चर्चा का विषय बनती आई हैं।

1500 आश्चर्यों में से कुछ की झलक

◘ *एक गीदड़—जिसने 12 वर्ष तक मनुष्यों पर राज्य किया* ◘ *एक ऐसा पेड़—जो हर शाम पानी की वर्षा करता है* ◘ *एक समुद्री जीव—जिसका वजन बचपन में 10 पौंड प्रति घंटे बढ़ता है* ◘ *एक ऐसा जीव—जो अण्डे के अन्दर होने पर भी बोलता है?* ◘ *एक साधु—जिसे तोप में डालकर दो बार 800 फीट ऊंचा उछाला गया मगर फिर भी जीवित रहा*

पृष्ठ 224 मूल्य 25/ डाकखर्च 4/

अपने निकट के या रेलवे तथा बस अड्डों पर स्थित बुक स्टॉलों पर मांग करें। न मिलने पर वी पी पी द्वारा मंगाने का पता

पुस्तक महल
10 B नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली
खारी बावली, दिल्ली 110006